THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 43 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.12 2080 मंगलवार, 2 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुलह की गुंजाइश नहीं बची, तो सुप्रीम कोर्ट तलाक मंजूर करेगा

> पति-पत्नी को नहीं करना होगा 6 महीने का इंतजार

> कोर्ट ने तलाक के आधार तय किए

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने सोमवार को तलाक को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा है कि अगर पति-पत्नी के रिश्ते टूट चुके हों और सुलह की गुंजाइश ही न बची हो, तो वह भारत के संविधान के आर्टिकल 142 के तहत बिना फैमिली कोर्ट भेजे तलाक को मंजूरी दे सकता है। इसके लिए 6 महीने का इंतजार अनिवार्य नहीं होगा।

कोर्ट ने कहा कि उसने वे फैक्टर्स तय किए हैं जिनके आधार पर शादी को सुलह की संभावना से परे माना जा सकेगा। इसके साथ ही कोर्ट यह भी सुनिश्चित करेगा कि पति-पत्नी के बीच बराबरी कैसे रहेगी। इसमें मेंटेनेंस, एलिमनी और बच्चों की कस्टडी शामिल है। यह फैसला जस्टिस एसके कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एएस ओका और जस्टिस जेके माहेश्वरी की संविधान पीठ ने सुनाया। इंदिरा जयसिंह, कपिल सिब्बल, वी. गिरी, दुष्यंत दवे और मीनाक्षी अरोड़ा जैसे सीनियर एडवोकेट्स को इस मामले में न्याय मित्र बनाया गया था।

इंदिरा जयसिंह ने कहा था कि पूरी तरह खत्म हो चुके शादी के रिश्तों को संविधान के आर्टिकल 142 के तहत खत्म किया जाना चाहिए। दुष्यंत दवे ने इसके विरोध में तर्क दिया कि जब संसद ने ऐसे मामलों को तलाक का आधार नहीं माना है तो कोर्ट को इसकी अनुमति नहीं देनी चाहिए।

वी गिरी ने कहा कि पूरी तरह टूट चुकी शादियों को क्रूरता का आधार माना जा सकता है। कोर्ट इसमें मानसिक क्रूरता को भी शामिल करता है। सिब्बल ने कहा कि मेंटेनेंस और कस्टडी तय करने की प्रक्रिया को तलाक की प्रक्रिया से इतर रखना चाहिए, ताकि महिला व पुरुष को आत्महत्या करने से बचाया जा सके।

मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि आर्टिकल 142 के तहत अपने विशेषाधिकार को लागू करते ही सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक कानूनों के दायरे से बाहर आ जाता है। यह आर्टिकल न्याय, बराबरी और अच्छी नीयत वाले विचारों को साकार करता है।

संविधान पीठ को ये मामला क्यों भेजा गया था

इस मुद्दे को एक संविधान पीठ को यह विचार करने के लिए भेजा गया था कि क्या हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13बी के तहत आपसी सहमति से तलाक की प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड) को माफ किया जा सकता है। हालांकि, खंडपीठ ने यह भी विचार करने का फैसला किया कि क्या शादी के सुलह की गुंजाइश ही ना बची हो तो विवाह को खत्म किया जा सकता है।

संविधान पीठ के पास कब भेजा गया था यह मामला डिवीजन बेंच ने 29 जून 2016 को यह मामला पांच जजों की संविधान पीठ को रेफर किया था। पांच याचिकाओं पर लंबी सुनवाई के बाद बेंच ने 20 सितंबर 2022 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने कहा था कि सामाजिक परिवर्तन में थोड़ा समय लगता है और कभी-कभी कानून लाना आसान होता है, लेकिन समाज को इसके साथ बदलने के लिए राजी करना मुश्किल होता है।

एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल आधार पर नवाब मलिक की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट इस मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। अगर हाईकोर्ट सुनवाई नहीं करता है, तो याचिकाकर्ता फिर से शीर्ष अदालत आ सकता है, लेकिन फिलहाल हाईकोर्ट को ही जमानत पर फैसला लेने दें। नवाब मलिक की ओर से कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, ट्रायल कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए छह महीने का समय लिया।

हाईकोर्ट ने पांच महीने ले लिए हैं। अब हाईकोर्ट ने इस मामले को 2 मई के लिए पेंडिंग में डाल दिया है। वह पिछले डेढ़ साल से जेल में हैं। उनकी एक किडनी पहले ही फेल हो चुकी है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। नवाब मलिक ने स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की है। मलिक ने याचिका में कहा, उनकी एक किडनी खराब है और दूसरी किडनी भी बहुत कम काम कर रही है। अदालत से एक-एक जांच की अनुमति लेने में दो-तीन सप्ताह लग जाते हैं। नवाब मलिक को पिछले साल मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ईडी ने गिरफ्तार किया था।

आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

> 8 मई को होगी सुनवाई

> आईएएस जी कृष्णैया की पत्नी ने दायर की है याचिका

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। बिहार के बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। डीएम जी कृष्णैया की हत्या में दोषी आनंद मोहन की रिहाई मामले में 8 मई को सुनवाई होगी। 29 अप्रैल को डीएम जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी ने पूर्व सांसद की रिहाई को चुनौती दी थी। उनकी ओर से दायर याचिका में आनंद मोहन को फिर से जेल भेजने की मांग की गई थी।

बिहार सरकार ने जेल मैनुअल में बदलाव किया था, इसके बाद आनंद मोहन सिंह गुरुवार (27 अप्रैल) सुबह 6.15 बजे सहरसा जेल से रिहा हुए थे।

वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसा किया गया :

जी कृष्णैया की पत्नी उमा सदमे में हैं। वह कहती हैं, ऐसा वोट बैंक की राजनीति के लिए किया जा रहा है। वह रिहाई को खुद के साथ अन्याय बताती हैं। पहले दोषी को फांसी की सजा हुई थी, फिर उसे उम्रकैद में बदल दिया गया। अब सरकार उसकी रिहाई करा रही है। ये बिल्कुल सही नहीं है।

नीतीश सरकार ने गलत उदाहरण पेश किया :

आनंद मोहन की रिहाई पर डीएम जी कृष्णैया की बेटी पद्मा ने नाराजगी जताई है। हैदराबाद में उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को अपने इस फैसले पर दोबारा सोचना चाहिए। सरकार ने एक गलत उदाहरण पेश किया है। ये सिर्फ एक परिवार के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि देश के साथ अन्याय है। उनकी बेटी ने रिहाई के खिलाफ अपील करने की भी बात कही।

गोपालगंज के सीएम जी कृष्णैया की हत्या में बाहुबली आनंद मोहन की रिहाई से बिहार की ब्यूरोक्रेसी में खलबली है। आईएएस एसोसिएशन भी विरोध में उतर आया है। आईएएस एसोसिएशन ने सरकार से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। उसका कहना है कि ऐसे फैसलों से अधिकारियों का मनोबल टूटेगा। आनंद को हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके तहत उन्हें 14 साल की सजा हुई थी। आनंद ने सजा पूरी कर ली थी, लेकिन मैनुअल के मुताबिक, सरकारी कर्मचारी की हत्या के मामले में दोषी को मरने तक जेल में ही रहना पड़ता है। नीतीश सरकार ने इसमें बदलाव कर दिया। इसका संकेत जनवरी में नीतीश कुमार ने एक पार्टी इवेंट में मंच से दिया था कि वो आनंद मोहन को बाहर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ हाईकोर्ट में पीआईएल

आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ अमर ज्योति नामक एक युवक ने बुधवार को पटना हाईकोर्ट में पीआईएल दायर की। कारागार अधिनियम 2012 को संशोधित कर सरकार ने जो अधिपत्र निकाला है। उसके खिलाफ याचिका दायर की गई है। अमर ज्योति (30) भोजपुर के पीरो के रहने वाले हैं। उन्होंने कोर्ट से सरकार की ओर से जारी उस अधिपत्र को निरस्त करने की अपील की है।

पीएम कहते हैं 91 बार गाली दी गई : राहुल

वे सिर्फ अपनी बात करते हैं, अजान की आवाज सुनकर भाषण रोका

बेंगलुरू, 1 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सोमवार को कर्नाटक के तुमकुर और हासन में जनसभा को संबोधित किया। राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री जी कर्नाटक आते हैं, लेकिन सिर्फ अपनी बात करते हैं।

मोदी जी बताइए, आपने पिछले 3 साल में कर्नाटक के लिए क्या किया और राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और युवाओं के लिए क्या करेंगे? ये चुनाव आपके बारे में नहीं, कर्नाटक के भविष्य के बारे में है। आप कहते हैं कांग्रेस ने आपको 91 बार गाली दी, लेकिन ये कभी नहीं कहते कि आपने कर्नाटक के लिए क्या किया? पिछली रैलियों की तरह यहां भी राहुल का निशाना 40 प्रतिशत वाली सरकार पर रहा। राहुल ने कहा, पिछले 3 सालों से, भाजपा ने यहां केवल भ्रष्टाचार किया है। कर्नाटक के लोगों ने भाजपा सरकार को 40 प्रतिशत सरकार कहा, जिसका अर्थ है कि वे जनता से 40 प्रतिशत कमीशन चुराते हैं। प्रधानमंत्री को भी इस बारे में पता था, लेकिन मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने इस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की।

मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे ने पीएम पर दिया विवादित बयान :

मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना जहरीले सांप से करने के बाद अब उनके बेटे प्रियांक खड़गे ने भी विवादित बयान दे दिया। प्रियांक ने कहा, डरो मत, दिल्ली में बंजारा समाज का एक बेटा बैठा है।

जब बेटा नालायक है तो घर कैसे चलेगा। वैसे इस बार के चुनाव में पीएम को लेकर विपक्ष के कई लोगों ने अभद्र टिप्पणी की। पीएम ने भी अपनी रैली में इसका जिक्र किया था।

अप्रैल 2023 में बना जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड

सरकार ने 1.87 लाख करोड़ रुपये जुटाए

अप्रैल 2022 के मुकाबले 12 प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया है। अप्रैल 2023 में सरकार ने जीएसटी से 1.87 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे पहले सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन पिछले साल अप्रैल में हुआ था। तब जीएसटी से 1.67 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यानी इस साल अप्रैल में सरकार ने पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत ज्यादा जीएसटी जुटाया है।

अप्रैल के कुल जीएसटी कलेक्शन में सीजीएसटी 38,440 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 47,412 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 89,158 करोड़ रुपये और सेस 12,025 करोड़ रुपये रहा। वहीं एक दिन में अब तक का सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन 20 अप्रैल 2023 को किया गया। 9.8 लाख ट्रांजैक्शन के जरिए 68,228 करोड़ रुपये टैक्स जमा किया गया।

पीएम बोले, ये इकोनॉमी के लिए बहुत बड़ी खबर :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, ये भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ी खबर है। कम टैक्स रेट के बावजूद टैक्स कलेक्शन में रिकॉर्ड इजाफा बताता है कि जीएसटी कैसे इंटीग्रेशन और अनुपालन में सफल रहा है। अप्रैल 2022 में जीएसटी कलेक्शन के लिहाज से टॉप-5 राज्यों में महाराष्ट्र सबसे ऊपर है। महाराष्ट्र में जीएसटी कलेक्शन पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़कर 33,196 करोड़ रुपये रहा। इस लिस्ट में कर्नाटक 14,593 करोड़ के कलेक्शन के साथ दूसरे और गुजरात 11,721 करोड़ के कलेक्शन के साथ तीसरे नंबर पर है। पूरे फाइनेंशियल ईयर 2022-23 की बात की जाए तो इसमें टोटल 18.10 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ है।

सरकार मजदूरों की सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कर उन्हें सशक्त बना रही है : शाह

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर श्रमिकों के योगदान को नमन किया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार उनकी समृद्धि के साथ ही उनकी सामाजिक व स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कर उन्हें सशक्त बना रही है।

मजदूरों और श्रमिकों की उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए दुनियाभर में हर साल एक मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। अमित शाह ने एक ट्वीट में कहा, श्रमिक दिवस के अवसर पर भारत की प्रगति में अतुलनीय योगदान देने वाले देश के करोड़ों श्रमिकों के दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत को नमन करता हूं। मोदी सरकार उनकी समृद्धि के साथ सामाजिक व स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कर उन्हें सशक्त बना रही है, जिससे देश की श्रमशक्ति और मजबूत हो रही है। केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि श्रमिकों के त्याग व श्रम ने भारत को प्रगति व उत्कर्ष का आधार प्रदान किया है और देश उनके समर्पण के प्रति नतमस्तक है। उन्होंने कहा, श्रमेव जयते! अपने परिश्रम से देश के नवनिर्माण में जुटे समस्त श्रमिक भाई-बहनों को 'श्रम दिवस' के शुभ अवसर पर कोटिशः वंदन करता हूं। आपके त्याग व श्रम ने भारत को प्रगति व उत्कर्ष का आधार प्रदान किया है। राष्ट्र सदैव आपके समर्पण के प्रति नतमस्तक है। आप राष्ट्रनिर्माण की यात्रा के मजबूत स्तंभ हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने एक ट्वीट में कहा, देश के सभी श्रमजीवियों को मजदूर दिवस के अवसर पर बधाई।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की तबीयत खराब, एम्स में भर्ती कराया गया

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी की तबीयत खराब होने के बाद रविवार रात उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। यहां उनकी हालत स्थिर है। अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि वे डॉक्टर्स की निगरानी में है। वे उत्तर पूर्वी क्षेत्र के संस्कृति, पर्यटन और विकास मंत्री हैं। रेड्डी को पेट के ऊपरी हिस्से में तकलीफ की शिकायत हुई थी।

अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता खत्म

मऊ, 1 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मऊ से बसपा सांसद अफजाल अंसारी की लोकसभा से सदस्यता रद्द कर दी गई है। शनिवार को उन्हें गैंगस्टर मामले में गाजीपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 4 साल की सजा सुनाई थी। सजा सुनाए जाने के 56 घंटे बाद उनकी सांसदी चली गई। अफजाल के भाई माफिया मुख्तार अंसारी को भी गैंगस्टर मामले में 10 साल की सजा सुनाई थी। मुख्तार पर 5 लाख और अफजाल पर 1 लाख रुपये का जुर्माना कोर्ट ने लगा था। मुख्तार पहले से ही बांदा जेल में बंद है। इससे पहले तक सांसद अफजाल जमानत पर था।

अंसारी भाइयों पर गैंगस्टर एक्ट का ये मामला 2007 में कृष्णानंद राय की हत्या के दो साल बाद दर्ज किया गया था। केस में राय की हत्या के बाद हुई आगजनी और कारोबारी नंद किशोर रुंगटा की अपहरण-हत्या को आधार बनाया गया था।

भारत में जासूसी कर रहा 'दोस्त' अमेरिका?

अजीत डोभाल और रूसी एनएसए की बातचीत लीक, उठे सवाल

वॉशिंगटन, 1 मई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन के साथ तनाव के बीच भारत एवं अमेरिका में दोस्ती परवान चढ़ रही है। भारत अमेरिका से बड़े पैमाने पर हथियार और मिसाइलें खरीद रहा है, वहीं एप्पल जैसी अमेरिकी कंपनियां चीन के साथ-साथ भारत को अपना ठिकाना बना रही हैं। इस बीच एक ताजा खुलासे से भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिकी अखबार ने अमेरिका खुफिया दस्तावेजों के आधार पर एक रिपोर्ट को प्रकाशित किया है जिससे साफ जाहिर होता है कि अमेरिका दोस्त बनकर भारत में जासूसी की गतिविधियों में शामिल है।

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने इस साल 22 फरवरी को रूस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार निकोलय पत्रुशेव से मास्को में मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत बहुपक्षीय जगहों पर रूस का समर्थन करेगा। अमेरिका के लीक हुए खुफिया दस्तावेज के आधार पर अखबार ने यह दावा किया है। इन लीक हुए दस्तावेजों में कथित रूप से डोभाल अपने रूसी समकक्ष से कहते हैं कि भारत यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि यूक्रेन युद्ध

का मुद्दा आगामी जी-20 बैठक में न उठे।

यूक्रेन के जी-20 बैठक में शामिल होने को लेकर फंसा पेच :

भारत इस समय जी-20 का अध्यक्ष है और कुछ महीने बाद ही इस वैश्विक समूह के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक नई दिल्ली में होने वाली है। इस बैठक में बाइडन, पुतिन और जी-20 के अन्य राष्ट्राध्यक्षों के आने की उम्मीद है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की चाहते हैं कि इस बैठक में उन्हें वर्चुअल तरीके से हिस्सा लेने की अनुमति दी जाए। यूक्रेनी की मंत्री ने हाल ही में भारत यात्रा के दौरान इसका अनुरोध भी किया था। यूक्रेन के इस अनुरोध पर अभी भारत ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया है।

शीतयुद्ध के बाद पहली बार रूस ने गिराया सुपरपावर अमेरिका का विमान :

इस लीक दस्तावेज में कहा गया है कि डोभाल ने रूसी समकक्ष से कहा कि यूक्रेन मुद्दे को लेकर काफी दबाव है लेकिन वह इसे जी-20 सम्मेलन में आने नहीं देंगे। इसमें डोभाल के हवाले से कहा गया है कि भारत यूक्रेन मामले में अपने पहले ली गई स्थिति से पीछे नहीं हटेगा। यही नहीं यूक्रेन को लेकर संयुक्त राष्ट्र में आए पश्चिमी देशों के प्रस्ताव को समर्थन देने के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। यह लीक हुआ दस्तावेज अमेरिका के खुफिया दस्तावेजों का हिस्सा है। यह दस्तावेज मैसेजिंग ऐप डिस्कॉर्ड पर लीक हुआ है।

यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी तक डोभाल की रूसी एनएसए के साथ हुई यह बातचीत कैसे पहुंची। पत्रुशेव रूसी राष्ट्रपति के बहुत करीबी हैं। उन्होंने 29 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। वह एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आए थे। इसी दस्तावेज में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय के अंदर जासूसी का भी खुलासा हुआ है। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार की बातचीत भी लीक हो गई है।

केंद्रीय कानून मंत्री ने की मुख्य न्यायाधीश की तारीफ

किस फैसले पर बोले-'दिल छू लिया'

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के एक फैसले की जमकर तारीफ की। दरअसल एक व्यक्ति को बीमारी की वजह से लिखने में तकलीफ थी, इस पर युवक ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उत्तराखंड प्रशासनिक सेवा की परीक्षा के लिए एक लेखक ले जाने की इजाजत देने की अपील की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया, उसे लेकर केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश की तारीफ की।

किरेन रिजिजू ने एक ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि यह माननीय जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने दिल को छू लेने वाली कार्रवाई की है। उत्तराखंड के न्यायिक सेवा की परीक्षा में एक दिव्यांग उम्मीदवार को लेखक की सुविधा देकर उसे बड़ी राहत दी है। एम्स ने उसके दिव्यांगता के सर्टिफिकेट दिया था जिस पर जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर न्याय मिलना बेहद संतोषजनक है। बता दें कि उत्तराखंड के उम्मीदवार धनंजय कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर परीक्षा के लिए लेखक ले जाने की इजाजत देने की मांग की थी। याचिका में बताया गया कि उत्तराखंड पब्लिक सर्विस कमीशन ने उसकी मांग को खारिज कर दिया है।

जिसके बाद उसने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। याचिकाकर्ता ने याचिका के साथ एम्स अस्पताल द्वारा जारी सर्टिफिकेट भी पेश किया, जिसमें उसकी बीमारी और लिख ना पाने की समस्या की पुष्टि की गई थी।

कर्नाटक में भाजपा का घोषणा पत्र जारी

यूनिफॉर्म सिविल कोड का वादा, बीपीएल परिवार को आधा किलो दूध-3 गैस सिलेंडर मुफ्त

बेंगलुरु, 1 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को अपना घोषणा पत्र 'प्रजा ध्वनि' जारी किया। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बेंगलुरु में इसे जारी किया। घोषणा पत्र में पार्टी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड का वादा किया है। साथ ही बीपीएल परिवार को रोज आधा किलो नंदिनी दूध और 3 रसोई गैस सिलेंडर युगदी, गणेश चतुर्थी और दीपावली पर मुफ्त देने की घोषणा की है।

क्या है यूनिफॉर्म सिविल कोड

यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) का मतलब है-भारत के हर नागरिक के लिए एक समान कानून, चाहे वह किसी भी धर्म हो या जाति का हो। रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस भी राज्य में यूसीसी लागू होगा-वहां, शादी, तलाक, एडॉप्शन, उत्तराधिकार, जमीन-जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा। कार्यक्रम में सीएम बसवराज बोम्मई और बीएस येदियुरप्पा भी मौजूद थे।

किसानों के लिए 30 हजार करोड़ का फंड

इसके अलावा पार्टी ने किसानों के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में माइक्रो कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं, कृषि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने और कृषि उपज समितियों के आधुनिकीकरण के लिए 30 हजार करोड़ रुपये के फंड का वादा किया है।

अवैध अप्रवासियों को नागरिकता, एनआरसी लागू करने का वादा

पार्टी ने अवैध अप्रवासियों को नागरिकता और एनआरसी लागू करने का वादा किया है। एनआरसी की शुरुआत 2013 में सुप्रीम कोर्ट की देख-रेख में असम में हुई थी। फिलहाल यह असम के अलावा किसी अन्य राज्य में लागू नहीं है। प्रियंका गांधी ने रविवार को कर्नाटक में आंगनवाड़ी में काम करने वाली महिलाओं के लिए बड़ा वादा किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी की सैलरी 15 हजार, मिनी आंगनवाड़ी की सैलरी 10 हजार और आशा कर्मचारियों की सैलरी 8 हजार रुपए की जाएगी। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी से रिटायरमेंट के बाद 3 लाख और मिनी आंगनवाड़ी से रिटायरमेंट के बाद 2 लाख रुपए दिए जाएंगे।

कांग्रेस ने किए हैं 5 बड़े वादे

- **गृह ज्योति :** प्रत्येक परिवार को हर महीने 200 यूनिट फ्री बिजली
- **गृह लक्ष्मी :** प्रत्येक घर की महिला प्रमुख को हर महीने 2000 रुपए
- **युवा निधि :** प्रत्येक ग्रेजुएट को हर महीने 3000 रुपए और डिप्लोमा होल्डर्स को 1500 रुपए
- **अन्न भाग्य :** प्रत्येक बीपीएल परिवार को हर महीने 10 किलो फ्री चावल
- कर्नाटक की सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त सफर की सुविधा, आंगनवाड़ी में काम करने वाली महिलाओं की सैलरी बढ़ाने का वादा

गुजरात सीएम के इकलौते बेटे को ब्रेन स्ट्रोक

37 साल के अनुज को एयर एंबुलेंस से मुंबई शिफ्ट किया गया, मुख्यमंत्री भी साथ गए

अहमदाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के इकलौते बेटे अनुज पटेल को ब्रेन स्ट्रोक के चलते अहमदाबाद के केडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आगे के इलाज के लिए सोमवार सुबह एयर एंबुलेंस से उन्हें मुंबई के हिंदुजा अस्पताल शिफ्ट किया गया है। सीएम पटेल भी बेटे के साथ मुंबई पहुंचे हैं।

37 साल के अनुज पटेल को रविवार दोपहर करीब तीन बजे ब्रेन स्ट्रोक आया था। उन्हें अहमदाबाद के केडी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका ऑपरेशन हुआ। इसके बाद सीनियर डॉक्टर्स की सलाह पर आगे के इलाज के लिए अनुज को मुंबई हिंदुजा हॉस्पिटल भेजा गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। अनुज पेशे से सिविल इंजीनियर हैं। उनका अहमदाबाद में कंस्ट्रक्शन का बिजनेस है।

राज्यपाल और प्रदेश अध्यक्ष भी अस्पताल पहुंचे

अनुज का हालचाल जानने आज सुबह राज्यपाल आचार्य देवव्रत और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल भी केडी अस्पताल पहुंचे थे। इन्हीं की मौजूदगी में ही अनुज को एयर एंबुलेंस से मुंबई भेजा गया। सीएम भूपेंद्र पटेल बेटे के साथ ही मुंबई रवाना हो गए।

गुजरात गौरव दिवस के कार्यक्रमों में सीएम की जगह गवर्नर जाएंगे

बता दें, आज गुजरात गौरव दिवस के मौके पर पूरे गुजरात में जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सीएम भूपेंद्र पटेल जामनगर के कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे, लेकिन अब वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे। उनकी जगह अब राज्यपाल आचार्य और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश भाई पटेल कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

रोचक खबरें

घर से अचानक गायब हो गया कुत्ता, 6 साल चला पैदल, पहुंच गया 800 कि.मी. दूर

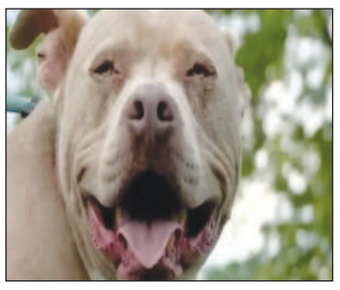

कुत्ते और उसके मालिक का रिश्ता काफी गहरा होता है. जहां डॉग्स के लिए उनका मालिक भगवान होता है. वो अपने मालिक के लिए कुछ भी करने को तैयार होते हैं. वहीं कई मालिक भी अपने पेट को बच्चे की ही तरह ट्रीट करते हैं. जब किसी का पालतू जानवर मर जाता है तो इंसान की लाइफ में एक खालीपन आ जाता है. जो दुनिया से चला जाए, उसे कुछ समय के बाद इंसान भूल जाता है लेकिन जब कोई पेट भाग जाए तब मालिक उसे भूल भी नहीं पाता. ऐसा ही कुछ हुआ जॉर्जिया की रहने वाली तारा हिलीस के साथ. आज से छह साल पहले उसका पालतू डॉग चीफ कहीं चला गया था. तारा ने उसे ढूंढने की काफी कोशिश की. लेकिन नाकामयाब रही. इसके बाद उसने पुलिस में भी इसकी शिकायत दर्ज करवाई. लेकिन कहीं से भी चीफ की कोई खबर नहीं मिली. लेकिन अब 6 साल बाद चीफ को ढूंढ लिया गया है. अपने घर से आठ सौ किलोमीटर की दुरी पर चीफ को स्पॉट किया गया. जिसके बाद इतने सालों के बाद चीफ अपने मालिक से मिल पाया.

डेढ़ साल की उम्र में गया था भाग

साल 2017 में अचानक बिना अपना कोई सबूत छोड़े चीफ गायब हो गया था. अपने घर से ये पिट बुल गायब हो गया था. पहले उसकी मालकिन तारा ने उसे आसपड़ोस में ढूंढने की कोशिश की. लेकिन जब वहां उसका कोई निशान नहीं मिला, तब उसने पुलिस में शिकायत दर्ज की. लेकिन अब छह साल के बाद इस सात साल के पिटबुल को उसके घर जॉर्जिया से आठ सौ किलोमीटर की दुरी से बरामद चीफ जॉर्जिया से दूसरे अमेरिकी स्टेट वेस्ट वर्जीनिया पहुंच गया था. जिस समय चीफ गायब हुआ, उस समय उसकी उम्र सिर्फ डेढ़ साल थी. अब चीज सात साल का हो गया है.

शख्स ने धर दबोची विशाल अजगर की गर्दन खूब मशक्कत के बाद भी बच नहीं पाया जानवर

सोशल मीडिया पर सांप और अजगर से जुड़े ढेर सारे वीडियो देखने को मिलते हैं. जिसमें अजगर की कद-काठी और मजबूत जकड़ किसी को भी हैरान कर सकती है. कई बार अपनी मजबूत पकड़ के जरिए वो इंसान और जानवर को अपना शिकार बनाते भी देखे गए हैं. तो कई बार आदमकद जीवों को सीधा ही निगल जाते हैं अजगर. सांप और अजगर जैसे जीवों से लोग दूर ही रहना चाहते हैं. क्योंकि इन्हें देखने की बात तो दूर, इनके बारे में सुनकर ही लोग थर थर कांपते हैं. लेकिन एक शख्स ऐसा भी है जिसने अजगर जैसे विशाल और ताकतवर जीव को मात दे दी और उससे कई गुना तेज़ पकड़ बरकरार रख उसके नापाक मंसूबे नाकाम कर दिए.

इंस्टाग्राम अकाउंट realtarzann पर शेयर एक वीडियो में एक शख्स जंगल में मौजूद विशाल अजगर को उसकी गर्दन से ऐसा दबोचता है कि जान बचाने को छटपटाने लगता है जानवर. फिर इंसान और सांप के बीच देर तक रस्साकशी चली. मगर इंसान ने अपनी मजबूत पकड़ के बल पर अजगर को हरा दिया वीडियो को 9 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले हैं.

देर तक चली अजगर और इंसान की कुश्ती

वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक शख्स जंगल में मौजूद अजगर को पकड़ने के लिए ऐसी हिम्मत और ताकत दिखाता है जो किसी को भी हैरान कर सकता है. सबसे पहले शख्स ने अजगर की गर्दन को जकड़ा और फिर देर तक अपनी मजबूत पकड़ को बनाए रखा. इस दौरान अजगर ने कई बार शख्स को लपेटना चाहा, उसे दबोचकर पसलियां तोड़ने की कोशिश की, लेकिन शख्स इरादों का इतना पक्का निकला थी उस विशाल और भारी भरकर जीव की गर्दन छोड़ने की गलती बिल्कुल नहीं की. क्योंकि एक बार अगर अजगर की गर्दन की पकड़ ढीली पड़ती. तो वो इंसान पर हावी हो सकता था.

साड़ी में महिला का स्टंट देख रह जाएंगे दंग

बर्फीली वादी में भारतीय परिधान में दिल जीत गई जांबाज

सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहाँ पर लोग न सिर्फ अपने मन की बात करते हैं, बल्कि अपने मन की सुनते और अपने मन की करते भी नजर आते हैं. हर वो लोग जो दकियानूसी बातें करते हैं, जो किसी काम के लिए किसी खास पैमाने को तय करके चलते हैं. उन्हें करारा जवाब देने में भी कुछ सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स पीछे नहीं रहते. एक ऐसी ही सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ने हैरतअंगेज कारनामे और जांबाजी भरा स्टंट करने के लिये वेस्टर्न आउटफिट को ज़रूरी बताने वालों की बोलती बंद कर दी. और कुछ ऐसा करके दिखाया जिसने हर किसी को हैरान कर दिया.

इंस्टाग्राम अकाउंट divyamaiya पर शेयर वीडियो में एक महिला ने साड़ी में स्कीइंग कर हर किसी को दंग कर दिया. पारंपरिक परिधान और बर्फीली वादियो में कड़ाके की ठंड के बीच महिला का स्किइंग करना लोगों को प्रेरित कर रहा है. महिला ने साड़ी में ऐसा कर उन लोगों को करारा जवाब दिया है, जो ऐसे स्टंट के लिए वेस्टर्न अटायर को ही सही मानते हैं. वीडियो को 65,000 से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है.

साड़ी में स्कीइंग कर दिल जीत ले गई महिला

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो गया. जिसमें एक महिला साड़ी पहनकर बर्फीली वादियाँ में स्कीइंग करती नजर आईं. इस दौरान ना तो वो डरती दिखी ना ही साड़ी जैसे परिधान में अनियंत्रित होती नजर आ.ई बल्कि वो तो पूरे आत्मविश्वास के साथ किसी परिंदे की तरह हवा को चीरती हुई आगे बढ़ रही थी. साड़ी में ऐसे स्टंट करना किसी के लिए भी आसान नहीं होता. आमतौर पर पारंपरिक परिधान में ऐसे करतब या एड्वेंचर करता कोई नजर भी नहीं आता.

अगले हफ्ते फिर बंगाल आ रहे हैं गृह मंत्री

गुरुदेव की जयंती पर कार्यक्रमों में होंगे शामिल

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह इसी महीने एक बार फिर से पश्चिम बंगाल की यात्रा पर आने वाले हैं। शाह नौ मई को कोलकाता आ रहे हैं। इस दौरान वे गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर जयंती पर आयोजित होने वाले सास्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। भाजपा के कार्यकर्ता उनकी इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि अगले वर्ष लोकसभा चुनाव से पहले गृहमंत्री की इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक नोबेल से सम्मानित गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर के जयंती पर एक सांस्कृतिक संगठन की ओर से उनको निमंत्रण दिया गया था, जिसे गृहमंत्री ने स्वीकृति दे दी है।

इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के भी शामिल होने की उम्मीद है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्यांगना तनुश्री शंकर, अभिनेता रितुपर्णा सेनगुप्ता और गायिका सोमलता आचार्य के भी शामिल होने की संभावना है। भले ही कहा जा रहा है कि इस कार्यक्रम का आयोजन एक सांस्कृतिक संगठन द्वार किया जा रहा है, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह की बंगाल यात्रा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। आगामी लोकसभा के मद्देनजर गृहमंत्री का दौरान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले महीने ही गृहमंत्री अमित शाह बंगाल यात्रा पर आए थे और उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने जनता से लोकसभा में भाजपा को 35 सीटों पर जीताने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था, अगर ऐसा होता है तो ममता बनर्जी की सरकार 2026 से पहले गिर जाएगी।

रामनवमी पर हुई हिंसा को लेकर बीजेपी का ममता पर वार

कलकत्ता, 1 मई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने एक बार फिर बंगाल में रामनवमी हिंसा को लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बंगाल में जानबूझकर हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं। वहीं घोष ने इस मामले में हाई कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले की भी सराहना की।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपी जांच

भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार इस मुद्दे को हल करने का प्रयास नहीं कर रही है। गौरतलब है, यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने रामनवमी समारोह के दौरान हावड़ा और दलखोला जिलों और पश्चिम बंगाल के अन्य हिस्सों में भड़की हिंसा की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी है। इससे पहले भाजपा नेता ने बंगाल पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया था। इस मामले में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनाम की अगुवाई वाली एक पीठ ने राज्य पुलिस को आदेश दिया है कि वह मामले के कागजात केंद्र सरकार को सौंपे ताकि एनआईए अपनी जांच शुरू कर सके।

कहा-हिंदुओं पर जानबूझकर किए जा रहे हमले

शुवेंदु अधिकारी भी कर चुके हैं तारीफ

हाई कोर्ट द्वारा हिंसा की जांच पर लगातार सख्ती को देखकर भाजपा नेता शुवेंदु अधिकारी ने भी तारीफ की। उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय को संविधान का संरक्षक बताया। उन्होंने कहा कि संविधान के संरक्षक ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा से संबंधित मामले की जांच को एनआईए को सौंप दी है। इसने जनता में विश्वास जगाया है।

नेता ने याचिका दायर की थी

भाजपा विधायक व नेता प्रतिपक्ष शुवेंदु अधिकारी ने राज्य में रामनवमी पर हुई हिंसा की एनआइए जांच की मांग करते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। बता दें कि राज्य में कई जगहों पर रामनवमी पर निकली शोभायात्राओं पर हमला हुआ था। आगजनी, तोड़फोड़ व मारपीट की घटनाएं भी हुई थी।

दो सप्ताह के भीतर दस्तावेज सौंपने के निर्देश

जनहित याचिका में अधिकारी ने हिंसा की एनआईए जांच की मांग करते हुए यह आरोप लगाया था कि कई इलाकों में बम विस्फोट भी हुए थे। अदालत ने राज्य पुलिस को दो सप्ताह के भीतर मामले से संबंधित सभी रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज केंद्र सरकार को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। केंद्र को इसके बाद एनआईए को दस्तावेज भेजने का निर्देश दिया गया।

कालियागंज हिंसा मामला : सीआईडी ने संभाली जांच की जिम्मेदारी

पुलिस पर शख्स को गोली मारने का आरोप

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज में पिछले सप्ताह छापे के दौरान कथित पुलिस गोलीबारी में एक व्यक्ति की 'मौत' की जांच का जिम्मा सोमवार को संभाल लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नहर में बहते हुए मिला था लड़की का शव

एक लड़की (17 वर्षीय) की मौत को लेकर हुई हिंसा के मद्देनजर छापे के दौरान पुलिस ने कथित तौर पर गोलीबारी की थी जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। लड़की 20 अप्रैल को ट्यूशन पढ़ने गयी थी, लेकिन लौटकर घर नहीं आई। अगले ही दिन उसका शव कालियागंज की एक नहर में बहता हुआ पाया गया था।

लड़की की मौत की जांच नहीं करेगा सीआईडी

अधिकारी ने स्पष्ट कर दिया कि सीआईडी लड़की की मौत की जांच नहीं करेगा। उन्होंने बताया, हम उस व्यक्ति की मौत की जांच करेंगे, जो कालियागंज में पुलिस छापे के दौरान गोलीबारी में मारा गया था।

हम लड़की की मौत की जांच नहीं करेंगे। हमने आज सुबह से अपना काम शुरू कर दिया है।

लड़की की मौत को लेकर विरोध जता रहे प्रदर्शनकारी पिछले हफ्ते हिंसक हो गये थे। भीड़ ने कालियागंज थाने में आग लगा दी थी और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की पिटाई कर दी थी। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, हालांकि, प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है।

हमला करने वालों की तलाश में पुलिस ने की थी छापेमारी

स्थानीय लोगों ने दावा किया कि कालियागंज थाने पर हमला करने वालों की तलाश में 27 अप्रैल को लगभग दो बजे कालियागंज के राधिकापुर इलाके में मृत्युंजय बर्मन (33 वर्षीय) के घर पर छापेमारी की गयी थी और इस दौरान वह 'पुलिस गोलीबारी में मारे गए' थे।

मृतक के भाई ने दर्ज कराया पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला

मृतक के बड़े भाई ने कालियागंज थाने के एक सहायक उपनिरीक्षक के खिलाफ कथित 'हत्या' में शामिल होने का मामला दर्ज कराया है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि बर्मन को पुलिस ने गोली मार दी थी। उन्होंने ट्विटर पर एक शव की तस्वीर और वीडियो भी साझा किया। हालांकि, रायगंज पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस आरोप को खारिज कर दिया है।

'मिशनरियों का अपने धर्म का प्रचार गलत नहीं'

जबरन धर्मांतरण के आरोपों पर तमिलनाडु का हलफनामा

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया है कि राज्य में बीते कई सालों से जबरन धर्मांतरण की कोई घटना नहीं हुई है। नागरिकों के पास वो धर्म चुनने की आजादी है, जिसका वह पालन करना चाहते हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर हुई थी, जिसमें कहा गया था कि तमिलनाडु में जबरन धर्मांतरण हो रहा है। इस याचिका के जवाब में तमिलनाडु सरकार ने कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर उक्त बात कही है।

क्या है तमिलनाडु सरकार के हलफनामे में

तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा है कि 'भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 हर नागरिक को उसके धर्म का पालन करने का अधिकार सुनिश्चित करता है। हालांकि मिशनरीज द्वारा अपने धर्म का प्रचार कानून के खिलाफ नहीं है लेकिन अगर वह गलत तरीके से अपने धर्म का प्रचार करते हैं, सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं तो यह गंभीर मुद्दा है। जहां तक तमिलनाडु की बात है, वहां बीते कई सालों से जबरन धर्म परिवर्तन की एक भी घटना नहीं हुई है।'

सीबीआई जांच की मांग

तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने कहा कि 'धर्मांतरण विरोधी कानूनों का अल्पसंख्यकों के खिलाफ दुरुपयोग होने का खतरा है। देश के नागरिकों को स्वतंत्र रूप से अपना धर्म चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए और यह ठीक नहीं है कि सरकार उनकी व्यक्तिगत आस्था और निजता पर सवाल उठाए।' बता दें कि वकील अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर तमिलनाडु में जबरन धर्मांतरण के आरोप लगाए थे। साथ ही सीबीआई से इसकी जांच कराने की मांग की थी।

सीएम सरमा का एलान : आदतन शराबी पुलिसकर्मियों को दी जाएगी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

गुवाहाटी, 1 मई (एजेंसियां)। असम सरकार ने अब शराबी पुलिसकर्मियों के लिए नई योजना तैयार कर ली है। इसके तहत पुलिस के आदतन शराबी जवानों और अधिकारियों को सरकार की तरफ से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव दिया जाएगा।

इसका एलान खुद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की ओर से किया गया। उन्होंने कहा कि आदतन शराबी पुलिसकर्मियों को वीआरएस दे दिया जाएगा और इनकी जगह पर नई भर्तियों की प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। गौरतलब है कि असम के मुख्यमंत्री ने गृह मंत्रालय भी अपने पास ही रखा है। उन्होंने कहा कि करीब तीन सौ अधिकारी और जवान आदतन शराबी हैं जिनके शरीर को ज्यादा शराब ने खराब कर दिया है। सरकार इनके लिए वीआरएस का प्रस्ताव लेकर आई है।

10 मई को असम में सरमा सरकार के दो साल पूरे होने से पहले सीएम प्रशासन में इस बदलाव को लागू करने के

मिशन पर हैं। इसी कड़ी में सरमा ने इस बदलाव को लेकर एलान किया है।

पुलिसबल को फिट रखने की पहल

असम सीएम ने कहा कि पुलिसकर्मियों को इस तरह की वीआरएस की पेशकश कुछ और राज्यों में भी मौजूद हैं। हालांकि, असम में यह पहली बार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह एक पुराना नियम है, लेकिन हमने पहले इसे लागू नहीं किया था। उन्होंने कहा कि वीआरएस लेने के बाद भी इन आदतन शराबी जवानों को पूरी सैलरी मिलती रहेगी, बस उनकी जगह कोई नया जवान ले लेगा।

इससे पहले गुरुवार को राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत में सरमा ने निर्देश दिए थे कि वे पुलिसबल से अनावश्यक लोगों को बाहर करें और शारीरिक तौर पर फिट लोगों को ही जगह दें।

सरमा ने कहा था कि जो लोग आदतन शराबी हैं या बहुत ज्यादा मोटे हैं या जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के कई केस हैं, उन्हें या तो वीआरएस या सीआरएस मुआवजा देकर फोर्स से हटाया जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 2 मई, 2023 3

सुविचार

हमेशा जिंदगी में ऐसे लोगों को पसंद करो, जिनका दिल चेहरे से ज्यादा खूबसूरत हो!

भारी बारिश से मूसी प्रोजेक्ट में पानी का बहाव बढ़ा

नलगोंडा, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण सोमवार सुबह से मूसी परियोजना में पानी का बहाव बढ़ गया।

परियोजना में पानी का प्रवाह 1,860 क्यूसेक रिकॉर्ड किया गया। चूंकि मुसी और उसकी सहायक बिककेरू पूरे जोरों पर बह रही थी, इसलिए सोलीपेट में मूसी पर मध्यम सिंचाई परियोजना की आमद काफी बढ़ गई। 645 फीट के पूर्ण जलाशय स्तर के मुकाबले परियोजना में जल स्तर 632.7 फीट तक पहुंच गया। परियोजना में वर्तमान जल भंडारण 4.46 टीएमसी की पूर्ण भंडारण क्षमता के मुकाबले 1.7 टीएमसी है। पिछले साल मई में परियोजना में जलस्तर 622 फीट था, जो डेड स्टोरेज लेवल है। सूर्यापेट, मेलाचेरुवु, मट्टमपल्ली, चिववेमला, हुज़ूरनगर और पलकेरडु मंडल में सोमवार सुबह मध्यम बारिश हुई। फसल के नुकसान की खबर नहीं है।

जलाशयों में लंबित कार्यों को पूरा किया जाए : केसीआर

सीएम ने कलवाकुर्ती, नेटमपडु, भीमा आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट योजना पर पहली समीक्षा बैठक सोमवार को यहां मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में नवनिर्मित डॉ बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित की गई। पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट योजना के तहत पेयजल परियोजना कार्यों को जारी रखने की सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के मद्देनजर सीएम केसीआर प्रमुख ने आज (सोमवार) समीक्षा बैठक में पुराने महबूबनगर और रंगारेड्डी जिलों के लिए पेयजल आपूर्ति के कार्यों की प्रगति पर चर्चा की। सीएम ने अधिकारियों को जुलाई तक कारिवेना जलाशय में पानी की आपूर्ति करने और इस साल अगस्त तक उड्डनपुर तक पानी उठाने के आदेश जारी किए। अधिकारियों को नरलापुर, एडुला, वट्टेम, करिवेना और उद्दपुर जलाशयों में लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए कहा गया है। सीएम ने अधिकारियों को पंप हाउस, पावर सब स्टेशनों और 'कन्वेयर सिस्टम' से संबंधित बचे हुए कार्यों को पूरा करने का भी निर्देश दिया, जो पानी को एक जलाशय से दूसरे जलाशय में स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पलामुरु जिले में कलवाकुर्ती, नेटमपडु, भीमा और कोइल सागर के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। सीएम ने अधिकारियों को इस साल जून तक शेष कार्यों को पूरा करने का आदेश दिया।

पुराने महबूबनगर और रंगारेड्डी जिलों के प्रतिनिधि मंत्री निरंजन रेड्डी, वी. श्रीनिवास गौड़, सबिता इंद्र रेड्डी, एमएलसी छल्ला वेंकटरामिरेड्डी, सांसद पी रामुलु, मन्ने श्रीनिवास रेड्डी, रंजीत रेड्डी, विधायक मर्री जनार्दन रेड्डी, काले यादैया, अल्ला वेंकटेश्वर रेड्डी, पटनम नरेंद्र रेड्डी, एस राजेंद्र रेड्डी, गुववाला बलराजू, हर्षवर्धन रेड्डी, लक्ष्मा रेड्डी, अंजैया यादव, प्रकाश गौड़, महेश रेड्डी, मनचिरेड्डी किशन रेड्डी, जयपाल यादव, मेटुकु आनंद, पायलट रोहित रेड्डी, तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. अंजनेय गौड़, तेलंगाना स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष सैचंद मौजूद रहे।

मुख्य सचिव शांति कुमारी, सीएम सचिव स्मिता सबरवाल, वित्त विशेष मुख्य सचिव राम कृष्ण राव, सिंचाई विशेष मुख्य सचिव रजत कुमार, सीएम ओएसडी श्रीधर राव देशपांडे, ईएनसी मुरलीधर राव, सलाहकार लिफ्ट सिंचाई पेंटारेड्डी, मिशन भगीरथ ईएनसी कृपाकर रेड्डी, सीई हामिद खान, धर्मा, एसई रंगारेड्डी, श्रीनिवास, विजया भास्कर रेड्डी, चक्रधर, एएसएन रेड्डी, ट्रांस सह निदेशक सूर्य प्रकाश, डीई पीआरएलआईएस सैयद मोइनुद्दीन और अन्य ने भाग लिया।

थाईलैंड में गिरफ्तार 80 भारतीय जुआरियों में तेलंगाना का चिकोटी प्रवीण भी शामिल

चिकोटी प्रवीण

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। थाईलैंड में एक बड़े जुआ रैकेट ने 80 भारतीय जुआरियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तेलंगाना के चिकोटी प्रवीण, माधव रेड्डी (हैदराबाद में ईडी मामले में आरोपी) और मेदक डीसीसीबी बैंक के अध्यक्ष चिट्टी देवेंद्र रेड्डी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, चिकोटी प्रवीण ने कथित तौर पर थाई महिलाओं के साथ पटाया में जुए का अड्डा बनाया था। हैदराबाद और भारत के अन्य हिस्सों से लोगों को कथित रूप से जुए के लिए लाया गया था। यह जत्था सोमवार सुबह भारत के लिए रवाना होने वाला था, लेकिन पुलिस ने देर रात होटल में छापा मारकर इन्हें पकड़ लिया। थाई पुलिस ने कहा कि बंग लामुंग जिले के तंबोन नोंग प्रू में सोई फ्रा तमनाक 4 पर एशिया पटाया होटल में छापे में 80 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस गुप्तचरों से मिली सूचना पर कार्रवाई कर रही थी कि कई भारतीयों ने 27 अप्रैल से 1 मई तक होटल में कमरे बुक किए थे और सम्पाओ नामक एक सम्मेलन कक्ष का उपयोग जुआ खेलने के लिए कर रहे थे। बताया जा रहा है कि जुआरियों के कब्जे से कुल 100 करोड़ रुपये पकड़े गए हैं। बौद्ध बहुल देश थाईलैंड में जुआ को एक गंभीर अपराध माना जाता है।

संविदा शिक्षकों ने सरकार से किया सेवाओं को नियमित करने का आग्रह

वारंगल, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय संविदात्मक शिक्षक (सहायक प्रोफेसर) संयुक्त कार्रवाई समिति ने तेलंगाना राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षकों को उनकी सेवाओं के नियमितीकरण पर विचार नहीं करने के लिए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सोमवार को यहां केयू परिसर में एक विरोध सभा के दौरान कहा कि हम विश्वविद्यालयों में यूजीसी के दिशानिर्देश 2019 के अनुसार आवश्यक योग्यता को पूरा करके कई वर्षों से अकादमिक और बौद्धिक रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक कई वर्षों से इस उम्मीद में काम कर रहे हैं कि उनकी सेवाओं को सर्वोत्तम समय पर नियमित किया जाएगा। चूंकि डिग्री और इंटरमीडिएट कॉलेजों की सेवाओं के संविदा शिक्षकों को नियमित किया जाता है, इसलिए संविदा विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी मुख्यमंत्री से उनकी सेवाओं को भी नियमित करने का अनुरोध किया है।

श्रमिकों के लिए कई योजनाएं लागू कर रहा है तेलंगाना : सीएम

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों और किसानों के जीवन स्तर में सुधार के उद्देश्य से कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। मई दिवस-अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर, मुख्यमंत्री केसीआर ने सभी मेहनती श्रमिकों और पेशेवर श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने पेशे में पसीना बहाते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से समाज के विकास में भाग लेते हैं।

सीएम केसीआर ने कहा कि इस दुनिया में मेहनत और मेहनती लोगों के बलिदान से ही संपत्ति का निर्माण हो रहा है जो ब्रह्मांड के मजबूत निर्माण की नींव है। उन्होंने कहा कि यदि किसी श्रमिक की दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो राज्य सरकार परिवार को 6 लाख रुपये का भुगतान कर रही है। वर्ष 2014 से 2023 तक, राज्य सरकार ने 4,001 प्रभावित परिवारों को 223 करोड़ रुपये की सहायता दी। दुर्घटना के कारण विकलांगता के मामले में प्रत्येक को 5 लाख रुपये प्रदान किए जा रहे हैं।

अब तक कुल 504 विकलांग कर्मियों को 8.9 करोड़ रुपये का आश्वासन मिला है। उन्होंने बताया कि दो प्रसव के लिए महिलाओं को मातृत्व लाभ के रूप में 30,000 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। 2014 से आज तक, सरकार ने 35,796 परिवारों को 280 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की। श्रमिकों की किसी भी कारण से मृत्यु होने की स्थिति में श्रमिकों के परिवारों को एक लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। अब तक 1,49,536 श्रमिकों के आश्रितों को 94 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। राज्य सरकार ने 39,797 मृत श्रमिकों के अंतिम संस्कार के लिए 98 करोड़ रुपये खर्च किए। कोविड-19 महामारी के दौरान, राज्य सरकार ने विभिन्न कार्यक्रमों के तहत 1,005 करोड़ रुपये खर्च किए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार पूरे देश में श्रमिकों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने के अपने प्रयासों को उसी भावना से जारी रखेगी जिस भावना से तेलंगाना में श्रम कल्याण कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं।

एपी पर मंत्री मल्ला रेड्डी की सनसनीखेज टिप्पणी

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री मल्ला रेड्डी ने अपनी हालिया टिप्पणी से विवाद छेड़ दिया है जिसमें दावा किया गया है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर आंध्र प्रदेश में पोलावरम परियोजना का निर्माण पूरा करेंगे।

हैदराबाद में एक मई दिवस समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने आरोप लगाया कि आंध्र में जाति की राजनीति खेली जा रही है और कुछ जातियों के नेता लोगों के कल्याण की तुलना में अपने स्वयं के राजनीतिक लाभ से अधिक चिंतित हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि केसीआर एकमात्र नेता हैं जो पोलावरम परियोजना के निर्माण और विशाखापत्तनम स्टील की रक्षा करने में सक्षम हैं।

कुदरती कहर से किसान परेशान, फसलों को भारी नुकसान

कामारेड्डी, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले में धान के किसानों को कुदरती कहर झेलना पड़ा है, रविवार की रात जिले के कई हिस्सों में तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ बेमौसम बारिश हुई।

बेमौसम बारिश से पिटलम, नागिरेड्डीपेट, लिंगमपेट, बिचकुंडा, बीकानूर, डोमकोंडा, येलारेड्डी,निजामसागर, तडवई, बिरकुर, नसुरालाबाद और बांसवाड़ा मंडलों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि ने कई फसलों को चौपट कर दिया। सबसे ज्यादा नुकसान झेलने वाली धान की फसल कई जगहों पर तेज हवा और ओलावृष्टि से जमीन पर गिर गई। बिजली के खंभे उखड़ने से कई जगह पेड़ उखड़ गए और कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। कई खरीद केंद्रों और कृषि क्षेत्रों में सूखने के दौरान कटे हुए धान को भी नुकसान हुआ क्योंकि बारिश से फसल को बचाने के लिए लगाए गए तिरपाल के कवर तेज हवाओं से उड़ गए। कई जगहों पर सुखाने के लिए रखा धान भी बह गया। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, जिले में नागिरेड्डीपेट में सबसे अधिक 76.44 मिमी बारिश हुई है।

सिद्दीपेट में अगवा की गई चार साल की बच्ची को हैदराबाद से छुड़ाया गया

सिद्दीपेट, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट पुलिस ने एक 4 साल की बच्ची को बचाया है, जिसे रविवार शाम दौलताबाद मंडल मुख्यालय में एक अज्ञात जोड़े द्वारा कथित रूप से अगवा कर लिया गया था।

ममता और प्रभाकर की बेटी बरला शैलजा (4) अपने दादा येल्लैया के साथ एक दुकान पर गई थी। जब वह किराने का सामान खरीदने में व्यस्त था, तभी एक अज्ञात दंपति बच्चे को उठा ले गया। इलाके से सीसीटीवी फुटेज को ट्रैक करने पर, पुलिस ने पाया कि दंपति गजवेल की ओर एक बस में सवार हुए थे और बाद में गजवेल से हैदराबाद जाने वाली बस में सवार हुए थे। पुलिस ने तब उन्हें ट्रैक करने में कामयाबी हासिल की और सोमवार सुबह हैदराबाद में बच्चे को बचा लिया। सोमवार दोपहर पुलिस की प्रेस कॉन्फ्रेंस होने की उम्मीद है।

भारी बारिश में जुबली हिल्स में कई घंटे नहीं रही बिजली

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में जुबली हिल्स में रविवार को भारी बारिश हुई, जिससे निवासियों को परेशानी हुई। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, जुबली हिल्स सर्कल के भीतर शेखपेट में जीएचएमसी कल्याण कार्यालय ने 105.8 मिमी बारिश दर्ज की, जबकि श्रीनगर कॉलोनी में 1:00 बजे तक 73 मिमी बारिश दर्ज की गई। जुबली हिल्स के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण बिजली गुल हो गई, कुछ निवासियों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की कि वे लगभग 13 घंटे से बिजली के बिना हैं। क्षेत्र में रात भर भारी ट्रैफिक जाम की भी सूचना मिली, क्योंकि बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव हो गया था। ख्वाजागुड़ा क्षेत्र में भी 96 मिमी दर्ज की गई, इसके बाद मधापुर में काकतीय हिल्स में 68.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जहां वर्षा की एक महत्वपूर्ण मात्रा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक शहर भर में छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है, और निवासियों को भारी बारिश के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने और घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है।

पुराने करीमनगर में बारिश, तेज हवाएं

करीमनगर, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले के कई हिस्सों में रविवार रात बेमौसम बारिश हुई। जहां कई पेड़ उखड़ गए, वहीं बिजली के तार भी क्षतिग्रस्त हो गए। करीमनगर शहर के अलग-अलग इलाकों में बारिश का पानी सड़कों पर बह गया। पेड्डापल्ली रोड में नाकाचौक, हुसैनीपुरा, मनचेरियल चौक, मनकम्माथोटा में न्यू लेबर अड्डा, तिरुमलनागा में रोड नंबर 5, विद्यानगर, इंदिरानगर, आदर्शनगर और अशोकनगर में सड़कों पर जलभराव देखा गया। आमेरनगर कॉलोनी के मुहल्लों में नालियों का पानी घुस गया क्योंकि जल निकासी का काम चल रहा था। जगतियाल कस्बे में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा।

उधर, पुराने करीमनगर जिले के कई हिस्सों में धान क्रय केंद्रों में रखा धान भीग गया। बारिश से बचाने के लिए धान के स्टॉक को ढकने के लिए लगाए गए तिरपाल तेज हवाओं से उड़ गए।

मूसलाधार बारिश से यार्डों व खेतों में सूखने वाले धान बहे

वारंगल, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व वारंगल जिले के कई क्षेत्रों में लगातार मूसलाधार बारिश किसानों के लिए प्रमुख चिंताएं पैदा कर रही है। भारी बारिश ने न केवल सुखाने वाले यार्डों और खरीद केंद्रों में धान को भीगा दिया है, बल्कि खेतों में खड़ी फसलों को भी चौपट कर दिया है, जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। स्थिति ने किसानों के संकट को दोगुना कर दिया है, जो पहले से ही इस यासंगी के दौरान कीट के हमलों और उच्च लागत लागत के कारण कम पैदावार का सामना कर रहे हैं। हनमकोंडा, जनगांव, मुलुगु और वारंगल जिलों में रविवार रात और सोमवार तड़के हुई भारी बारिश से, सड़कों पर सुखाने के लिए रखा गया धान कई गांवों में बह गया।

रेड्डीपुरम गांव के काश्तकार कुमार यादव ने सोमवार को कहा कि लगातार गीली स्थितियों के कारण कुछ धान भी अंकुरित होने लगे।

जहां राज्य में 7325 प्रतिशत विचलन के साथ 0.4 मिमी सामान्य के मुकाबले 2.97 सेमी की औसत वर्षा दर्ज की गई, वहीं जंगांव जिले के देवरुप्पुला मंडल ने सोमवार को (पिछले 24 घंटों में) राज्य की सबसे अधिक 11.08 सेमी वर्षा दर्ज की। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अगले दो दिनों तक कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। जनगांव जिले के लिंगलाघनपुर मंडल में भी 10 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

इस बीच, मंत्री येरबेल्ली दयाकर रावने जिला कलेक्टरों को फील्ड सर्वेक्षण करने और संकट में किसानों को नैतिक समर्थन प्रदान करने का निर्देश दिया। सोमवार को हनामकोंडा में बारिश और फसल क्षति पर एक बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने किसानों को मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द सरकार को फसल नुकसान की रिपोर्ट देने को कहा। राव ने उन्हें पीपीसी में धान खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने का भी निर्देश दिया।

श्रेया घोषाल ने ग्रीन इंडिया चैलेंज में हिस्सा लिया

सांसद संतोष कुमार की सराहना की

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल ने सोमवार को राज्यसभा सांसद जे. संतोष कुमार के साथ फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, गच्चीबोवली में पौधे लगाकर ग्रीन इंडिया चैलेंज (जीआईसी) पहल में भाग लिया। इस अवसर पर, प्रसिद्ध गायिका ने जीआईसी की पहल की प्रशंसा की और संतोष कुमार को इस का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मैं इस अनूठी पहल में भाग लेने के लिए धन्य और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पौधे लगाना और उन्हें बढ़ने देना ही हरियाली बढ़ाने व पर्यावरण के संरक्षण का एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना एक बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी है। श्रेया घोषाल ने अभी तक एक और शीर्ष पार्श्व गायक शंकर महादेवन से नामांकन स्वीकार करने के बाद जीआईसी पहल में भाग लिया। वरिष्ठ गायक से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर पौधे लगाने के लिए तीन और व्यक्तियों को नामांकित करके जीआईसी की पहल को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। जीआईसी के सह-संस्थापक करुणाकर रेड्डी और राघवेंद्र यादव भी मौजूद थे।

विवाहेतर संबंधों को लेकर महिला समेत प्रेमी की हत्या

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में विवाहेतर संबंधों के कारण एक महिला समेत प्रेमी की नृशंस हत्या कर दी गई। गुडीहतनूर मंडल के गरकमपेट पंचायत के सीतागोंडी टोले में रविवार को एक 28 वर्षीय विवाहित महिला और उसके 19 वर्षीय प्रेमी के शव मिले। दोनों की पहचान आदिलाबाद शहर के निवासी के रूप में हुई। हमलावरों ने पत्थरों से उनके सिर कुचल कर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। दोनों शुक्रवार से लापता हैं, लेकिन पुलिस में गुमशुदगी की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दो बच्चों की मां महिला के 19 साल के एक युवक के साथ विवाहेतर संबंध थे।

पुलिस को संदेह है कि जिस दिन वे लापता हुए थे उसी दिन उनकी की हत्या कर दी गई थी। उनकी स्कूटी घटनास्थल के पास मिली है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), आदिलाबाद भेज दिया और मामला दर्ज कर लिया। महिला शादी एक व्यक्ति से हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। कुछ महीने पहले वह अपने पति से अलग हो गई थी और आदिलाबाद शहर के केआरके नगर में अपने माता-पिता के घर में रह रही थी। कस्बे के भुक्तरपुर क्षेत्र के रहने वाले एक युवक के साथ उसके विवाहेतर संबंध हो गए थे। पुलिस को शक है कि महिला के पति के परिवार ने दंपति की हत्या की है। कुछ संदिग्धों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Babita Devi, W/o:JC755592F EX SUB BIJENDER SINGH TOMAR, R/O:Kandera , Baraut, Baghpat, Uttar Pradesh - 250602 have changed my name from Babita Devi to BABITA TOMAR AND MY Date of Birth is :01-12-1969 vide Affidavit dt.26-04-2023

I, Asha Devi, W/o: JC532610H SUB Ramesh Singh Bhandari, R/O:Nayagaon Malhan, Nayagaon, Dehradun – 248007, Uttarakhand have changed my name from Asha Devi to ASHA BHANDARI VIDE Affidavit Dt.01-05-2023

I, Kumari Anshika, D/o: JC532610H SUB Ramesh singh Bhandari, R/O:Nayagaon Malhan, Nayagaon, Dehradun – 248007, Uttarakhand have changed my name from Kumari Anshika to ANSHIKA BHANDARI VIDE Affidavit Dt.01-05-2023

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भारतीय रिजर्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सचिवालय रोड, सैफाबाद, हैदराबाद

सुविधा प्रबंधन सेवा एवं वार्षिक रखरखाव संविदा

भारतीय रिज़र्व बैंक (बैंक), हैदराबाद, ई-निविदाकरण के माध्यम से कम्प्युटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेर एवं पेरिफेरल्स के लिए सुविधा प्रबंधन एवं वार्षिक रखरखाव की सेवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विक्रेताओं से तकनीकी (भाग –I) एवं वित्तीय (भाग- II) की पृथक बोलियां आमंत्रित करता है, जो शर्तों एवं नियमों के अधीन होंगी।

पूर्ण विवरण और निविदा डाउनलोड करने के लिए कृपया हमारी वेबसाइट (www.rbi.org > Tenders) देखें।

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : **01 जून 2023 (दोपहर 02.00 बजे तक)**

बैंक बिना कारण बताए एक या सभी आवेदन/आवेदनों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्रीय निदेशक
हैदराबाद

बजट में घोषणा के बावजूद नहीं हुई मुफ्त बिजली

76 हजार नलकूप किसानों पर 125 करोड़ बकाया

मेरठ, 1 मई (एजेंसियां)। राज्य सरकार की ओर से बजट में कृषि नलकूपों की बिजली फ्री करने की घोषणा की गई थी। यह प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक शासन की ओर से इस संबंध में कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई। इस वजह से पीवीवीएनएल की ओर से किसानों को लगातार बिजली के बिल भेजे जा रहे हैं।

अप्रैल में ही मेरठ जोन के मेरठ और बागपत के सभी 70 हजार से अधिक किसानों को करीब 10 करोड़ के बिल भेजे जा चुके हैं। नलकूपों पर बकाया की बात करें तो वर्तमान में पश्चिमांचल के करीब 3.45 लाख नलकूप किसानों पर विभाग के 2600 करोड़ से अधिक बकाया हैं। मेरठ जोन में ही 76 हजार किसानों पर करीब 125 करोड़ रुपये बकाया है। वहीं जिन किसानों को बिल भेजे गए हैं वह परेशान हैं कि बिल जमा करें या न करें।

यूपी में आम आदमी सुरक्षित, गले में पट्टी लटका कर घूम रहे माफिया : योगी

मुरादाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार ने तुष्टीकरण नहीं विकास पर फोकस कर लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाया है। भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र को लेकर आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को मुरादाबाद के रामलीला ग्राउंड में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा के मेयर प्रत्याशी विनोद अग्रवाल के समर्थन में अपील की। कहा कि मुख्यमंत्री मुरादाबाद के शिल्पी पदमश्री दिलशाद हुसैन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। उनके हाथ की बनी कलाकृति को प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी के चांसलर को भेंट किया। मुरादाबाद का पीतल कारोबार मंदी के दौर से गुजर रहा था। कारीगर

पलायन कर रहे थे। अब मुरादाबाद का पीतल कारोबार अपने वैभव को प्राप्त कर रहा है। उसकी वैश्विक पहचान बढ़ी है। उसका निर्यात बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी जो 60 साल में नहीं कर पाए। मोदी सरकार ने उसे 9 साल में पूरा करके दिखाया है। 80 करोड़ लोगों को निशुल्क राशन का सिलसिला जारी है। आयुष्मान के तहत मुफ्त इलाज किया जा रहा है। निराश्रित, निर्धन असहाय लोगों के लिए पीएम आवास योजना में घर दिए जा रहे हैं। शौचालय बनवाए जा रहे हैं। उज्जवला योजना के तहत सभी घरों में रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाए गए हैं। गांव गांव तक बिजली और पेयजल योजनाओं से सभी को स्वच्छ पानी मुहैया कराया जा रहा है। गांव गली और घरों का अंधियारा दूर कर सरकार ने अपने 24 घंटे बिजली देने के वायदे को पूरा किया है। कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी किसी की बपौती नहीं है। अब यूपी में कोई माफिया राज नहीं है। कोई रंगदारी, फिरौती नहीं मांग रहा है।

प्रदेश में आम आदमी सुरक्षित है गुंडे माफिया पट्टी लटका कर चल रहे हैं। आम आदमी, महिलाएं, छात्राएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौसम बिगड़ा और परिस्थितियां विपरीत थी लेकिन मुरादाबाद के लोगों का स्नेह उन्हें यहां ले आया। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद में उन्हें हमेशा मां काली का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जगत जननी को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद की जनता का स्वागत और अभिनंदन किया।

शाइस्ता की 'सखी मुंडी' : लेडी डॉन पासी ने अतीक की बेगम को दी पनाह!

मुसीबत की घड़ी में हमेशा रही साथ; अब मुकरी

प्रयागराज, 1 मई (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या और बेटे असद की पुलिस एनकाउंटर में मौत के बाद से यूपी में उसका गैंग खत्म हो चुका है। लेकिन अतीक की बेगम शाइस्ता परवीन की तलाश अभी भी पुलिस और एसटीएफ को है। इस बीच खबर आ रही है कि लेडी डॉन मुंडी पासी इस मुसीबत की घड़ी में शाइस्ता की मदद कर रही है। हालांकि मुंडी पासी ने मदद करने की बात से साफ इनकार किया है।

मुंडी ने कहा की शाइस्ता से मेरा कोई लेना देना नहीं है। उसने मुझे चुनाव के बहाने अपने पास बुलाया था। यहां तक कि अतीक ने मेरे भाई की हत्या की थी। दूसरी तरफ पुलिस सूत्रों के मुताबिक चार दिन पहले शाइस्ता प्रयागराज में मौजूद थी। जब पुलिस छापेमारी के लिए गई तो वह बुर्के पहने महिलाओं की भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गई।

महिला हिस्ट्रीशीटर है मुंडी पासी

अपराध की दुनिया में लेडी डॉन के तौर पर पहचान बना चुकी मुंडी पासी धूमनगंज थाने की हिस्ट्रीशीटर रही है। अब उमेश पाल हत्याकांड में मुंडी पासी की भूमिका सामने आ रही है। महापौर चुनाव प्रचार के दौरान पिछले दिनों अतीक की पत्नी शाइस्ता के साथ पांच लाख रुपये के इनामी साबिर के अलावा बली पंडित भी देखा जा चुका है। इस हत्याकांड के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर साबिर को राइफल से गोलियां बरसाने वाले शख्स के रूप में चिह्नित किया गया है।

मुंडी पासी पर दर्ज हैं कई संगीन मुकदमे

मुंडी पासी पर धूमनगंज थाने में हत्या, रंगदारी समेत कई गंभीर धाराओं में दर्जन भर से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। किसी के मकान बेचने, जमीन खरीदने के मामलों में वह रंगदारी वसूलती रही है। वर्ष 2009 में मुंडी पासी ने शुतुरखाना मुहल्ले में एक व्यक्ति का मकान दबाव डाल कर बेचवा दिया था। इसके बाद मकान की पूरी कीमत भी आतंकित कर लूट कर भाग गई थी। क्राइम ब्रांच और एसटीएफ की टीमें मुंडी पासी को पकड़ने के लिए उसके ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। मुंडी पासी खूंखार अपराधी मूलचंद पासी की भी करीबी रही है। छोटा राजन गिरोह के खास शूटर बच्चा पासी गिरोह के साथ भी उसका नाम जुड़ा रहा है।

जेडीयू सांसद ने नीतीश को किया नालंदा सीट 'ऑफर'

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उन्हीं की पार्टी जदयू के नेता जहां विपक्ष के प्रधानमंत्री पद के योग्य उम्मीदवार के रूप में बता रहे है, वहीं नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने अब तो नालंदा सीट छोड़ने की बात करते हुए मुख्यमंत्री को इस सीट से चुनाव लड़ने की पेशकश तक कर दी है। वैसे, नीतीश ने कई बार प्रधानमंत्री की दौड़ से खुद को बाहर बताया है। वे इन दिनों 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर विपक्ष को एकजुट करने में लगे हुए हैं।

नीतीश हालांकि खुद किसी पद की दावेदारी की बात भले नहीं कर रहे हों, लेकिन उनके लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत नालंदा से जदयू के लोकसभा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने अपनी सीट छोड़ने की पेशकश कर दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि मैं नीतीश कुमार से अनुरोध करूंगा कि नालंदा उनकी पारंपरिक सीट है और मैं उनका प्रतिनिधि हूं। हम चाहते हैं कि वह देश के प्रधानमंत्री बनें। वे चाहेंगे तो मैं अपनी सीट छोड़ दूंगा। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में नीतीश कुमार नालंदा का कई बार दौरा कर चुके हैं। वे स्थानीय लोगों से मिल भी रहे हैं। नीतीश ने हालांकि पत्रकारों द्वारा सांसद कौशलेंद्र कुमार के बयान को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि छोड़िए ना, आप लोग काहे चिंता करते हैं। नीतीश इन दिनों विपक्षी एकता को लेकर खूब सक्रिय हैं। कांग्रेस के नेता समेत वे आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी सहित वामपंथी दलों के कई नेताओं से मिल चुके हैं। अब उनके चुनाव लड़ने की बात को लेकर चर्चा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

14 साल की लड़की से रेप, दरिंदे ने गले पर वारकर जान से मारने की कोशिश भी की

बांका, 1 मई (एजेंसियां)। बांका में 14 साल की आदिवासी लड़की के साथ रेप हुआ है। इतना ही नहीं दरिंदे ने धारदार हथियार से उसके गले पर वारकर घायल कर दिया। लड़की बेहोश हो गई तो उसे मरा हुआ समझ कर फरार हो गया। कुछ घंटे बाद लड़की होश में आई तो वह घर पहुंची। घरवाले उसे खून से लथपथ देख दंग रह गए।

आननफानन में उसे कटोरिया अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत गंभीर उसे बांका सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लड़की की हालत गंभीर है। मामला आनंदपुर ओपी इलाके की है। परिजनों का कहना है कि वह खेत गई थी, तभी युवक ने वारदात को अंजाम दिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह विवाद

हाईकोर्ट का आया बड़ा फैसला, मुस्लिम पक्ष को लगा झटका

मथुरा, 1 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्म भूमि कटरा केशवदेव के नाम से दर्ज ईदगाह की जमीन विवाद को लेकर मथुरा में दाखिल सिविल वाद को तय करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने अंतरिम आदेश एवं पुनरीक्षण आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका वापस करते हुए निस्तारित कर दी है। याचिका की पोषणीयता के मामले में कोर्ट ने कहा इस मामले में पहले ही फैसला आ चुका है। ऐसे में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व अन्य की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने याचिका में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है।

ये है मामला

मथुरा कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की तरफ से दाखिल वाद को

खारिज करने की मांग को लेकर शाही ईदगाह पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। श्रीकृष्ण विराजमान के अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने बताया कि हाईकोर्ट शाही ईदगाह पक्ष द्वारा उनके मथुरा कोर्ट में दाखिल वाद को खारिज करने की मांग को लेकर याचिका पर फैसला सुनाया है। उन्होंने बताया कि केस की सुनवाई मथुरा जिला जज की अदालत में चल रही थी। मुस्लिम पक्ष के द्वारा जिला जज द्वारा केस की सुनवाई से संबंधित दिए गए निर्णय को होईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

बता दें भगवान श्रीकृष्ण विराजमान की तरफ से सिविल जज की अदालत में 20 जुलाई 1973 के फैसले को रद्द करने और 13.37 एकड़ कटरा केशव देव की जमीन को श्रीकृष्ण विराजमान के नाम घोषित किए जाने की मांग की गई थी। वादी की ओर से कहा गया था कि जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच हुए समझौते के आधार पर 1973 में दिया गया निर्णय वादी पर लागू नहीं होगा, क्योंकि उसमें वह पक्षकार नहीं था।

2020 में हुआ था वाद खारिज

सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की आपत्ति की सुनवाई करते हुए अदालत ने 30 सितंबर 2020 को सिविल वाद खारिज कर दिया था। जिसके खिलाफ भगवान श्रीकृष्ण विराजमान की तरफ से अपील दाखिल की गई। विपक्षी ने अपील की पोषणीयता पर आपत्ति की। जिला जज मथुरा की अदालत ने अर्जी मंजूर करते हुए अपील को पुनरीक्षण अर्जी में तब्दील कर दिया।

बरसात में जमकर बरसे आजम खां

'एक फ्यूज बल्ब तक नहीं बदलवा पाए हैं, नाम भी ठीक से नहीं करवाए'

रामपुर, 1 मई (एजेंसियां)। बादल के साथ-साथ सपा नेता आजम खां भी रविवार की रात जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि रामपुर वालों से किसी को कोई मतलब नहीं है, जो चिकनी-चुपड़ी बातें कर रहे हैं सब धोखा है। दरअसल, ये लोग रामपुर के लोगों से बदला लेना चाहते हैं। इसलिए यहां के लोगों के हाथों में चाकू थमाने का इंतजाम किया जा रहा है। कोशिश की जा रही है कि यहां हालात वैसे बन जाए जैसा कि चालीस साल पहले थे। जब एक दिन में चार-चार मर्डर हुआ करते थे।

सपा नेता आजम खां रविवार की रात मोहल्ला नालापार में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रामपुर के बच्चे पढ़े-लिखे नहीं इसकी साजिश रची जा रही है। इसके लिए स्कूल बंद कराए जा रहे हैं। रामपुर पब्लिक स्कूल बंद करा दिया गया। बिल्डिंग खाली करा दी गई। पूरे हिंदुस्तान में ऐसा उदाहरण नहीं मिलेगा कि जिस स्कूल में 1600 बच्चे पढ़ते हों और उसे बंद करा दिया जाए। यूनिवर्सिटी को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। आगे कहा कि इसके पीछे सिर्फ एक वजह है कि यहां बच्चे पढ़े नहीं। रामपुर पब्लिक स्कूल में मामूली फीस में बच्चे अच्छी तालीम हासिल करते थे। लेकिन इनको ये गवारा नहीं है। यूनिवर्सिटी की वजह बनारस और अलीगढ़ की पहचान है। हम रामपुर की पहचान भी वैसा ही बनाना चाहते थे। आजम खां ने कहा कि विकास का दावा करने वाले अब तक एक फ्यूज बल्ब नहीं बदलवा सके हैं। हमने जो विक्टोरिया लाइटें लगवाई थीं, उसको उतार कर ले गए। हमने जो गेट बनवाए थे उनका नाम बदल दिया। अरे, नाम ही रखना है तो कुछ नया बनवा लिया होता, पुराने का नाम क्यों बदल रहे हो। नाम भी पूरी तरह नहीं बदला, एक-एक गेट पर दो-दो नाम लिखे हुए हैं। ये तो कारनामे हैं इनके।

आजम खां ने कहा कि तुमने तो हमसे कलम भी नहीं मांगी थी, लेकिन मैंने कलम का इंतजाम किया। इलाज के लिए अस्पताल बनवाया है। उन्होंने कहा कि अगर मैंने अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट का इंतजाम न किया होता तो कोरोना की पहली और दूसरी लहर में न जाने कितने लोग मर गए होते। हमारे ही मेडिकल कॉलेज की इमारत इस्तेमाल हुई कोरोना के काल में। उन्होंने कहा कि गमों की रात लंबी जरूर है, लेकिन इससे डरो मत, सूरज बन जाओ।

नरसिंह मंदिर के पुजारी ने सोशल मीडिया पर लाइव करते हुए की आत्महत्या

चौकी इंचार्ज पर लगाए गंभीर आरोप

अयोध्या, 1 मई (एजेंसियां)। अयोध्या के नरसिंह मंदिर के पुजारी राम शंकर दास ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। पुजारी ने आत्महत्या का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर चलाया। आत्महत्या से पहले पुजारी ने रायगंज चौकी इंचार्ज पर दो लाख रुपये मांगने के आरोप लगाए। जनवरी माह से इसी मंदिर के महंत भी लापता हैं। पुलिस अभी तक उनका पता नहीं लगा सकी है। मृतक पुजारी के खिलाफ कुछ दिन पहले एक मुकदमा दर्ज हुआ था।

सपा को बड़ा झटका

छह बार विधायक रहे पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव ने ली भाजपा की सदस्यता

लखनऊ, 1 मई (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद से छह बार विधायक रहे पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह यादव उनकी बेटी जिला पंचायत अध्यक्ष मोना यादव और बेटे सचिन यादव ने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ले ली है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। नरेंद्र सिंह यादव की सैफई परिवार से रिश्तेदारी भी रही है। मुलायम सिंह यादव के खास

लोगों में गिने जाते रहे, लेकिन बदली परिस्थितियों में खुद को उपेक्षित महसूस करते हुए उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली है। नरेंद्र सिंह यादव का भाजपा में जाना आलू पट्टी में सपा के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। वह यदुकुल पुनर्जागरण मिशन से भी जुड़े रहे और शिवपाल सिंह यादव ने उन्हें मिशन में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी थी। मालूम हो कि इससे पहले फिरोजाबाद से पूर्व विधायक हरिओम यादव और पूर्व विधायक ओम प्रकाश भी सपा छोड़ चुके हैं। जबकि शाहजहांपुर में पार्टी की दिग्गज नेता और महापौर पद की प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने ऐन मौके पर पाला बदलकर भाजपा की प्रत्याशी बन गई है।

लालू की बिहार की राजनीति में 'एंट्री', अब नीतीश का कोई औचित्य नहीं : सम्राट चौधरी

पटना, 1 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने बिहार की महागठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजद के नेता लालू प्रसाद की बिहार की राजनीति में 'एंट्री' हो चुकी है, अब नीतीश कुमार का कोई औचित्य नहीं है।

पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने सोमवार को कहा कि अपराधी से कोई सरकार नहीं चल सकती है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद की इंट्री बिहार की राजनीति में हो गई है, अब नीतीश कुमार का कोई औचित्य नहीं रह गया। उन्होंने लालू प्रसाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब लालू प्रसाद का जलवा चलेगा तो अपराधी, बाहुबली, बालू माफिया, शराब माफिया, चारा घोटाला माफिया दिखेगा, इसमें नया क्या है। उन्होंने कहा कि ये तो सभी लोग जानते हैं कि लालू प्रसाद के समर्थन से जो

सरकार चलेगी, वह माफियाओं की सरकार चलेगी। उन्होंने नीतीश कुमार के नालंदा से चुनाव लड़ने के प्रश्न पर कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में जब उनकी पार्टी का ही खाता नहीं खुलेगा तो इनका क्या है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार केवल सरकार बचाने वाले मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के पास कोई वोट नहीं हैं, वे राजनीति में अप्रसांगिक हो गए हैं और लालू प्रसाद के वोट से चुनाव नहीं जीत सकते। रामनवमी पर्व के मौके पर सासाराम में हुई हिंसक घटना के मामले में एक महीने बाद भाजपा के नेता और पांच बार विधायक रहे जवाहर प्रसाद की गिरफ्तारी को साजिश बताते हुए उन्होंने कहा कि वे तीन मई को सासाराम जा रहे हैं और धरना पर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद वे बिहारशरीफ भी जाएंगे। उन्होंने नीतीश सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि जितनी ताकत है, लगा ले।

उन्होंने कहा कि एक महीने तक पुलिस अपराधी नहीं खोज पाई। उन्होंने कहा कि लोगों की हत्या हो रही है और नीतीश कुमार यहां पर बैठ कर ताली बजा रहे हैं। बिहारशरीफ हिंसा में गुलशन कुमार और और सासाराम में राजा चौधरी की हत्या हुई।

जब गवर्नर को अपनी गाड़ी से उतर पुलिस जिप्सी पर होना पड़ा सवार, कीचड़ में फंसी बिहार की इज्जत

भोजपुर, 1 मई (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल भोजपुर जिला में यज्ञ का उद्घाटन करने पहुंचे लेकिन बारिश होने की वजह से उनकी गाड़ी कीचड़ में फंस गई। स्थिति ऐसी हो गई कि डीएम से लेकर एसपी तक परेशान हो गए। फिर किसी तरह पुलिस जिप्सी में बैठाकर उन्हें कीचड़ से पार कराना पड़ा। तब जाकर सभी अधिकारियों की जान में जान आई। बिहार के आरा में गड़हनी प्रखंड के लभुआणि गांव में विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर लभुआनी गांव में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के मौके पर विशाल संत समागम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान अचानक हुए मौसम में बदलाव के कारण समारोह स्थल पर तेज आंधी के साथ भारी बारिश होने लगी। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर देखते ही देखते जलजमाव की स्थिति हो गई। बारिश की वजह से राज्यपाल को काफी देर तक कार्यक्रम में ही रुकना पड़ा। जब बारिश बंद हो गई तब राज्यपाल का कारकेट निकलने लगा लेकिन यज्ञ स्थल पर कीचड़ हो जाने की वजह से राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की गाड़ी कीचड़ में बहुत बुरी तरह से फंस गई। मौके पर भोजपुर डीएम व पुलिस अधीक्षक भी मौजूद थे जो कि खुद कीचड़ में उतर कर व्यवस्था में लग गए।

दिल्ली की अदालत ने अनुब्रत मंडल की न्यायिक हिरासत 4 मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनुब्रत मंडल की न्यायिक हिरासत चार मई तक के लिए बढ़ा दी। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के पशु तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच कर रहा है। न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर मोंडल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। इसी अदालत ने 27 अप्रैल को मंडल की बेटी सुकन्या मंडल से इसी मामले में पूछताछ करने के लिए ईडी को तीन दिन की हिरासत दी थी।

ईडी ने एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका सुकन्या को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश रघुबीर सिंह की पीठ के समक्ष पेश हुए, विशेष लोक अभियोजक नितेश राणा ने सुकन्या की हिरासत की मांग करते हुए कहा कि उसे सबूतों और उसके पिता सहित सह-अभियुक्तों के साथ पेश करने की आवश्यकता है। ईडी ने कहा कि अपराध का पता लगाने, मनी ट्रेल और मोडस ऑपरेंडी स्थापित करने के लिए उसकी हिरासत की भी आवश्यकता थी।

सुकन्या को ईडी ने नवंबर 2022 में अपने दिल्ली कार्यालय में तलब किया था। सीबीआई की जांच में पता चला कि वह दो कंपनियों, नीर डेवलपर प्राइवेट लिमिटेड और एएनएम एग्रोकेम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक हैं। कंपनियों के कार्यालय उसी पते पर हैं, जहां भोलेबम राइस मिल, जो उनके स्वामित्व में है, बीरभूम के बोलपुर शहर में स्थित है। उच्च न्यायालय ने 26 अप्रैल को सुकन्या के पिता की उस याचिका को 1 जून के लिए स्थगित कर दिया, जिसमें निचली अदालत द्वारा उसी मामले में जमानत देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। मंडल ने 24 जनवरी के एक आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें जमानत नहीं दी गई थी।

इससे पहले राणा ने कहा था कि अनुब्रत की जमानत याचिका में कोई दम नहीं है। ईडी ने मंडल को सीमा सुरक्षा बल के तत्कालीन कमांडेंट सतीश कुमार के खिलाफ कोलकाता में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार किया था। सीबीआई द्वारा 7 अक्टूबर, 2022 को आसनसोल अदालत में दायर चौथी चार्जशीट में जहां मंडल का नाम था, मंडल के पूर्व अंगरक्षक सहगल हुसैन को 10 जून, 2022 को गिरफ्तार किया गया था।

पुंछ हमला : मौलवी का जब्त मोबाइल खोलेगा राज

आतंकी गतिविधियों के लिए हवाला लेन देन का शक

जम्मू, 1 मई (एजेंसियां)। पुंछ हमले की जांच में पुलिस ने जम्मू के बठिंडी इलाके से संदेह के आधार पर पकड़े मौलवी से पूछताछ के बाद अब जब्त मोबाइल राज खोलेगा। इस पर जांच आरंभ हो गई है। फोरेंसिक लैब में जांच होगी और इसमें संलिप्त पाए जाने पर कार्रवाई शुरू होगी। पूछताछ के बाद मौलवी को घर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार शनिवार शाम को पुंछ से आए पुलिस दल ने पुलिस के स्पेशल आपरेशन ग्रुप और जम्मू पुलिस के साथ मिलकर बठिंडी के जलालाबाद स्थित मदरसा मरकज उल मारिफ में छापा मारा था। इसके बाद मदरसे में पढ़ाने वाले मौलवी मंजूर को हिरासत में लिया। 20 अप्रैल को पुंछ में सैन्य वाहन पर हुए आतंकी हमले के सिलसिले में ही उसे हिरासत में लिया गया था।

सीएम धामी ने पीएम मोदी से की मुलाकात

चारधाम यात्रा समेत कई मुद्दों पर की चर्चा

देहरादून, 1 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज दिल्ली में हैं। उन्होंने दोपहर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में विकास कार्यों और चारधाम यात्रा के बारे में पीएम को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को केदारनाथ और बदरीनाथ धाम का प्रसाद, गंगा तुलसी, गंगोत्री यमुनोत्री, अलकनंदा और मंदाकिनी के गंगाजल के साथ रुद्राक्ष की माला भेंट की। बैठक करीब डेढ़ घंटा चली। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं। जोशीमठ में केंद्र सरकार के सहयोग से राहत कार्य किए जा रहे हैं। वहां स्थिति सामान्य है। प्रधानमंत्री ने जोशीमठ के संदर्भ में केंद्र सरकार से हर संभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया। सीएम ने पीएम मोदी से अक्तूबर-नवंबर में राज्य में प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट के उद्घाटन के लिए समय दिए जाने का अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से करेंगे मुलाकात

सीएम धामी रविवार शाम सड़क मार्ग से दिल्ली रवाना हुए थे। आज वे राज्य में हवाई सेवाओं के विस्तार को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से वह मुलाकात करेंगे। उनकी मुलाकात का समय तय है। इसमें राज्य में जौलीग्रांट और पंतनगर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाने, पिथौरागढ़, चिन्यालीसौड़, गौचर के लिए हवाई सेवा शुरू करने के साथ अन्य हवाई सेवाओं के विस्तार पर चर्चा करेंगे।

दायित्वों का बंटवारे को लेकर भी हो सकती है चर्चा

सूत्रों के मुताबिक प्रदेश में मंत्रियों के चार पद खाली हैं। इसके अलावा दायित्वों का बंटवारा नहीं हुआ है। इसे लेकर मुख्यमंत्री संगठन के शीर्ष नेताओं के साथ अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर मार्गदर्शन ले सकते हैं।

एम.के. स्टालिन ने कारखाना संशोधन विधेयक वापस लिया

चेन्नई, 1 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को विवादास्पद कारखाना संशोधन विधेयक को वापस ले लिया, जिसने उनके काम के घंटे को 8 से बढ़ाकर 12 कर दिया था। अपने सहयोगियों के कड़े विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री ने विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 21 अप्रैल को, राज्य विधानसभा में बिल पारित किया गया था। सत्तारूढ़ डीएमके के सहयोगियों ने भी इसका कड़ा विरोध किया था। संशोधन विधेयक राज्य सरकार को फैक्ट्री अधिनियम, 1948 की धारा 51,52,54,55,56 या 59 या उसके बाद बनाए गए नियमों के किसी भी या सभी प्रावधानों से किसी भी कारखाने, समूह या वर्ग या कारखानों के विवरण को छूट देने का अधिकार देता है।

सीपीआई (एम), सीपीआई, एमडीएमके, वीसीके, बीजेपी, पीएमके और एआईएडीएमके समेत राजनीतिक दलों ने 21 अप्रैल को सदन में पेश किए जाने पर बिल का विरोध किया था। सत्तारूढ़ डीएमके की सहयोगी कांग्रेस ने विरोध में वॉकआउट किया था। सत्तारूढ़ पार्टी के लेबर प्रोग्रेसिव फ्रंट, सीटू सहित ट्रेड यूनियनों की संयुक्त समिति ने कारखाना संशोधन विधेयक पर तमिलनाडु सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया था। गठबंधन के सहयोगियों ने 25 अप्रैल को मुख्यमंत्री से मुलाकात की और विधेयक को निरस्त करने का अनुरोध किया।

'चिंता मत करना, दिल्ली आ जाओ सारी व्यवस्था कर दूंगा'

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस नेता गोविंद सिंह को किया फोन

भोपाल, 1 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह को फोन करना इस वक्त चर्चा का विषय बना हुआ है। जिसकी जानकारी अब खुद कांग्रेस नेता गोविंद सिंह ने दी है। गोविंद सिंह ने कहा कि मैं ज्योतिरादित्य सिंधिया को धन्यवाद देता हूं।

मध्य प्रदेश में कुछ ऐसी खबरें प्रसारित हुई थीं। जिसमें कहा गया था कि गोविंद सिंह बीमार हैं। अफवाह यहां तक फैल गई थी कि मध्य प्रदेश नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह को पैरालिसिस का अटैक आया है। उनकी तबीयत खराब है। जिसके बाद उनको फोन भी आए। ऐसे में उनका हालचाल जानने के लिए केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी फोन किया और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस बात की जानकारी गोविंद सिंह ने खुद मीडिया के सामने आकर दी।

गोविंद सिंह बोले-मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं

कांग्रेस नेता गोविंद सिंह ने किसी तरह की बीमार होने की बात से साफ इनकार किया। ऐसी खबरों का खंडन करते हुए पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता डॉ. गोविंद सिंह ने इसे किसी की साजिश बताया। उन्होंने यह भी कहा कि मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं। लगातार दौरे से थकान हो गई थी। डॉक्टर की सलाह पर पूरा आराम कर रहा था।

सिंधिया ने गोविंद सिंह को किया फोन

गोविंद सिंह ने कहा, 'मुझे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का फोन आया। इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हैं। उन्होंने कहा कि सिंधिया ने मुझसे कहा कि आपके स्वास्थ्य के बारे में मुझे जानकारी मिली है। इसको लेकर मैं चिंतित हूं। आपकी मैं पूरी व्यवस्था दिल्ली में करा दूंगा। जब वक्त हो आपके पास, आप आइए। सिंह ने कहा कि इसके लिए मैंने ज्योतिरादित्य सिंधिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने मेरे स्वास्थ्य को लेकर जानकारी जो ली है। गोविंद सिंह ने कहा कि मेरे किसी हितैषी ने मेरी बीमारी की अफवाह फैलाई। अच्छी बात है कि वे ऐसा करते रहें, जिससे मेरी उम्र बढ़ती रहेगी। मुझे तो प्रदेश के लोगों की सेवा करते रहना है और मैं करता रहूंगा।

मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

कांग्रेस नेता गोविंद सिंह ने सूबे की कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जनता इस बार मन बना चुकी है, बदलाव होकर रहेगा। कांग्रेस सत्ता में फिर से आएगी। इस दौरान कांग्रेस नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को राम और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की तुलना रावण बताया। कहा कि हमारी व्यक्तिगत लड़ाई किसी से नहीं है। कमलनाथ जी रावण वाली विचारधारा का अंत करेंगे। हम शारीरिक और मानसिक रूप से किसी का अंत करना नहीं चाहते। राजनीतिक रूप से भाजपा का अंत करना हमारा लक्ष्य है। यह होकर रहेगा।

डीपीएस को बम से उड़ाने की धमकी उसके ही छात्र की निकली शरारत

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने 'दिल्ली पब्लिक स्कूल' (डीपीएस) को बम की धमकी भेजने वाले की पहचान उसके 16 वर्षीय छात्र के रूप में की है। पुलिस ने पुष्टि की है कि यह छात्र द्वारा भेजा गया एक फर्जी ईमेल था। छात्र ने स्वीकार किया है कि उसने सिर्फ मनोरंजन के लिए शरारत की थी। सूत्रों के अनुसार, काउंसिलिंग के दौरान छात्र ने स्वीकार किया कि सादिक नगर में 'द इंडियन स्कूल' में इसी तरह की घटना के बाद उसके मन में यह विचार आया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि पिछले हफ्ते बुधवार को डीपीएस, मथुरा रोड को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी, इसके बाद छात्रों को वहां से हटा दिया गया और परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण-पूर्व, राजेश देव ने कहा था कि बुधवार सुबह लगभग 7.50 बजे, स्कूल के प्रिंसिपल ने हजरत निजामुद्दीन पुलिस स्टेशन के एसएचओ को फोन किया और उन्हें बताया कि उन्हें उनके स्कूल के आधिकारिक मेल पर एक मेल मिला है कि स्कूल में एक बम लगाया गया है और सुबह 9 बजे इसमें विस्फोट किया जाएगा। इस सूचना पर स्कूल को खाली करा लिया गया, लेकिन टीमों द्वारा तलाशी के बाद परिसर में कोई बम नहीं मिला।

हिमाचल में तबादलों पर पूरी तरह रोक

सिर्फ मुख्यमंत्री की मंजूरी पर ही होगा ट्रांसफर, निर्देश जारी

शिमला, 1 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में जनजातीय, दुर्गम और कठिन क्षेत्रों के लिए तबादलों से प्रतिबंध हटा दिया गया है। जनजातीय, दुर्गम और कठिन क्षेत्रों में रिक्तियों को भरने के लिए यह प्रतिबंध हटाया गया है। सेवानिवृत्ति, पदोन्नति और नए पदों के सृजन के मामलों में भी यह बैन नहीं होगा। अनुशासनात्मक, विजिलेंस मामलों, आपराधिक कार्रवाई के बाद भी तबादले किए जा सकेंगे।

प्रशासनिक आधार और आवश्यक मामलों में भी तबादले होंगे। मगर इन सभी मामलों के लिए मुख्यमंत्री की पूर्व मंजरी अनिवार्य होगी। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों और उपायुक्तों को इस संबंध में दिशा-निर्देश भेजे हैं। इस पत्र में कहा गया है कि नौ मई 2022 और 15 जुलाई 2022 के विभागीय पत्र के अनुसार प्रदेश में कर्मचारियों के सामान्य तबादलों पर पूर्ण प्रतिबंध पहले से ही लगा हुआ है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि किसी भी विभाग, बोर्ड, निगम और विश्वद्यालय में किसी भी तरह का तबादला या एडजस्टमेंट मंजूर नहीं की जाएगी। इस प्रतिबंधित समय में मुख्यमंत्री की मंजूरी जरूरी होगी। यह संबंधित विभाग के मंत्री के माध्यम से ली जाएगी। चूंकि सामान्य तबादलों पर प्रतिबंध जारी रहेगा। इसलिए मुख्यमंत्री की प्रारंभिक मंजूरी के बगैर कोई तबादला आदेश जारी नहीं होगा।

सीमाई और अन्य क्षेत्रों में तीन साल से डटे अधिकारियों के तबादले होंगे

हिमाचल प्रदेश में सीमाई और अन्य क्षेत्रों में तीन साल से अधिक अवधि से डटे अधिकारियों के भी तबादले होंगे। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों, उपायुक्तों, निगमों-बोर्डों के प्रबंध निदेशकों समेत तमाम अधिकारियों को इस संबंध में चिट्ठी भेजी गई है। इसमें चिंता जताई गई है कि सरकार के आदेशों की ठीक से अनुपालना नहीं हो रही है। विभिन्न क्षेत्रों में अधिकारी लंबे समय से एक ही क्षेत्र में डटे हैं, जबकि नियम तीन साल बाद तबादला करने का है। विशेषकर सीमाई क्षेत्रों में ऐसे कई अधिकारी डटे हैं। ऐसे तबादले मुख्यमंत्री या मंत्री की प्रारंभिक मंजूरी के बाद होंगे। तबादला आदेश जारी करते हुए इसमें यह देखना होगा कि संबंधित क्षेत्रों में कामकाज भी प्रभावित न हो।

बंगाल भर्ती घोटाला : सीबीआई कार्यालय पहुंचा तृणमूल विधायक का पूर्व पीए

कोलकाता, 1 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की तेहट्टा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के विधायक तापस साहा के पूर्व निजी सहायक (पीए) प्रोबीर कोयल सोमवार को भर्ती घोटाले में कोलकाता में सीबीआई कार्यालय पहुंचे। सूत्रों ने कहा कि कोयल को उनके बैंक खाते में उच्च मूल्य के लेन-देन के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने 2022 की शुरुआत में कोयल के एक विशेष बैंक खाते से 2 करोड़ रुपये के बैंक लेनदेन का पता लगाया है। सूत्रों के अनुसार, ये उच्च मूल्य के लेनदेन सिर्फ दो महीने की अवधि के भीतर हुए। इस मामले में विस्तृत जानकारी के लिए एजेंसी पहले ही संबंधित बैंक अधिकारियों से संपर्क कर चुकी है। पता चला है कि कोयल को सोमवार दोपहर 12 बजे तक कोलकाता के निजाम पैलेस स्थित सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के कार्यालय में बैंक से जुड़े सभी दस्तावेजों के साथ पेश होने को कहा गया था। सीबीआई के एक सहयोगी ने कहा, वह हमारे कार्यालय में सुबह 11 बजे पहुंचे।

सूत्रों ने कहा कि पिछले महीने तापस साहा के आवास पर छापा और तलाशी अभियान चलाने वाली केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी सरकारी स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किया। हालांकि, साहा ने दावा किया कि वह जिले में अपनी ही पार्टी के सहयोगियों द्वारा रची गई साजिश का शिकार हुए हैं। साहा के खिलाफ सीबीआई जांच 18 अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद शुरू की गई थी, जिसमें कहा गया था कि चूंकि राज्य पुलिस ने भर्ती घोटाले में साहा की संलिप्तता के आरोपों पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था, इसलिए मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

'खराब हेयर कट ने बर्बाद कर दिया करियर'

सैलून को देने होंगे 2 करोड़, क्या है 5 साल पुराना मामला

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। खराब हेयर कट करने पर एक फाइव स्टार होटल के हेयर सैलून को कस्टमर को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला सुनाया गया है।

मॉडलिंग क्षेत्र से जुड़ी एक महिला ने 5 साल पहले यहां बाल कटवाए थे,लेकिन उनके मन मुताबिक हेयर कटिंग नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने सैलून की शिकायत कर दी और आरोप लगाया कि खराब हेयर कट के कारण उनका करियर बर्बाद हो गया। अब राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सैलून को 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। एनसीडीआरसी का कहना है कि खराब हेयर कट के कारण महिला को तनाव और सदमे से गुजरना पड़ा।

एनसीडीआरसी ने कहा, सैलून के कारण सदमे और तनाव में रही महिला

एनसीडीआरसी के नई दिल्ली के अध्यक्ष जस्टिस आरके अग्रवाल और एसएम कांतीकात की बेंच ने कहा, "महिला (आशना रॉय) मॉडलिंग के पेशे में थीं और उन्हें हेयर केयर ब्रांड के लिए काफी पैसे मिलते थे। बाल चले जाने के कारण वह पूरी तरह से सदमे में चली गईं और उनका मॉडलिंग करियर खतरे में पड़ गया।" साल 2021 में आईटीसी होटल को महिला को 9 प्रतिशत ब्याज के साथ मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। अब एनसीडीआरसी ने 2 करोड़ रुपये मुआवजा देने की पुष्टि की है। बेंच ने कहा, "शिकायतकर्ता ने ठोस सुबूत पेश कर मुआवजे के अपने दावे को पर्याप्त रूप से प्रमाणित किया है। हालांकि... उनके द्वारा दावे को बढ़ाने का कोई मामला नहीं बनाया गया है। शिकायतकर्ता द्वारा दायर किए गए विभिन्न दस्तावेजों को ध्यान में रखते हुए, हमारी राय है कि अगर शिकायतकर्ता को मुआवजे के रूप में दो करोड़ रुपये से दिए जाते हैं तो न्याय का हित पूरा होगा।"

2018 का है मामला

शिकायतकर्ता आशना रॉय के मुताबिक, साल 2018 में उन्हें एक इंटरव्यू के लिए हेयर कट लेना था, जिसके लिए वह नई दिल्ली के आईटीसी मौर्या होटल के सैलून गईं। यहां उन्होंने अपने रेग्लूयर हेयर ड्रेसर को बुलाया, लेकिन वह वहां नहीं थे तो कोई और स्टाइलिस्ट उनको असाइन किया गया। उन्होंने कहा कि हेयर कट में 1 घंटा लगा और स्टाइलिस्ट ने इतने ज्यादा बाल काट दिए कि उनके शॉल्डर तक भी नहीं आ रहे थे। इसके बाद, उन्हें होटल ने मुफ्त में हेयर ट्रीटमेंट देने की पेशकश की गई, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह बहुत समझाने के बाद मान गईं। हालांकि, शिकायतकर्ता का आरोप है कि ट्रीटमेंट के बाद उनके बाल और ज्यादा रफ और खराब हो गए। बाद में उन्होंने इस मामले में होटल के कर्मचारियों से सहायता लेने की कोशिश की लेकिन आरोप है कि उनके साथ अपमानजनक, असभ्य तरीके से बात की गई।

एनसीडीआरसी के फैसले को

आईटीसी होटल ने सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

इस मामले में एनसीडीआरसी ने 2 करोड़ रुपये के मुआवजे का आदेश दिया, जिसके खिलाफ आईटीसी ने सुप्रीम कोर्ट में इसी साल फरवरी में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग की जांच को सही ठहराया और साथ ही मुआवजे पर पुनर्विचार का फैसला आयोग पर ही छोड़ दिया। इसके बाद महिला ने फिर से आवेदन दिया और बताया कि इंटरव्यू में सेलेक्शन पर उनकी सैलरी 1 करोड़ रुपये होती, लेकिन खराब हेयर कटिंग के कारण मौका उनके हाथ से निकल गया।

हरियाणा एक और हरियाणवी एक केवल नारा नहीं बल्कि हमारा संकल्प है : मनोहर लाल खट्टर

चंडीगढ़, 1 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि स्वास्थ्य-शिक्षा सहित अंत्योदय की भावना से हरियाणा सरकार जनहित पर विशेष ध्यान दे रही है। हरियाणा एक-हरियाणवी एक मेरे लिए केवल नारा नहीं, मेरा संकल्प है। पिछले 8 सालों से इसी मूल मंत्र को लेकर हरियाणा की सेवा कर रहा हूं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत तंत्र विकसित किया जा रहा है। पूर्व सरकारों की तुलना में मौजूदा सरकार के साढ़े 8 साल में आधारभूत ढांचागत विकास सहित अन्य जनहितकारी योजनाओं में आमजन को सीधा लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को कुरुक्षेत्र के अपने तीन दिवसीय कार्यक्रम की श्रृंखला के पहले दिन गांव झांसा में आयोजित जन संवाद में बोल रहे थे। गांव में पहुंचने पर मुख्यमंत्री का राज्यमंत्री सरदार संदीप सिंह ने स्वागत किया। सीएम ने कहा कि गांव झांसा में हाल ही में एक करोड़ रुपए के विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने गांव में 8 लाख रुपए की राशि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य उपकरण उपलब्ध कराने के साथ ही रेडियोग्राफर की नियुक्ति करने के निर्देश दिए।

मौजूदा सरकार में बढ़ी एमबीबीएसी की सीटें

मनोहर लाल ने कहा कि पूर्व सरकारों के प्रतिनिधि विकास कार्यों को लेकर झूठा पुलिंदा जनता के समक्ष रख रहे हैं। वास्तविकता यह है कि साल 2014 तक प्रदेश में एमबीबीएस की 750 ही सीटें थीं। मौजूदा सरकार के साढ़े 8 साल के कार्यकाल में अब तक नए मेडिकल कॉलेज खोलते हुए 1850 एमबीबीएस की सीटें उपलब्ध हैं।

सभी जिलों में नए मेडिकल कॉलेज के खुलने के साथ ही प्रदेश में करीब 3000 एमबीबीएस की सीटें उपलब्ध होंगी। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 1840 परिवारों की आबादी वाले झांसा गांव में 3452 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं।

पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने वाला कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

रतलाम, 1 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की शिकायत भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने थाने पर पहुंच कर की थी। कार्यकर्ताओं ने थाने पर प्रदर्शन भी किया था। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। कांग्रेस कार्यकर्ता का नाम तरुण जैन पोहावाला है, जो काफी समय से फेसबुक पर पीएम मोदी पर अनर्गल टिप्पणी कर रहा था। जिसके मद्देनजर पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 188 और धारा 151 के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। मामले की जांच की मांग लेकर कांग्रेस के आला नेता भी थाने पहुंचे थे, लेकिन पुलिस ने उनकी बात सुनकर उन्हें रवाना कर दिया। फिलहाल पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ता का पुराना रिकॉर्ड खंगाल रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 2 मई- 2023

हेट स्पीच पर नकेल

जिसका बहुत समय से इंतजार किया जा रहा था आखिरकार वह दिन आ ही गया। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने लोगों के बीच घृणा फैलाने वालों पर नकेल कसने के लिए सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे लोगों पर तत्काल केस दर्ज कर कार्रवाई करें। राजनीति का मुद्दा बनाने या अन्य किसी भी माध्यम से भाषणों के जरिए हेट स्पीच के जरिए नफरत फैलाने वाली गतिविधियों पर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार पहले भी कडी हिदायत दी लेकिन नफरत फैलाने वालों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। यहां तक कि इन पर लगाम लगाने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में पूछा गया फिर भी किसी ने इसकी परवाह नहीं की। हैरानी की बात यह है कि न तो सरकार, राजनीतिक दलों, टीवी मीडिया और समूचे तंत्र को इस पर गौर करना जरूरी लगा और न ही इसके गंभीर नतीजों के खतरे को समझने की कोशिश की गई। इसके बाद शुक्रवार को इस मसले पर जब सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया तो इस मामले को सभी ने गंभीरता से लिया। देखा जाए तो अदालत का निर्देश बिल्कुल स्वाभाविक है और एक तरह से इस समस्या का ठोस हल निकालने में मदद भी मिलेगी। अदालत ने साफ कहा कि जब भी कोई नफरत फैलाने के मकसद से भाषण देता है तो बिना किसी शिकायत के स्वतः संज्ञान लेकर उस प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाए। अगर घृणा भाषण से जुड़े मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी हुई तो उसे अदालत की अवमानना की श्रेणी में माना जाएगा। इस सख्त निर्देश से पहले सुप्रीम कोर्ट ने कई बार सरकारों, राजनीतिक पार्टियों और इसे बढ़ावा देने वाले टीवी चैनलों को चेताया था कि इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं। इसी क्रम में अदालत ने पिछले साल अक्तूबर में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। लेकिन बात में महसूस किया गया कि यह केवल कुछ राज्यों तक समस्या नहीं रह गई है, बल्कि पूरे देश की समस्या है। यही वजह है कि अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने आदेश का दायरा बढ़ाते हुए इसे देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कहा गया है कि घृणा भाषणों के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। अदालत ने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों में कार्रवाई करते हुए इस बात की परवाह करने की कतई जरूरत नहीं है कि नफरत फैलाने व भाषण देने वाले का धर्म व मजहब क्या है। कई बार जब इस तरह के मामले सामने आते हैं तो उसमें कई बार धार्मिक पहचान का मामला कार्रवाई को प्रभावित करने लगता है। इसलिए अदालत की इस चिंता को समझा जा सकता है कि हम धर्म के नाम पर कहां पहुंच गए हैं, जो बेहद दुखद है। देखा जाए तो कभी इक्का-दुक्का उदाहरणों में सिमटे रहने वाली यह समस्या पिछले कुछ समय से कई स्तर पर चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। सच यह है कि अगर इस पर रोक नहीं लगाई गई तो यह देश के लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के ताने-बाने को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि महज राजनीतिक हित साधने के लिए अगर कोई व्यक्ति या नेता नफरत के बोल के जरिए लोगों को भड़काने की कोशिश करता है तो उसका मकसद अपने धर्म को बचाना नहीं, बल्कि आम लोगों की सोच-समझ को विकृत करना होता है। वह लोगों को भड़का कर उन्हें उन्मादी और अपनी सोच-समझ से वंचित और यहां तक कि हिंसक मानसिकता का बना देना अपना परम कर्तव्य समझता है। जबकि सच्चाई यह है कि किसी भी समाज में लोग आमतौर पर शांति और सद्भाव से जीना चाहते हैं। सवाल है कि घृणा भाषणों के जरिए किस तरह देश या धर्म बचाने का दावा किया जाता है। अगर यह समय रहते नहीं समझा गया तो हर समुदाय को इसका व्यापक नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसलिए इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जो सख्ती दिखाई है, वह वक्त की जरूरत है और देश के लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के ढांचे को बचाने के लिए भी जरूरी है।

क्या हम एक बीमार समाज में परिवर्तित रहे हैं ?

श्रवण गर्ग

अचंभे की बात यह नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 अप्रैल को नई दिल्ली में आयोजित हुए एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में किसी प्रोफेसर की बेटी द्वारा आत्महत्या किए जाने के संबंध में सुने गए चुटकुले को शेयर किया, प्रसंग का ज़्यादा तकलीफ़देह दृश्य यह था कि सभागृह में उपस्थित संभ्रांत श्रोताओं ने चुटकुले को अपने चेहरों पर खिलखिलाहट बिखेरते हुए तालियों की गूंज के साथ स्वीकार किया ! (प्रधानमंत्री द्वारा सुनाए गए चुटकुले का भाव कुछ यूँ था : 'बचपन में हम एक चुटकुला सुनते थे। मैं आपको बताना चाहता हूँ ! एक प्रोफेसर थे। उनकी बेटी ने आत्महत्या कर ली । उसने एक चिट छोड़ी-:' मैं ज़िंदगी से थक चुकी हूँ और जीना नहीं चाहती इसलिए कांकरिया तालाब में कूदकर मर जाऊँगी।' सुबह प्रोफेसर ने देखा कि उसकी बेटी नहीं है। बिस्तर पर उसे पत्र मिला। पिता बहुत ग़ुस्से में थे -:'मैं एक प्रोफेसर हूँ ,इतने सालों तक मैंने कड़ी मेहनत की है और अब भी उसने कांकरिया की स्पेलिंग ग़लत लिखी है।' ") कांकरिया गुजरात में अहमदाबाद स्थित एक सुरम्य तालाब है ।

प्रधानमंत्री द्वारा बचपन में सुने गए चुटकुले का उक्त समारोह में संदर्भ यही समझा जा सकता था कि जिस टीवी चैनल के प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि थे उसके ग़ैर-हिन्दीभाषी प्रमुख ने अब 'शानदार हिन्दी बोलना शुरू कर दिया है।'

पूछा जा सकता है कि कार्यक्रम में ऐसा हो जाना क्या सर्वथा असंभव था कि प्रधानमंत्री द्वारा सुनाए जा रहे चुटकुले की समाप्ति के साथ ही सभागृह में ,क्षण भरके लिए ही सही , थोड़ा-सा सन्नाटा, खामोशी या मौन छा जाता ? उपस्थित श्रोताओं ,विशेषकर 'बेटियों', की पीठ उनकी कुर्सियों से चिपक जाती ? अपने कहे पर प्राप्त तात्कालिक प्रतिक्रिया को तुरंत भाँप कर चुटकुले के पीछे छुपे किसी अज्ञात मर्म की व्याख्या प्रधानमंत्री को करना पड़ जाती ? ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। समारोह के बारे में एक वेबसाइट पर जारी हुई रिपोर्ट में कहा गया कि श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री भी हंसते नज़र आ रहे थे।

प्रधानमंत्री ने चुटकुला चाहे किसी अलग संदर्भ में याद करते हुए समारोह में सुनाया हो, सवाल यह है कि क्या श्रोताओं-दर्शकों के तौर पर हम पूरी तरह से संवेदनशून्य होते जा रहे हैं ? किसी भी तरह की पीड़ा(जिसमें नागरिकों का कोरोना के वक्त सैंकड़ों मील भूखे-प्यासे पैदल चलना, रेल-सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ना और दिन-दहाड़े हो जाने वाली मॉब-लिंचिंग भी शामिल की जा सकती है) से प्रभावित होना हमने बंद कर दिया है ? किसी बेटी द्वारा ज़िंदगी से थककर आत्महत्या करने जैसा अतिसंवेदनशील विषय भी क्या हमारे लिए खीसे निपोरने का सामान बनकर रह गया है ?

ऐसा क़तई नहीं समझा जाए कि दिल्ली और मुंबई में उपस्थित होने वाले समारोही भारतीयों और योरप के किसी ऐसे मुल्क में सालों से बसे एनआरआइ के बीच कोई बड़ा फ़र्क़ है जहां मानवीय अधिकारों और संवेदनाओं के प्रति सम्मान के मामलों में मनुष्यों और पशु-पक्षियों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। एक ही उदाहरण पर्याप्त होगा :

प्रधानमंत्री पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों (3 मई) बर्लिन की यात्रा पर थे। बर्लिन और उसके आसपास बसने वाले भारतीय समुदाय (इंडियन डायसपोरा) के कोई हज़ार-बारह सौ नागरिकों के एक कार्यक्रम में मोदी ने उनकी सरकार के नेतृत्व में हुए विकास-कार्यों और प्राप्त उपलब्धियों की उपस्थित श्रोताओं को जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ की गई कार्रवाई के ज़िक्र के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी का नाम लिए बग़ैर जो टिप्पणी की और उनके कहे पर श्रोताओं ने जिस प्रकार से तालियाँ बजाईं थी उसकी गूंज का मिलान शायद मीडिया संस्थान के कार्यक्रम से किया जा सकता है। अकाल और भुखमरी के लिए तब बदनाम उड़ीसा के कालाहांडी ज़िले की यात्रा के बाद राजीव गांधी ने कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में पीड़ा ज़ाहिर की थी कि दिल्ली से भेजा जाने वाला एक रुपया बिचौलियों के भ्रष्टाचार के कारण ज़रूरतमंदों के हाथों नीचे पहुँचने तक सिर्फ़ पंद्रह पैसे रह जाता है। बर्लिन के कार्यक्रम में अपनी सरकार द्वारा गवर्नेंस में तकनीकी उपयोग के ज़रिए आर्थिक मदद लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे पहुँचाने का उल्लेख करते हुए मोदी ने व्यंग्य के साथ टिप्पणी की थी :'अब किसी प्रधानमंत्री को यह नहीं कहना पड़ेगा कि मैं दिल्ली से एक रुपया भेजता हूँ और नीचे पंद्रह पैसे ही पहुँचते हैं !'

प्रधानमंत्री वहीं नहीं रुके ! उन्होंने जब अपने दाएँ हाथ के पंजे को चौड़ा करके उसे बाएँ हाथ की अंगुलियों से कुछ क्षणों तक घिसते हुए पूछा :' वह कौन सा पंजा था जो 85 पैसा घिस लेता था', तो बर्लिन के उस भव्य सभागृह में उपस्थित भारतीयों ने अपनी मुखर खिलखिलाहट के साथ 26 अप्रैल जैसी ही गूंज उत्पन्न की थी।

कोरोना जैसी किसी राष्ट्रीय आपदा के समय देश का नायक अगर अपने नागरिकों से घरों के दरवाज़ों पर दीपक प्रज्ज्वलित करने या बालकनियों में खड़े होकर थालियाँ बजाने का आह्वान करता है या कभी कहता है कि :' जब वे अपने भाई-बहनों की तरफ़ देखते हैं तो उन्हें महसूस होता है कि ये कैसा प्रधानमंत्री है जिसने इतनी कठिनाइयों में डाल दिया है', तो जनता की तरफ़ से अत्यंत भावपूर्ण प्रतिक्रिया की अपेक्षा ही की जाती है।

सवाल यह है कि नागरिकों से ऐसे अवसरों पर संवेदनशून्य होकर तालियाँ बजाने वाली भीड़ बन जाने की उम्मीद कैसे की जा सकती है जब उनका नायक जीवन से थककर आत्महत्या करने का निर्णय लेने वाली किसी प्रोफेसर की बेटी का चुटकुला सुना रहा हो या कि देश के राजनीतिक इतिहास के किसी दुर्भाग्यपूर्ण कालखंड में अकाल-पीड़ितों की मदद में हुए भ्रष्टाचार जैसी घटनाओं की समाप्ति को अपनी सरकार की उपलब्धियों में इस तरह से गिना रहा हो ?

एक विश्व नागरिक के तौर पर क्या हम एक बीमार समाज में परिवर्तित होते जा रहे हैं ? सर्वाधिक आबादी के मामले में अब दुनिया के पहले नंबर के देश के लोग धरती पर बसे बाक़ी 192 मुल्कों में सबसे आख़िरी नंबर के केवल कुछ हज़ार की जनसंख्या वाले राष्ट्रों के नागरिकों के लिए किस तरह के आदर्श स्थापित करना चाहते हैं ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

सम्राट चार्ल्स का राज्याभिषेक

आर.के. सिन्हा

भारत के मित्र और ब्रिटेन के नए बनने जा रहे सम्राट चार्ल्स-तृतीय के आगामी 6 मई को होने वाले राज्याभिषेक में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी उपस्थित रहेंगे। सम्राट चार्ल्स का राज्याभिषेक उस वक्त हो रहा है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भारत मूल के ऋषि सुनक हैं। सुनक की पत्नी भारत के प्रख्यात उद्योगपति एन. नारायणमूर्ति की सुपुत्री अक्षता हैं। यह भी मानना होगा कि दोनों देशों के आपसी संबंधों को मज़बूत रखने में ब्रिटेन में बसे हुए 15-16 लाख प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका तो रही ही है। इनमें अफ्रीकी और कैरिबियाई देशों से आकर बसे भारतीय मूल के लोग भी हैं।

ये सब ब्रिटेन और भारत के बीच एक पुल का काम कर रहे हैं। प्रवासी भारतीय ब्रिटेन में हर क्षेत्र में मौजूद हैं। अब चाहे वो व्यापार, राजनीति, खेल का क्षेत्र हो या कोई और, इन्होंने सबमें एक मुक़ाम हासिल किया है। एक खास बात यह भी है कि ब्रिटेन ने आपसी संबंधों को बेहतर करने लिए ज़्यादातर प्रवासी भारतीयों को ही राज पाट में शामिल कर रखा है।

प्रिंस से किंग बने चार्ल्स पहली बार 1975 में भारत आए थे। गुजरे दशकों से जिन्हें सब प्रिंस चार्ल्स के रूप में जानते थे, वे अब हो रहे हैं किंग चार्ल्स तृतीय। वे भारत के अंतिम वायसराय लार्ड माउंटबेटन के साथ पहली बार 2 मई, 1975 को नई दिल्ली आए थे। वे तब पूरी तरह से युवा थे। उनकी उम्र मात्र 22 साल थी। उनका पालम एयरपोर्ट पर तब के उपराष्ट्रपति बी.डी.जत्ती ने स्वागत किया था। वे राष्ट्रपति भवन में ही ठहरे थे। उनकी उस यात्रा की एक छोटी सी फिल्म यूट्यूब पर भी उपलब्ध है। उसमें लार्ड माउंटबेटन राष्ट्रपति भवन के बारे में प्रिंस चार्ल्स को इशारों से जानकारी दे रहे हैं। इसी राष्ट्रपति भवन में लार्ड माउंटबेटन भारत के अंतिम वायसराय के रूप में 12 फरवरी 1948 से 15 अगस्त 1947 और भारत के पहले गवर्नर जनरल के रूप में 21 जून 1948 तक रहे थे। इसलिए जाहिर है, उन्हें राष्ट्रपति भवन के भूगोल और वास्तुकला की जानकारी थी।

इस बीच, भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों का एक पूरा इतिहास रहा है। यह सारा देश जानता है। वर्ष 2004 में द्विपक्षीय संबंध में जो रणनीतिक साझेदारी विकसित हुई उसे सभी सरकारों द्वारा और मज़बूत ही किया गया। आज भारत एक परिवर्तन के दौर से गुज़र रहा है, जिसका परिणाम ब्रिटेन के पक्ष में हो सकता है। भारत पहले से ही क्रय शक्ति समता विनिमय दरों के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर खड़ा है और आने वाले दशकों में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। निश्चित रूप से किंग चार्ल्स ही यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके देश की सरकार आगे भी भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाकर रखे। वे निकट भविष्य में भारत का दौरा भी अवश्य करेंगे।

भारत सरकार की तरफ से उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी मिलेगा ही। वे तब राजधानी में दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के सेंट जॉन वोकेशनल सेंटर की गतिविधियों को भी देखना चाहेंगे। वे पिछली बार जब दिल्ली आए थे, वे तब ब्रिटेन के प्रिंस थे। तब वे सेंट जॉन वोकेशनल सेंटर की गतिविधियों को भी देखने पहुंचे थे। यहां पर समाज के कमजोर तबकों से जुड़े सैकड़ों नौजवानों के लिए एयरकंडीशनिंग, मोटर मैक्निक, ब्यूटिशियन, कारपेंटर, टेलरिंग वगैरह के कोर्स चलाए जाते हैं। उस वक्त, उन्होंने सेंटर में ट्रेनिंग ले रहे बहुत से नौजवानों से बात भी की थी और संतोष जताया कि यहां से प्रशिक्षित नौजवान जीवन में अपने लिए जगह बना रहे हैं। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के सदस्य मोनोदीप डेनियल ने बताया कि प्रिंस चार्ल्स ने वादा किया था कि वे ब्रदरहुड सोसायटी के बाकी प्रोजेक्ट्स को आगे की यात्राओं में देखेंगे। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के संस्थापकों में गांधी जी के परम सहयोगी दीन बंधु सीएफ एंड्रयूज थे।

उन्होंने सेंट स्टीफेंस कॉलेज में पढ़ाया भी था। वे दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी से 1916 में मिले थे। उसके बाद दोनों घनिष्ठ मित्र बने। उन्होंने 1904 से 1914 तक सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ाया।

उन्हीं के प्रयासों से ही गांधी जी पहली बार 12 अप्रैल-15 अप्रैल, 1915 को दिल्ली आए थे। सम्राट चार्ल्स की मां राजकुमारी एलिजाबेथ 1997 में अपने भारत दौरे के समय दिल्ली आईं थीं। वह तब दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी के राजनिवास मार्ग पर स्थित ब्रदर्स हाउस भी गईं थीं। वहां पर उन्होंने उन पादरियों से मुलाकात भी की थी जो अविवाहित रहते हुए दीन-हीनों की सेवा में भी लगे हुए हैं। इस बीच, मौजूदा जी-20 देशों के मंच का अध्यक्ष भारत चाहेगा कि उसे आगामी सितंबर में होने वाले शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन में ब्रिटेन का भरपूर साथ और समर्थन मिले। भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इसके अलावा, भारत के विभिन्न शहरों में जी-20 से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।भारत में ब्रिटेन के राजदूत एलेक्जेंडर एलिस ने हाल ही में कहा भी है कि भारत में दुनिया की कई बड़ी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता है। जी-20 की अध्यक्षता करते हुए भारत के पास मौका है कि वह दुनिया को नया और आधुनिक भारत के दर्शन कराए।

दरअसल भारत-ब्रिटेन विभिन्न क्षेत्रों में मिल-जुलकर काम कर रहे हैं। भारत दिसंबर 2022 से लेकर 30 नवंबर 2023 तक जी20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 के लिए अपना एजेंडा समावेशी, महत्वकांक्षी और एक्शन आधारित बताया है। जी20 के दौरान भारत के मॉडल को दूसरे देशों के सामने रखा जा सकता है, खासकर विकासशील देशों के सामने।

एक बात और नोट करने लायक है कि ब्रिटेन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सदस्यता का लगातार समर्थन किया है। यकीन मानिए कि इस बिन्दु पर ब्रिटेन के समर्थन से भारत को लाभ होगा।

वक्फ संपत्तियों को माफियाओं के चंगुल से निकालने की कवायद

विगत दिनों भारतीय समाचार माध्यमों में वक्फ की खबरें खूब सुर्खियां बटोरी। वक्फ पर कई आरोप भी मढ़े गए और कई ऐसी खबरें भी चलाई गयी जो वक्फ के अस्तित्व को चुनौती देने वाली थी। आज हम उन्हीं खबरों की पड़ताल करने की कोशिश करेंगे। वक्फ शब्द का शाब्दिक अर्थ समर्पित होता है। मुसलमान, धर्मार्थ या धार्मिक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति का एक हिस्सा समर्पित करते हैं। भारत के लगभग प्रत्येक राज्य में वक्फ बोर्डों की स्थापना की गई और उनके पंजीकरण और उपयोग की निगरानी और विनियमन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक केंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना की गई है। वक्फ संपत्तियों का उपयोग कर अमूमन सार्वजनिक कल्याण के लिए कब्रिस्तान, मस्जिद, मदरसे, अनाथालय, अस्पताल, क्लीनिक और शैक्षणिक संस्थान बनाए जाते हैं। हालांकि, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों सहित लगभग सभी धर्मार्थ संस्थान सभी धर्मावलंबियों के उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। इसमें जाति या धर्म का कोई बैरियर नहीं होता।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने 2017 की शुरुआत में मीडिया को बताया था, ''जब से वक्फ बोर्डों की स्थापना हुई है, तब से खाली संपत्तियों का एक मुद्दा रहा है, जिसे मैं वक्फ माफिया कहता हूं।'' इन संपत्तियों पर मुसलमानों के लाभ के लिए मॉल, शैक्षिक संस्थान, छात्रावास और कौशल केंद्र बनाये जायेंगे। एक नजर उत्तर प्रदेश में वक्फ संपत्तियों पर अगर डाले तो पता चलता है कि सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड उत्तर प्रदेश राज्य में 1.5 लाख से अधिक संपत्तियों का मालिक है, जबकि शिया वक्फ बोर्ड 12,000 से अधिक संपत्तियों का मालिक है। सीडब्ल्यूसी को यूपी वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन के बारे में उत्तर प्रदेश से कई शिकायतें मिलने के बाद, उत्तर प्रदेश और झारखंड वक्फ बोर्डों के प्रभारी सैयद एजाज अब्बास नकवी ने तथ्यों की जांच के लिए एक जांच समिति का बनाई और खुद की निगरानी में जांच भी किया। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में विस्तार से बताया कि कैसे एक मंत्री के रूप में आजम खान ने कथित तौर पर वक्फ बोर्ड के तहत संपत्ति हासिल करने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। यह दावा किया गया था कि आजम खान ने मौलाना जौहर अली एजुकेशन ट्रस्ट की स्थापना की और वक्फ संपत्तियों से फंड ट्रांसफर किया। रिपोर्ट में वक्फ संपत्तियों पर किराया संग्रह रिकॉर्ड के रखरखाव में विसंगतियों पर प्रकाश डाला गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नवंबर 2020 में दो मामलों को अपने हाथ में लिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड और उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने वक्फ संपत्तियों को अवैध रूप से बेचा, खरीदा और स्थानांतरित किया।

दरगाह बाबा कपूर की वक्फ संपत्ति उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर 550 गांवों में फैली हुई है। हालांकि, लोगों द्वारा धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए धन संचय के लिए बार-बार याद दिलाने के बावजूद, वहां की वक्फ बोर्ड एक पैसा नहीं दान करती है। वक्फ बोर्ड के संचालन के तरीके से लोग असंतुष्ट हैं। कुछ मामलों में, उत्तर प्रदेश में, वक्फ बोर्ड ने एक मॉल के लिए स्थानीय राजनेताओं को कब्रिस्तान की जमीन बेच दी, जिससे मुसलमानों में आक्रोश अभी भी बरकरार है। जमीन बिक्री की आय पूरी तरह से बोर्ड के सदस्यों के पास चली गई, जो आपस में अच्छी तरह से मिले हुए थे (जैसा कि टाइम्स ऑफ इंडिया ने रिपोर्ट में दावा किया गया था)। समाचार पत्रों के अनुसार, ''कई राज्य बोर्डों पर हाल के वर्षों में वक्फ भूमि को डेवलपर्स और निजी खरीदारों को कम दरों पर बेचने का आरोप लगाया गया है।'' इंडिया टीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार ''ए एन जैदी ने ठाकुरगंज में मोती मस्जिद, महानगर में श्मशान घाट, लाई बाग में इमामबाड़ा और प्रयागराज में छोटा कर्बला सहित छह प्रमुख वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जे के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। यह भी दावा किया कि प्रयागराज में गुलाम हैदर इमामबाड़ा का एक बड़ा हिस्सा अवैध रूप से भू-माफियाओं को बेच दिया गया था और कुछ क्षेत्रों को किराए पर दे दिया गया था।''2005 में केन्द्र सरकार ने ''भारत के मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति'' पर एक जांच समिति बनाई।

समिति की अध्यक्षता का जिम्मा न्यायमूर्ति राजिंदर सच्चर को सौंपा गया था। इस समिति में कुल सात सदस्य नियुक्त किए गए। समिति ने 2006 में अपनी रिपोर्ट जारी की, जिसमें सिफारिश की गई कि वक्फ बोर्डों को दुरूस्त किया जाए। समिति ने अपनी रिपोर्ट में राज्य वक्फ बोर्डों द्वारा अधिगृहित संपत्तियों की कड़ी निगरानी का भी अनुरोध किया है। रिपोर्ट में दी गई किसी भी सिफारिश को अभी तक लागू नहीं किया गया है। वक्फ मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएएमएसआई) पोर्टल की शुरुआत ही एकमात्र ऐसी चीज है जिसने चीजों को आगे बढ़ाया है।

-गौतम चौधरी

फिर से कोरोना

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आजकल फिर से कोरोना का बाजार गरम है। कोरोना की चौथी लहर से वातावरण गर्माता जा रहा है। इत्मिनानी मिजाज पहले चौकन्ना होना छोड़ देता है। इसीलिए आजकल मास्क गायब हैं। जहाँ हैं वहाँ उनका खेल बड़ा निराला है। किसी की ठुड्डी पर तो किसी के गले पर सुहा रहा है। जहाँ सुहाना चाहिए वहाँ कोरोना सुहा रहा है। यह सब देखकर लगता है कि नियम कायदे केवल यातायात के ही नहीं कोरोना के भी तोड़े जाते हैं। नो पार्किंग जोन में गाड़ी और नाक-मुँह को छोड़कर हर जगह मास्क दिखायी दे रहा है। मौत की आबोहवा में हथेली में जान लेकर फिरना कोई बच्चों का खेल नहीं है। ऐसे नमूने मास्कधारियों को बॉर्डर पर होना चाहिए। सरकार लाख चाहे अपील कर ले इनके कानों पर जूँ तक नहीं रेंगती। लगता है कोरोनाकाल में जूँ अपने कानधारियों से अधिक समझदार हो गए हैं।

किसी ने नमूने मास्कधारी से पूछ लिया कि कोरोना भगाने का सबसे बड़ा उपाय क्या है, तो उसने मौके पर चौका मारते हुए कहा – करना क्या है, देश भर में तब तक चुनावी रैलियाँ, मतदान करवाओ जब तक ससुरा कोरोना भाग नहीं जाता। फिर देखें कैसे कोरोना दुम दबाकर भागता है। नेताओं के हाथों सतायी गयी अभागी जनता की यातनाओं को देखकर कोरोना की सारी कुटिल चालें धरी की धरी रह जायेंगी। हृदयहीन नेताओं के बीच भोली-भाली जनता की भीड़ देखकर उसके छक्के छूट जायेंगे। वह तो छोटे-छोटे समूहों को तलाशता रहता है। नौकरीपेशा लोगों, व्यस्त गृहणियों और पढ़ने वाले बच्चों की मजबूरी देखकर अपना उत्पात मचाता रहता है। नेताओं की अघोरी चुनावी मुद्राएँ देखकर इसकी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती हैं। नेताओं के जोरदार भाषणों में उसे खुद की मौत सुनाई देती है। उसे रैलियों में अपने मौत का तांडव दिखलाई देता है।

अबोध, निरीह बेगुनाह की हालत देख कोरोना भयभीत करने में अपनी मर्दानगी समझता है। दम है तो चुनावी रैली में जाकर दिखाए। उसकी नानी न याद आ गई तो पूछो मत। रैलियों में लोग इतने सट-सटकर खड़े होते हैं कि कोरोना उनके बीच आ जाए तो उसका कचूमर निकल जाए। यदि वह अपना चेहरा दिखा दे उसे झुलसाने से भी लोग पीछे नहीं हटेंगे। इसीलिए कोरोना नेताओं और मतदाताओं से ज्यादा सरकार और भोली जनता को पसंद करता है। वह क्या है न कि चुनावी दिनों में नेता और मतदाता पर मातामाई चढ़ जाती है। इनके आगे जो आ जाए मानो उसकी खैर नहीं। वहीं चुनाव के बाद नेता सरकार में मतदाता आम जनता के रूप में बदल जाते हैं तब उनकी सारी शक्तियाँ टाँय-टाँय फिस्स हो जाती है। वैसे भी यह रोग ऐसा है कि आईएएस के कोर्स में हौव्वा तो नेताओं के आगे बौना सा नजर आता है।

आज कोरोना बीमारी से ज्यादा शिक्षक के रूप में अपना पात्र निभा रहा है। वह दुनिया को समझा रहा है कि कोई भी बीमारी अपने आप पैदा नहीं होती। इसे पैदा किया जाता है। यह मानवीय भूल का नतीजा है। अगर भूल एक से ज्यादा बार हो जाए तो उसे भूल नहीं मूर्खता कहते हैं। ऐसी मूर्खता करने वालों का कोरोना जैसे रोग बुरा नहीं मानते बल्कि बुरा करने में विश्वास रखते हैं। रहीम ने कहा था-

जैसी जाकी बुद्धि है, तैसी कहै बनाय।
ताको बुरा न मानिए, लेन कहां सो जाय॥

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन या डबल इंजन सरकार

224 विधानसभा सीट वाली कर्नाटक राज्य में 10 मई को विधानसभा के चुनाव होने जा रहे है। इस चुनाव में भाजपा, कांग्रेस एवं जनता दल एस मुख्य राजनीतिक दल है। जहां मुख्य मुकाबला भाजपा एवं कांग्रेस के बीच है। जहां सर्वाधिक रूप से कांग्रेस का शासन काल रहा है। वर्तमान में भाजपा की सरकार है। इस चुनाव में भाजपा अपने स्टार प्रचारक पूर्व मुख्य मंत्री बी एस येदियुरप्पा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं अध्यक्ष जे पी नड्डा के बल पर फिर से सत्ता में वापिस आने की उम्मीद लगाये बैठी है वहीं कांग्रेस इस बार भाजपा को सत्ता से बाहर कर सत्ता आसीन होने का भरपूर प्रयास कर रही है। इस पृष्ठिभूमि में कर्नाटक राज्य में प्रमुख रहे राजनीतिक दल जनता दल एस के सुप्रीमो देश के पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। 13 मई को विधानसभा चुनाव के परिणाम आने वाले है। फिलहाल कर्नाटक राज्य में कांग्रेस आने के आसार दिखाई दे रहे है। इस परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट रूप से उजागर होने में वहां के बदलते राजनीतिक घटनाक्रम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

कर्नाटक में चुनाव होने की घोषणा के साथ हीं सत्ता पक्ष में भगदड़ शुरू हो गई। इसके दो प्रमुख रहे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार एवं पूर्व उप मुख्य मंत्री लक्ष्मण सावदी के कांग्रेस में शामिल होने से भाजपा के चुनावी गणित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के आसार है। इसका राजनीतिक लाभ कांग्रेस को मिल सकता है। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर कर्नाटक की आवाम से जो वायदे किये है उसमें महिलाओं के लिये फ्री बस यात्रा, हर ग्राम पंचायत को एक करोड़ की राशि देने की बात प्रमुख है वहीं सत्ता पक्ष ने डबल इंजन की सरकार बनाने की वकालत की । कर्नाटक में दलित वर्ग के वोट काफी महत्व रखते है। जहां दलित संघर्ष समिति के बैनर तले 12 संगठन कांग्रेस को समर्थन दे चुके हे।

कर्नाटक में लिंगायत एवं वोक्कालिंगा समुदाय पर भी दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने फोकस किया है जहां इस चुनाव में भाजपा ने लिंगायत समुदाय से 68 प्रत्याशी मैदान में उतारे है वहीं कांग्रेस ने 49 एवं जेडीएस ने 41 प्रत्याशी खड़े किये है। वोक्कालिंगा से भाजपा ने 38, कांग्रेस ने 46 एवं जेडीएस ने 55 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे हे।इन राजनीतिक दलों के आलावे ओवैसी ने भी अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे है। कर्नाटक की राजनीति में जाति का वर्चस्व सदैव से हावी रहा है। इस राज्य में लिंगायत समुदाय एवं वोक्कालिंगा समुदाय का वर्चस्व सदैव से राजनीतिक क्षेत्र में बना रहा जो सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस को राजनीतिक लाभ मिलने के ज्यादा आसार है। प्रदेश में चुनाव प्रचार चरम सीमा पर है।

अब देखना ये है कि कर्नाटक की जनता डबल इंजन की सरकार लाने के पक्ष में है या सत्ता परिवर्तन की पक्षधर । पूरे देश की नजर कर्नाटक चुनाव पर टिकी है जहां का चुनाव परिणाम देश में होने वाले आगामी चुनाव का भविष्य तय करेगा। (युवराज)

-डा. भरत मिश्र प्राची

कौन थी विभीषण की बेटी, जिसने पहले ही कर दी थी रावण के सर्वनाश की 'भविष्यवाणी'

रामचरितमानस की चौपाई
त्रिजटा नाम राच्छसी एका। राम चरन रति निपुन बिबेका॥
सबन्हौ बोलि सुनाएसि सपना। सीतहि सेइ करहु हित अपना॥1॥
सपने बानर लंका जारी। जातुधान सेना सब मारी॥
खर आरूढ़ नगन दससीसा। मुंडित सिर खंडित भुज बीसा॥2॥

भगवान राम के जीवन को लेकर कई रामायण लिखे गए हैं, जिसमें लंका यद्ध को लेकर कई कथाएं मिलती हैं। रामचरितमानस में रावण के भाई विभीषण की बेटी का वर्णन मिलता है, जिसने रावण और लंका के सर्वनाश की 'भविष्यवाणी' युद्ध से पहले ही कर दी थी। सीता हरण के बाद मंदोदरी और विभीषण ने कई बार रावण को समझाने का प्रयास किया कि वे सीता को प्रभु राम को लौटा दे और क्षमा मांग ले। लेकिन रावण ने एक नहीं सुनी। उसने माता सीता को अशोक वाटिका में कैद कर रखा था, जहां पर 300 राक्षसी पहरा देती थीं और सीता जी को अनेकों प्रकार से डराती रहती थीं।

लंका में सीता जी की रक्षक थी विभीषण की बेटी

रामचरितमानस में त्रिजटा का नाम आता है। वह अशोक वाटिका में सभी पहरेदारों की मुखिया थी और सीता जी की रक्षक थी। जब भी रावण माता सीता को डराकर चला जाता था तो त्रिजटा उनके मनोबल को बढ़ाती थी। वह सीता जी को विश्वास दिलाती थी कि एक दिन प्रभु श्रीराम लंका पर विजय प्राप्त करके आपको यहां से ले जाएंगे।

विभीषण की बेटी थी त्रिजटा

बताया जाता है कि त्रिजटा विभीषण की बेटी थी और उसकी माता का नाम सरमा था। वह राक्षस कुल में जन्म ली थी, लेकिन पिता के समान ही विष्णु भक्त थी। रामायण में उसे कई बार सीता जी को पुत्री कहकर संबोधित करते हुए देखा गया है।

त्रिजटा ने पहले ही कर दी थी रावण के सर्वनाश की 'भविष्यवाणी'

रामचरितमानस में त्रिजटा के उस स्वप्न कर वर्णन किया गया है, जिसमें उसने लंका युद्ध से पूर्व ही रावण के सर्वनाश की भविष्यवाणी कर दी थी।राक्षसी जब सीता जी को डराती हैं और प्रताड़ित करती हैं तो वह अपने एक स्वप्न के बारे में बताती है।

वह कहती है कि उसने एक स्वप्न देखा है, जिसमें एक वानर पूरी लंका को जला देता है और रावण की राक्षसी सेना को मार डालता है। इतना ही नहीं, रावण गधे पर बैठा है और उसका मुंडन कर दिया गया है और उसके 20 हाथ कटे हुए हैं। वह सभी पहरेदारों को समझाती है कि तुम सभी का हित सीता की सेवा में ही है। त्रिजटा का स्वप्न उस समय पूरा हो जाता है, जब हनुमान जी लंका दहन कर देते हैं।

लंका विजय के बाद त्रिजटा को मिले उपहार

इंडोनेशिया की काकाविन रामायण में बताया गया है कि लंका विजय के बाद सीता जी ने त्रिजटा को कई कीमती उपहार दिए थे। बालरामायण और आनंद रामायण में बताया गया है कि लंका विजय के बाद त्रिजटा सीता जी के साथ अयोध्या भी गई थी।

बनारस और उज्जैन में है त्रिजटा मंदिर

बनारस और उज्जैन में त्रिजटा के मंदिर भी हैं। बनारस के त्रिजटा मंदिर में महिलाएं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूजा करती हैं। मूली और बैंगन का भोग लगता है। कहा जाता है कि सीता जी ने त्रिजटा को वाराणसी में रहने को कहा था, ताकि उसे मोक्ष मिल जाए।

महाभारत का शापित योद्धा जिसे अब भी जिंदा माना जाता है, कहते हैं घूमता है जंगलों में

महाभारत के एक योद्धा को आज भी जिंदा माना जाता है। उन्हें लेकर बहुत ढेर सारे रहस्य हैं। उस योद्धा का नाम अश्वत्थामा था। वह महाभारत के युद्ध में मरे नहीं थे बल्कि जिंदा ही जंगलों में लोप हो गए थे। चूंकि उन्हें भगवान शंकर से अमरता का वरदान मिला हुआ था, लिहाजा लोग मानते हैं कि ये योद्धा आज भी जीवित है। ये या तो हिमालय में कहीं हो सकता है या फिर देश के घने जंगलों में रह रहा होगा।

अश्वत्थामा गुरु द्रोणाचार्य के पुत्र थे। हमारे पुराणों और मिथकों में जिन 08 शख्सियतों को आज भी जिंदा माना जाता है, उसमें वह एक हैं। यही वजह थी कि महाभारत युद्ध के बाद भी वह जीवित थे।

अश्वत्थामा के साथ खासियत ये थी कि उन्हें अगर भगवान शंकर से अमरत्व का वरदान हासिल था तो जन्म के साथ उन्हें एक ऐसी मणि मिली थी, जो सभी तरह की विपत्तियों से उनकी रक्षा करती थी, इसे वह माथे के केंद्र में रखते थे। ये कहा जाता है कि ये ऐसा रत्न था, जो ना केवल शक्ति देता था बल्कि भूख, प्यास और थकान से बचाने में भी मदद करता था।

कैसे पड़ा अश्वत्थामा नाम

अश्वत्थामा जैसा नाम रखा नहीं जाता। इसलिए इस नाम को विचित्र ही कहेंगे। उनके इस नामकरण की कहानी भी है। कहा जाता है कि जब गुरु द्रोण के घर इस बालक का जन्म हुआ तो उसने अश्व यानि घोड़े की तरह ध्वनि की। फिर आकाशवाणी हुई कि इस बालक को अश्वत्थामा के नाम से जाना जाएगा।

अश्वत्थामा जब पैदा हुए, तो मस्तक पर मणि लेकर पैदा हुए।

महाभारत की कथाएं कहती हैं कि अश्वत्थामा के सिर पर जन्म से ही मणि थी। एक बार द्रौपदी ने महाभारत में अर्जुन की प्रार्थना पर गुरु पुत्र को प्राण दान दे दिया लेकिन सजा के तौर पर मणि उनसे छीन ली।

क्या जीवित हैं अश्वत्थामा

मध्य प्रदेश में महू से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित विंध्याचल की पहाड़ियों पर खोदरा महादेव विराजमान हैं। इस जगह को अश्वत्थामा की तपस्थली के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि आज भी अश्वत्थामा यहां आते हैं। मध्य प्रदेश के साथ ओडिसा और उत्तरांचल में भी अश्वतथामा को देखे जाने की कहानियां कही जाती हैं।

महाभारत के युद्ध के समाप्त होने के बाद कौरवों की ओर से सिर्फ तीन योद्धा ही बचे थे कृप, कृतवर्मा और अश्वत्थामा। अश्वत्थामा चुपचाप जंगलों की ओर चले गए थे। पांडवों ने उन्हें खोजने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाए।

क्यों पांडवों के छल से अश्वत्थामा नाराज हुए

अश्वत्थामा ने इस बात के लिए कभी पांडवों को माफ नहीं किया था क्योंकि उन्होंने छल से उनके पिता गुरु द्रोणाचार्य को मारा था। दरअसल हुआ ये कि गुरु द्रोण को सामान्य तरीके से हराना मुश्किल था। लिहाजा जब द्रोण युद्ध स्थल पर आए तो युधिष्ठर को ये कहने के लिए कहा गया – अश्वत्थामा मारा गया, हाथी या मनुष्य।

अश्वत्थामा को उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश और ओडिसा के जंगलों में देखे जाने की चर्चाएं अब भी होती रहती हैं।

जब द्रोण रणक्षेत्र में रथ के साथ दाखिल हुए तो युधिष्ठर ने ऐसा ही कहा लेकिन उनके अश्वत्थामा मारा गया कहते ही ऐसी तेज आवाज की गई कि आगे की बात सुनाई ही ना दे। द्रोण को लगा कि उनका पुत्र मारा गया। लिहाजा वो शोकाकुल हो गए और रथ से उतर कर शोक मनाने लगे। ऐसे समय ही भीम ने उन्हें अपनी गदा के वार से मार दिया।

अश्वत्थामा क्रोध में पागल हो गए

अश्वत्थामा को जब ये बात मालूम हुई तो क्रोध में पागल होकर पांडवों की सेना के एक बड़े हिस्से को तहस-नहस कर दिया। इसके बाद भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ। उसी समय पांडवों ने एक और छल करके उसके नारायण शस्त्र को बर्बाद कर दिया।

इससे उसका गुस्सा और बढ़ गया। वह रात में पांडवों के पंडाल में गया, जहां पांचों पांडव सोते थे, वहां आग लगा दी। हालांकि उस रात उस पंडाल में पांच लोग जरूर थे लेकिन वो पांडवों के पांच पुत्र थे। पांडव वहां नहीं थी। पांचों पुत्र मारे गए। इसके बाद अर्जुन ने प्रतीज्ञा ली कि वह अश्वत्थामा को नहीं छोड़ेंगे। इससे बचने के लिए अश्वत्थामा युद्ध छोड़कर जंगलों में ऐसा विलीन हुआ कि उसके बाद दिखा ही नहीं।

कृष्ण का शाप भी लगातार करता रहा पीछा

हालांकि ये भी कहा जाता है कि पांडवों ने उसे पकड़ा और उसके माथे से मणि निकल ली। वह लहुलुहान हो गया। तब कृष्ण ने उसे शाप दिया कि अब वह इसी हालात में जिंदगी गुजारेगा। मर भी नहीं सकेगा। तब से ही अश्वत्थामा के बारे में कहा जाता है कि इसी खराब स्थिति में जिंदा ही वनों में भटकता रहेगा।

ये संकेत हैं अच्छे वक्त की पहचान

हर व्यक्ति अपने जीवन में अच्छे वक्त का इंतजार करता है, ताकि उसकी तरक्की होगी। जिदंगी खुशहाल हो। भाग्य का ऐसा साथ मिले कि हर काम सफल हो। धन-दौलत की कोई कमी न हो। जब अच्छा वक्त आने वाला होता है या किस्मत आप पर मेहरबान होने वाली होती है तो आपको पहले से ही कुछ संकेत मिलने लगते हैं। जब अच्छा टाइम आता है तो भाग्य सूरज की तरह चमकता है और जीवन में हर खुशी मिलती है। आइए जानते हैं अच्छे वक्त के 10 शुभ संकेत।

अच्छे वक्त के 10 संकेत

1. यदि आप सुबह-सुबह घर से किसी काम से निकले हैं और आपको रास्ते में नए वर और वधु साथ दिखाई देते हैं तो समझ लीजिए कि आपका अच्छा वक्त शुरू होने वाला है। यह अच्छे दिन का शुभ संकेत माना जाता है।

2. यदि आप पर किसी दिन कोई पक्षी बीट कर देता है तो उसका बुरा न मानें। यह आपके लिए शुभ संकेत हो सकता है। ऐसी लोक मान्यता है कि कोई पक्षी किसी व्यक्ति पर बीट करता है तो उसका गुड लक शुरू हो जाता है।

3. आप यात्रा कर रहे हैं और उस दौरान आपको सांप और बंदर दिखाई देते हैं तो यह अच्छे वक्त का शुभ संकेत है। आपके जीवन का आर्थिक संकट दूर होने वाला है। आपके पास धन का आगमन हो सकता है। इतना ही नहीं, यदि घर में चमगादड़ का बसेरा होता है तो इसे भी शुभ माना जाता है।

4. यदि रात के समय में आपको आसमान में टूटते हुए तारे दिखाई देते हैं तो तुरंत ही कोई मनोकामना जाहिर कर दें। मान्यताओं के अनुसार, 30 दिनों के अंदर वह इच्छा पूरी हो सकती है। यह भी शुभ संकेत माना जाता है।

5। कछुआ का दिखाई देना शुभ संकेत होता है। भगवान विष्णु ने कच्छप अवतार लिया था। कछुआ आपको सपने में दिखाई देता है तो यह अच्छे भाग्य का संकेत है। बंद किस्मत के दरवाजे जल्द खुल सकते हैं।

6. किसी दिन आप अपने घर के पास या रास्ते में मोर को देखते हैं या मोर को नाचते हुए देखते हैं तो उस दिन से आपके अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। मोर का दिखना अच्छा माना जाता है।

7. यदि आपके घर के मुख्य दरवाजे पर हाथी अपना सूंड़ उठाकर खड़ा हो जाए तो समझ लेना चाहिए कि आपके यहां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है। आपके परिवार के सुख और समृद्धि में बढ़ोत्तरी होने वाली है। हाथी को गणेश जी का प्रतीक मानते हैं।

8. घर की छत पर कोयल का बोलना भी एक शुभ संकेत होता है। ऐसा होने पर आपके धन में वृद्धि हो सकती है।

9. यदि आप सपने में या रास्ते में सुनहरा सांप देखते हैं तो आपके अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। यह भाग्य के मजबूत होने का संकेत माना जाता है।

10. जिस दिन आप सुबह उठें और सबसे पहले ही आपको दही या दूध दिखाई दे तो यह गुडलक का इशारा है।

हाथ की किस उंगली में धारण करें चांदी का छल्ला?

भौतिक सुख-सुविधाओं को पाने के लिए हर व्यक्ति कड़ी मेहनत और परिश्रम करता है, लेकिन कई बार हमारे द्वारा किया गया परिश्रम हमें फल नहीं देता। कई बार हमें लगता है, कि हमारा भाग्य साथ नहीं दे रहा। चांदी का छल्ला आपकी परेशानियों को हल कर सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अलग-अलग धातुओं और रत्नों से जुड़ी अंगूठियां हमारे जीवन में अनेकों प्रकार से प्रभाव डालती हैं। ज्योतिष शास्त्र में इन धातुओं और रत्नों का नाता नौ ग्रहों के साथ बताया जाता है। चांदी का छल्ला भी इन्हीं महत्वपूर्ण धातुओं में से एक है। दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित आलोक पाण्डया बता रहे हैं, चांदी का छल्ला पहनने के फायदे।

शुक्र और चंद्रमा से है चांदी के छल्ले का संबंध

सोने चांदी के आभूषण महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। ज्योतिष शास्त्र मानता है, कि सोने चांदी से बने यह आभूषण कुंडली के ग्रह-नक्षत्रों पर भी असर डालते हैं। सोने का संबंध गुरु ग्रह से है। तो चांदी का संबंध शुक्र और चंद्रमा के साथ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार चांदी भगवान शिव के नेत्रों से उत्पन्न हुई है, इसलिए जहां चांदी होती है, वहां धन वैभव और संपन्नता आती है। इसके अलावा कुछ राशियां ऐसी हैं, जिनके जातकों को चांदी का छल्ला धारण करना बहुत लाभप्रद होता है।

इस तरह धारण करें चांदी का छल्ला

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार चांदी का छल्ला धारण करने के लिए इसे बिना जोड़ का बनवाना चाहिए। चांदी के छल्ले को अंगूठे में धारण किया जा सकता है। महिलाओं को इसे बाएं हाथ में और पुरुषों को दाएं हाथ में धारण करना शुभ होता है। मान्यता है कि चांदी का छल्ला चंद्रमा का कारक है। इसे धारण करने से सूर्य और शनि की स्थिति कुंडली में मजबूत होती है। साथ ही इससे भाग्य भी मजबूत होता है। इसके अलावा चांदी का छल्ला धारण करने से राहु ग्रह दोष से भी मुक्ति मिलती है, और मन शांत रहता है। चांदी का छल्ला कर्क, वृश्चिक और मीन राशि वालों के लिए धारण करना अत्यंत शुभ माना जाता है। वृषभ और तुला राशि के जातक भी चांदी का छल्ला धारण कर सकते हैं। इसके अलावा मेष सिंह और धनु राशि के जातकों को गलती से भी चांदी का छल्ला धारण नहीं करना चाहिए।

चांदी का छल्ला पहनने का लाभ

चांदी का छल्ला पहनने से शुक्र और चंद्रमा दोनों ही शुभ परिणाम देते हैं। मन और मस्तिष्क शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण आता है, साथ ही धन और सुख समृद्धि में बढ़ोत्तरी होती है। शरीर में वात, कफ और पित्त जैसी समस्याओं का संतुलन बना रहता है। यदि आप हाथों में चांदी की अंगूठी नहीं पहन पा रहे हैं। तो चांदी की चेन भी अभिमंत्रित करके पहनी जा सकती है। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मई में होगा शुक्र, सूर्य और मंगल का राशि परिवर्तन 5 राशियों के लिए शानदार रहेगा महीना

अंग्रेजी कैलेंडर का 5वां माह मई का प्रारंभ होने वाला है। मई माह में तीन बड़े ग्रहों सूर्य, शुक्र और मंगल का राशि परिवर्तन होगा। ग्रहों के राजा सूर्य का गोचर 15 मई को वृष राशि में होगा। उस दिन सूर्य की वृष संक्रांति होगी। भौतिक सुख और सुविधाओं के कारण ग्रह शुक्र का राशि परिवर्तन 2 मई को होना है। इस दिन शुक्र वृष से निकलकर मिथुन राशि में गोचर करेगा। फिर धरती पुत्र के नाम से प्रसिद्ध मंगल ग्रह का गोचर 10 मई को कर्क राशि में होने वाला है। मई 2023 में होने वाले ये 3 बड़े ग्रहों के राशि परिवर्तन सभी 12 राशियों पर प्रभाव डालेंगे। इसमें से 5 राशियों वालों के लिए धन लाभ और तरक्की का योग बनेगा। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ। मृत्युञ्जय तिवारी से जानते हैं मई में ग्रहों के गोचर का राशियों पर शुभ प्रभाव क्या है?

ग्रह गोचर मई 2023 राशियों पर शुभ प्रभाव

मिथुन: मई में होने वाले ग्रहों के गोचर से आपकी राशि के जातकों को विशेष लाभ हो सकता है। नौकरी करने वाले लोगों को तरक्की मिल सकती है और धन लाभ से आर्थिक पक्ष मजबूत हो सकता है। अचानक से धन लाभ होगा। आपके अटके हुए रुपए वापस मिल सकते हैं। इनके अलावा प्रॉपर्टी से भी लाभ होगा। आपको कोई पैतृक संपत्ति मिल सकती है।

सिंह: मई में ग्रहों का राशि परिवर्तन आपके लिए शुभ रहेगा। जो लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में जुटे हैं, उनको खुशखबर मिल सकती है। मेहनत में कमी न रखें। शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। इस माह धन का संकट दूर होगा। नौकरी और बिजनेस में समय अनुकूल रहेगा। नई जॉब पा सकते हैं। आपके पद और प्रतिष्ठा में इजाफा होगा।

वृश्चिक: मई ग्रह गोचर का आपके लिए सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। यह माह आपके काम और नौकरी को लेकर बहुत ही अच्छा हो सकता है। इस महीने आपको मनचाहे जॉब का प्रस्ताव मिल सकता है। बिजनेस करने वालों को नया निवेश या फिर पार्टनरशिप का मौका हाथ लग सकता है। इससे आप अपने कार्यक्षेत्र में विस्तार कर सकते हैं।

मकर: मई में सूर्य, शुक्र और मंगल का राशि परिवर्तन मकर राशिवालों के लिए अच्छा रहेगा। इस माह आपके बैंक बैलेंस में बढ़ोत्तरी हो सकती है। आप पहले से ज्यादा सेविंग कर सकते हैं। बॉस के साथ संबंध अच्छे होंगे, जिसके कारण आपको मनचाहे काम मिलेंगे। आपके काम की तारीफ भी होगी। इस माह में धन की आवक अच्छी रहेगी। बिजनेस करने वालों को मुनाफा होगा।

मीन: मई में ग्रहों का राशि परिवर्तन मीन के जातकों के लिए सुखद अनुभव वाला हो सकता है। आपका दांपत्य जीवन सुखमय होगा। रिश्ते में रोमांस बढ़ेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे, जिससे आपकी आमदनी बढ़ेगी। रुपए की कमी खत्म हो सकती है। परिवार में सुख और शांति का माहौल रहेगा। बिजनेस और नौकरी में आगे बढ़ेंगे। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो आपकी उन्नति मे सहायक हो सकते हैं।

अगरबत्ती जलाना क्यों माना जाता है अशुभ?

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की पूजा का बहुत महत्व है। मान्यताओं के अनुसार देवी-देवताओं की विधि-विधान से पूजा की जाती है। पूजा-पाठ में विभिन्न सामग्रियां उपयोग में ली जाती हैं। भगवान की पूजा-अर्चना के समय भक्त धूप-अगरबत्ती, कपूर, दीपक आदि जलाते हैं। सामान्य तौर पर लोग अगरबत्ती जलाकर भगवान की पूजा शुरू करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगरबत्ती जलाना अशुभ माना जाता है। आइए आपको बताते हैं कि क्यों अगरबत्ती जलाना अशुभ माना जाता है।

1.भाग्य और वंश का नाश: बांस को जलाने से भाग्य और वंश का नाश होता है। मान्यताओं में बांस को भाग्यवर्धक और वंश वृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसलिए हिन्दू धर्म में बांस से बनी अगरबत्तियों को जलाना निषेध है।

2 .बांस से बनाई जाती है अर्थी: हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार बांस का उपयग अर्थी बनाने में किया जाता है। लेकिन दाह संस्कार में बांस को नहीं जलाया जाता इसीलिए बांस से बनी अगरबत्तियों को पूजन में जलाना शुभ नहीं माना जाता है।

3.बांस की पूजा की जाती: हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार शादी, जनेऊ, मुंडन आदि में बांस की पूजा की जाती है। शादियों में बांस से मंडप बनाया और सजाया जाता है। इसलिए पूजा विधियों में बांस से बनी अगरबत्तियों को जलाना निषेध माना जाता है।

4.वैज्ञानिक तर्क: अगरबत्ती जलाने को लेकर अगर बात वैज्ञानिक दृष्टिकोण की करें तो बांस में भारी मात्रा में लेड और हेवी मेटल होता है। जिसे जलाने से लेड ऑक्साइड बनता है अगर हम घर पर बांस से बनी अगरबत्तियां जलाएंगें तो ये हानिकारक तत्व धुएं के रूप में हमारी श्वास के जरिए शरीर के अंदर जाने का खतरा रहता है और ये हमारी सेहत पर असर डाल सकता है। यही वजह है कि पूजा-पाठ में अगरबत्ती जलाने की जगह धूपबत्ती जलाने को कहा जाता है। आप भी पूजा पाठ में धूप बत्ती का उपयोग कर सकते हैं।

कंगना ने सलमान को दी टेंशन फ्री रहने की सलाह : सिक्योरिटी देने पर पीएम मोदी की तारीफ की, बोलीं- देश सुरक्षित हाथों में है

कंगना रनोट ने हाल ही में सलमान खान को जान से मारने की धमकियों पर अपना रिएक्शन दिया है। कंगना ने कहा सलमान खान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सुरक्षा मिल रही है। देश सुरक्षित हाथों में है, इसलिए सुरक्षा को लेकर डरने की कोई बात नहीं है। दरअसल, हाल ही में सलमान खान ने एक इंटरव्यू के दौरान मुंबई पुलिस से मिली सिक्योरिटी पर बात की। उन्होंने कहा- 'यूएई में सब सेफ है, इंडिया के अंदर थोड़ा सा प्रॉब्लम है।'

आज देश सुरक्षित हाथों में है, चिंता की कोई बात नहीं- कंगना

एक रिपोर्ट मुताबिक कंगना ने कहा- 'हम एक्टर हैं। सलमान खान को केंद्र सरकार ने सुरक्षा मुहैया कराई है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सुरक्षा मिल रही है। तो डरने की कोई बात नहीं है। मुझे भी धमकी दी गई थी, जिसके बाद सरकार ने मुझे भी सिक्योरिटी दी थी। आज देश सुरक्षित हाथों में है, हमें चिंता करने की कोई बात नहीं है।'

कंगना हरिद्वार दर्शन करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने गंगा आरती भी की। इसके बाद एक्ट्रेस केदारनाथ धाम के लिए रवाना होंगी। कंगना ने कहा मैं हमेशा से केदारनाथ धाम जाना चाहती थी और आखिरकार यह मुमकिन हो रहा है। सलमान खान ने हाल ही में आप की अदालत के दौरान खुद को मिलने वाली धमकियों पर बात की। उन्होंने कहा- 'मैं पूरी सुरक्षा के साथ हर जगह जा रहा हूं। यूएई में किसी चीज की जरूरत नहीं है, हर तरह की सुविधा है। इंडिया के अंदर थोड़ा सा प्रॉब्लम है।

डेथ थ्रेट्स पर सलमान का जवाब

आगे उन्होंने कहा- मुझे पता है कि जो कुछ भी होने वाला है, वो होगा चाहे आप कुछ भी करें। मुझे यकीन है कि ऊपर वाला है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं बिना सिक्योरिटी के घूमने लगूंगा। अब सड़क पर साइकिल चलाना या अकेले जाना मेरे लिए संभव नहीं है। मुझे ज्यादा दिक्कत तब होती है, जब मैं ट्रैफिक में होता हूं। वहां बहुत ज्यादा सिक्योरिटी होती है।

गार्ड और गाड़ियों पर की बात

सलमान बोले- 'गार्ड की गाड़ियों की वजह से आम लोगों को दिक्कत होती है। वो लोग मुझे गलत भी समझते हैं। मैं वही कर रहा हूं, जो मुझसे कहा गया है। मैं हर जगह पूरी सुरक्षा के साथ जाता हूं। मैं ये जानता हूं कि जो होना है वो तो हो कर ही रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं बिना सिक्योरिटी के घूमने लगूंगा। मेरे आसपास आजकल बहुत से शेरा हैं। मैं इतनी सारी बंदूकों से घिरा रहता हूं कि कई बार मुझे खुद डर लगता है।'

लेटलतीफी करने वालों पर फूटा करण जौहर का गुस्सा

क्रिप्टिक पोस्ट में कहा- आप कोई राष्ट्रपति हैं जो इतने बिजी हैं, यूजर्स बोले- कहीं ये शाहरुख तो नहीं

फिल्म मेकर करण जौहर ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया। अपने इस पोस्ट में करण ने समय की पाबंदी को लेकर बात की, साथ ही हर जगह देर से पहुंचने वालों को 'समय का अपराधी' बताया। करण ने तस्वीर शेयर की जिसमें काले रंग से 'पंक्चुअलिटी' लिखा हुआ है, जिसका मतलब है- 'समय का पाबंद'। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने लेटलतीफी करने वालों पर निशाना साधा और कहा कि पाबंद होना बेहद जरूरी और बुनियादी चीज होती है। अगर कोई ऐसा नहीं करता तो वो उसे अपनी लिस्ट से बाहर कर देंगे। करण के इस पोस्ट को देखकर फैंस सवाल कर रहे हैं कि आखिर उन्होंने किसपर निशाना साधा है।

देरी से आने वालों पर करण ने जताई नाराजगी

करण ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'समय की पाबंदी के बारे में सबसे खास बात यह है कि इसके लिए किसी नेचुरल टैलेंट, डिग्री या यहां तक कि माता-पिता या बॉस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती है। यह कला का हिस्सा नहीं है जो हमें पीढ़ियों से विरासत में मिले। यह सरल और बुनियादी संस्कार है, दूसरे लोगों के समय का सम्मान करने से आप उनका भी सम्मान करते हैं। यह किसी की रिस्पेक्ट करने का ऐसा तरीका है, जिसमें कोई दिखावा नहीं होता।'

उन्होंने कहा- '15 मिनट देर से पहुंचना और बिना मुझसे माफी मागे या बात किए बिना चले जाना यह जताता है कि आप कितने लापरवाह हैं। आपने देरी से पहुंचने को अपना अधिकार समझ लिया है। आप मुझे अचानक से मैसेज करते हैं- 'ऑन माई वे।' क्या वाकई आप इतना कहने मात्र से बच जाएंगे। ऑन माय वे का क्या मतलब होता है? आपको होना चाहिए था। आप यह बताकर मुझपर अहसान नहीं कर रहे हैं। ऑन माई वे का मतलब समझना उतना ही मुश्किल है, जैसे नोलन की फिल्में समझना।'

आप कोई देश चला रहे हैं, जो इतने व्यस्त हैं

बेपरवाह लोगों पर निशाना साधते हुए करण ने कहा- 'फिर सबसे खराब बात, ओह मैं भूल गया! क्यों श्रीमान आप राष्ट्रपति हैं? कोई ऐसा देश चला रहे हैं, जो आप इतने ज्यादा बिजी रहते हैं? इसके बाद सबसे फेवरेट वाला बहाना- 'बहुत अधिक ट्रैफिक था' क्या आप न्यूजीलैंड में रहते हैं? नहीं न, यह भारत है। जनसंख्या की स्थिति जांचें बच्चे। हम घनी आबादी वाला देश हैं। आप जो करते हैं इसे जल्दी छोड़ दें।'

ऐसे लोगों को अपनी लिस्ट से हटा देना चाहिए

सबसे खराब तब होता है, जब वो दिखाई नहीं देते हैं और लेकिन कोई मैसेज भी नहीं भेजते हैं। ऐसे समय के अपराधियों को मुझे अपनी लिस्ट से हमेशा के लिए हटा देना चाहिए। भले ही करण ने किसी का नाम न लिया हो, लेकिन उन्होंने लेटलतीफी और लापरवाही करने वाले लोगों को जमकर खरी खोटी सुनाई है।

यूजर्स बोले- मैसेज किसके बारे में है?

करण के इस पोस्ट पर यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। वो जानना चाहते हैं कि आखिर करण का यह गुस्सा किस पर फूटा है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- आप जिस आदमी पर गुस्सा हो, उसे पर्सनल मैसेज क्यों नहीं कर देते? दूसरे यूजर ने लिखा- 'मैंने सुना है कि शाहरुख अक्सर लेट होते हैं, क्या आप उनके बारे में बात कर रहे हैं?' तीसरे यूजर ने लिखा- आपको उस आदमी को टैग करना चाहिए।

लव अगेन में प्रियंका को मिली एक्टर के बराबर फीस

सिटाडेल के बाद से इक्वल फीस ले रही हूं, उम्मीद नहीं थी यह मुमकिन होगा

सिटाडेल के बाद प्रियंका चोपड़ा को उनकी अपकमिंग फिल्म लव अगेन में भी मेल एक्टर के लिए बराबर की फीस मिली है। सालों से जेंडर पे गैप के विरोध में अपना मत रखती आ रही प्रियंका ने इस बात पर खुशी जाहिर की। प्रियंका ने बताया कि जब उन्हें सिटाडेल में को-स्टार रिचर्ड मैडेन के बराबर फीस मिली तो उन्हें इस बात पर यकीन नहीं हुआ था।

उम्मीद नहीं थी कि यह कभी मुमकिन होगा- प्रियंका

शोंडालैंड को दिए इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा- 'ईमानदारी से कहूं तो मैं बहुत हैरान थी, क्योंकि मैंने इसके बारे में सोचना या फिर बात करना ही छोड़ दिया था। मेरे मेल एक्टर्स को मिलने वाली फीस और मुझे मिलने वाली फीस में बहुत अंतर होता था। मुझे वाकई उम्मीद नहीं थी कि कभी भी लाइफ में यह चीज हो पाएगी।

प्रियंका ने आगे कहा- 'मेरी यूनाइटेड टायलेंट एजेंसी के एजेंट्स ने बताया कि ऐसा मुमकिन है और वो मेरी तरफ से जाकर मेकर्स से बात करेंगे। टीम ने बात की और यह मुमकिन हो गया है। मुझे पहले बहुत ताजुब हुआ। लेकिन बाद में पता चला कि अमेजन स्टूडियो की हेड जेनिफर सल्के खुद एक महिला थीं।'

प्रोजेक्ट्स के लिए एक्टर के बराबर फीस लेंगी प्रियंका

प्रियंका बोलीं- 'जब महिलाएं इंडस्ट्री में बड़े पदों पर होती हैं, तो क्या वो पीछे मुड़कर दूसरी महिलाओं की मदद करती हैं और दूसरी महिलाओं के लिए मौके तैयार करती हैं? मुझे लगता है इसका जवाब है हां। मुझे अब महसूस होता कि मैं काफी आगे निकल चुकी हूं।' लगता है जैसे मैंने कांच की बनी दीवार तोड़कर खुद के लिए रास्ता निकाला है, जो शायद आने वाले एक्टर्स के काम आएगा। लव अगेन और सिटाडेल के बाद मैंने ज्यादातर प्रोजेक्ट्स के लिए बराबर की फीस ली है।

22 सालों बाद मेल को-स्टार के बारबर फीस मिली- प्रियंका

प्रियंका ने अपनी अपकमिंग सीरीज 'सिटाडेल' का प्रमोशन कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने बताया था कि 22 साल के करियर में ये पहली बार है जब उन्हें उनके मेल-को स्टार के बराबर फीस मिली है। इस दौरान उन्होंने बराबर काम करने के बाद भी महिला होने की वजह से कम फीस मिलने और इंडस्ट्री में बढ़ते प्रेशर के बारे में बात की थी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका की वेब सीरीज सिटाडेल 28 अप्रैल को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। साथ ही 12 मई को एक्ट्रेस की फिल्म लव अगेन रिलीज होगी, जिसमें प्रियंका के साथ हॉलीवुड एक्टर सैम ह्यूगन नजर आएंगे।

निक्की तंबोली को अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ मिला बड़ा मौका

दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर की ठगी में अभिनेत्री निक्की तंबोली का नाम भी जुड़ा तो वह अचानक से ज्यादा चर्चा में आ गई। वैसे भी निक्की तंबोली सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और सोशल मीडिया पर उनके कातिलाना अंदाज को उनके फैंस खूब पसंद करते हैं। निक्की तंबोली की इसी महीने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में उन्होंने एक आइटम सांग किया है। इससे पहले इस फिल्म का जिक्र करें, आइए जानते हैं कौन हैं निक्की तंबोली।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 21 अगस्त 1996 को एक मराठी परिवार में जन्मी निक्की तंबोली ने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की। फिल्मों में उनकी शुरुआत साल 2019 में तेलुगु हॉरर कॉमेडी फिल्म 'चिकती गाडिलो चितकोटुडु' से हुई। साउथ में अब तक वह एक्शन हॉरर फिल्म 'कंचना 3' और 'थिप्पारा मीसम' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। निक्की के पिता दिगंबर तंबोली नौकरीपेशा रहे और मां प्रमिला बोधे तंबोली होममेकर हैं। निक्की के छोटे भाई जतिन तंबोली की मृत्यु कोरोना से हुई थी जिसके बाद वह डिप्रेशन में चली गई थी।

साल 2020 में निक्की तंबोली ने रियलिटी शो 'बिग बॉस सीजन 14' में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। निक्की खतरों के 'खिलाड़ी सीजन 11' में भी भाग ले चुकी हैं। कलर्स चैनल के शो 'सिर्फ तुम' के अलावा कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी निक्की तंबोली फिल्म 'जोगीरा सारा रा' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करके बहुत ही ज्यादा उत्साहित हैं। निक्की ने इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ आइटम सांग किया है।

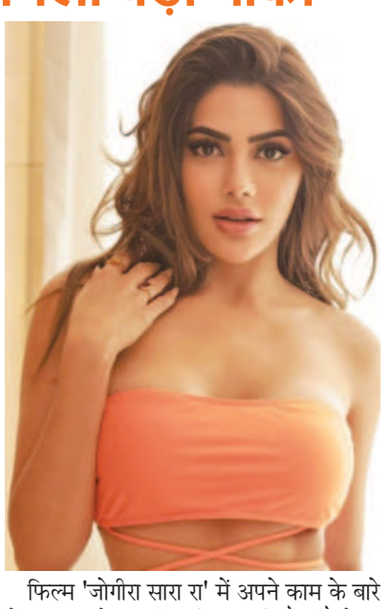

फिल्म 'जोगीरा सारा रा' में अपने काम के बारे में बात करते हुए निक्की कहती हैं, 'मैं बेहद अभिभूत और रोमांचित हूं। अनुभवी अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करना एक अद्भुत अनुभव था। नवाज सर के साथ ऑनस्क्रीन आना, बॉलीवुड में मेरी यात्रा के लिए एक शानदार शुरुआत होगी। यह वास्तव में एक आकर्षक गाना है. जो काफी तेजी से आगे बढ़ेगा और फिर भी मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसक इसे पसंद करेंगे।'

अभिनेत्री निक्की तंबोली अपने बेहतरीन लुक्स और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। फिल्म 'जोगीरा सारा रा' कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है, जिसमें उनका सिजलिंग आइटम सॉन्ग हैं। इससे पहले निक्की तंबोली 'दिल किसी से', 'शांति', 'बाहरी दुनिया', 'नंबर लिख' जैसे कई म्यूजिक वीडियो में परफॉर्म कर चुकी हैं। फिल्म 'जोगीरा सारा रा' 12 मई 2023 को रिलीज होने जा रही है।

'केरल की लड़कियां गोरी नहीं होती' यूजर के इस कमेंट पर भड़की अदा शर्मा, जमकर सुनाई खरी-खोटी

अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'द केरला स्टोरी' को लेकर इन दिनों मीडिया की सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है और तब से फिल्म चर्चा में बनी हुई है। इसके बाद से पोस्ट पर अपना रिएक्शन शेयर करते हुए अदा ने कहा कि मैं अदा शर्मा केरल से हूं। मलयाली लड़कियां हैं साईं पल्लवी, नित्या मेनन। हालांकि बाद में अदा ने अपना कमेंट डिलीट कर दिया था। एक मीडिया संस्थान को दिए गए इंटरव्यू में अदा से पूछा गया कि 32 हजार लड़कियों के गायब होने और धर्मांतरित होने और इस्लामिक राज्यों इराक और सीरिया में शामिल होने के बारे में चर्चा को लेकर क्या सोचती हैं।

इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा कि यह वास्तव में डरावना है और लोग इसे प्रोपोगेंडा का नाम दे रहे हैं। इसके बजाय हम इस बात पर चर्चा करते कि लड़किया गायब है और

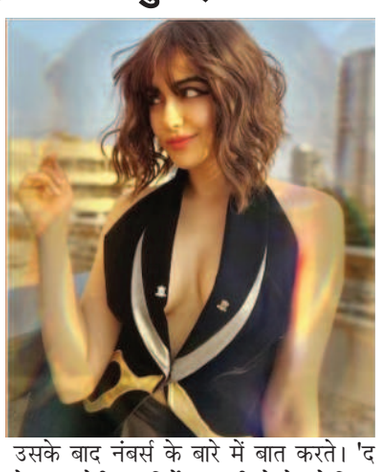

उसके बाद नंबर्स के बारे में बात करते। 'द केरला स्टोरी' का निर्देशन सुदीप्तो सेन ने किया है। फिल्म को 5 मई 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में अदा शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।

कर्ज के फ्लॉप होने पर टूट गए थे ऋषि कपूर

फिल्म 'कर्ज' को ऋषि कपूर की सबसे पॉपुलर फिल्मों में से एक गिना जाता है लेकिन रिलीज होने पर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फेल रही थी। फिल्म के फ्लॉप होने पर ऋषि कपूर सदमे में चले गए थे। अपनी ऑटोबायोग्राफी में दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर ने लिखा कि कर्ज के फ्लॉप होने पर वो इतने गहरे डिप्रेशन में चले गए कि कैमरा तक फेस नहीं कर पा रहे थे।

उन्होंने लिखा कि वो सेट पर कांपने लगते थे। यहां तक कि कभी-कभार बेहोशी की नौबत आ जाती थी। कर्ज की रिलीज के वक्त ही ऋषि की शादी हुई थी। उन्हें लगा कि शादी की वजह से उनकी फैन बेस में कमी आ गई है।

कर्ज से काफी उम्मीदें थी, फ्लॉप होने पर अंदर से टूट गए ऋषि

दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर की बायोग्राफी खुल्लम खुल्ला में काफी सारी ऐसी बातें लिखी हैं, जो उन्होंने ने कभी शेयर नहीं की। फिल्म कर्ज के साथ भी यही वाकया जुड़ा हुआ है। इस फिल्म की बात करते हुए उन्होंने लिखा, 'कर्ज से मुझे काफी उम्मीदें थी। मैंने सोचा कि ये फिल्म मेरे करियर में चमत्कार कर देगी। फिल्म में शानदार म्यूजिक, बेहतरीन स्टारकास्ट थी। फिल्म में सभी ने काफी शानदार काम किया था। मुझे विश्वास था कि फिल्म अच्छा प्रदर्शन करेगी। हालांकि जब ऐसा नहीं हुआ तो मैं अंदर से टूट गया।'

पिता राज कपूर ने मनोचिकित्सक तक को बुला लिया

ऋषि की किताब में लिखे किस्से के मुताबिक कर्ज की रिलीज के बाद वो काफी उदास रहने लगे थे। वो उस वक्त एक साथ चार फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे लेकिन काम में उनका मन नहीं लग रहा था। वो सेट पर जाते तो कैमरे का सामना नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने लिखा, 'मैं मेकअप रूम में जाकर बैठा रहता था। वहां बैठ कर पानी मांगा करता था। मेरे पिता राज कपूर को मेरी सेहत की फिक्र होने लगी। उन्होंने जांच के लिए मनोचिकित्सक तक को बुलाया।'

ऋषि ने फिल्म के हर सीन में अपना बेस्ट दिया था- सुभाष घई

कर्ज की असफलता से ऋषि कपूर अकेले फ्लॉप नहीं थे। फिल्म के डायरेक्टर सुभाष घई भी काफी निराश थे। उन्होंने कर्ज के साथ अपना बैनर लॉन्च किया था। फिल्म के फ्लॉप होने पर उनकी भी प्रतिष्ठा को काफी नुकसान हुआ।

एक पुराने इंटरव्यू में सुभाष घई ने कहा, मुझे पता चला कि डिप्रेशन की वजह से ऋषि कपूर हॉस्पिटल में भर्ती हो गए हैं। उन्होंने फिल्म के हर सीन के लिए कड़ी मेहनत की थी। उन्हें फिल्म पर काफी गर्व था। उन्हें उम्मीद थी कि फिल्म कमाल करेगी। हालांकि फिल्म अपनी लागत की केवल 20% हिस्से के साथ ओपेन हुई। मैंने राज कपूर साहब को बताया कि फिल्म भले ही कामर्शियली सक्सेस न हुई हो लेकिन हमने एक अच्छी फिल्म बनाई है।

'ऐसा लगता जैसे लाइट मेरे ऊपर गिर रही है'

ऋषि ने अपनी किताब में लिखा कि उनकी खराब की वजह सिर्फ कर्ज का फ्लॉप होना था। उन्होंने लिखा- जब मैं अपने दोस्तों के साथ बैठ कर ड्रिंक करता तो सब कुछ सही रहता था। उस वक्त मेरा कॉन्फिडेंस लौट आता था। लेकिन अगले दिन जब सेट पर जाता तो लगता कि सामने वाली बड़ी लाइट मेरे ऊपर आकर गिर रही है। हालांकि धीरे-धीरे ही सही लेकिन मैं इससे निकलने में कामयाब रहा।

'मुसीबत के वक्त सिर्फ सलमान सर ने की मदद' : सूरज

जिया खान बहुत अच्छी लड़की थी, उसने कभी मुझ पर पर्सनली या मीडिया में आरोप नहीं लगाए। उसकी फैमिली में कोई काम नहीं करता था। जिया के पास जब तक पैसे थे तब तक ही उसकी फैमिली साथ थी।

जब जिया को प्यार और हेल्प की जरूरत थी, तब उसके साथ सिर्फ मैं था, उसकी फैमिली नहीं। इसी वजह से उसने सुसाइड किया। उसकी मां कभी अच्छे डॉक्टर के पास लेकर नहीं गईं। वो सिर्फ जिया को काम करने के लिए पुश करती थीं। उन्होंने कभी जिया के मेंटल इलनेस का ख्याल नहीं रखा।

ये बातें हाल ही में कोर्ट से बरी हुए एक्टर सूरज पंचोली ने कही है। उनके ऊपर पिछले 10 साल से एक्ट्रेस जिया खान को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस चल रहा था। 28 अप्रैल को उन्हें इन सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया।

फैसले वाले दिन जज के किसी भी फैसले के लिए तैयार थे सूरज

सूरज ने कहा, 'जजमेंट से एक रात पहले सो नहीं पाया था। इतने सालों में जो झेला था वो सब मेरे मन में था। मैं फिर भी जज के किसी भी फैसले के लिए रेडी था। मैंने पूरा ट्रायल फेस किया है, जिसे किसी ने नहीं देखा था। चाहे मेरी फैमिली ही क्यों न हो। उम्मीद तो थी कि हम कोर्ट से पॉजिटिव रिस्पॉन्स लेकर ही बाहर आएंगे। मेरे खिलाफ इनके पास कुछ था ही नहीं। मुझ पर पूरी तरह गलत केस डाला गया, जिसका सामना करते-करते मेरे 10 साल निकल गए।'

फैमिली से भी ज्यादा सलमान भाई ने मदद की

सूरज से पूछा गया कि फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें किसने सबसे ज्यादा सपोर्ट किया। जवाब में उन्होंने कहा, 'यकीनन सलमान भाई नंबर वन पर थे। जो उन्होंने मेरे लिए किया है, वो किसी ने नहीं किया है। यहां तक कि मेरी फैमिली ने उतना नहीं किया है। इसके अलावा मुझे थोड़ा भूषण कुमार सर, रेमो सर और

अहमद खान सर से सपोर्ट मिला। हालांकि जैसा सपोर्ट प्रोड्यूसर और स्टूडियो को करना चाहिए था, वैसा कोई नहीं कर पाया।'

जहां काम मांगने जाता, सब केस के बारे में पूछने लगते

सूरज ने कहा, 'न सिर्फ प्रोफेशनल फ्रंट पर, बल्कि अपने दोस्तों, फैमिली मेंबर्स या नए लोगों से जब भी मिलता था, मेरे लिए सबका एक ही व्यू प्वाइंट होता था। मैं काम के लिए हर प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और स्टूडियो के यहां गया, मगर उनका एक ही रिप्लाई रहता था कि सूरज आपके केस में क्या हो रहा है? उस वक्त मेरे पास कोई जवाब नहीं होता था। मेरे दोस्त, मेरे फ्रेंड, मेरे स्टाफ सभी पूछते थे कि सूरज आपकी अगली फिल्म कब आ रही है। पर मैं उन्हें क्या जवाब देता। मैं उन्हें क्या कहता कि जब तक मेरे पास कोर्ट से एक क्लीन चिट ना हो तब तक मेरे पर कौन हाथ डालेगा।'

कोई भी कंपनी AD देने को तैयार नहीं थी सूरज ने कहा कि इस केस की वजह से कोई भी कंपनी उनके साथ करार नहीं करती थी। उन्होंने कहा, 'नुकसान एडवर्टाइजमेंट वाले फ्रंट पर भी हुआ। जी हां, एक भी AD देने वाली कंपनियां या फिर एंडोर्समेंट कराने वाले लोग आपको क्यों लेंगे, जब आप पर एक पेंडिंग केस है। मेरा काफी काम इसलिए भी गया, क्योंकि मुझ पर ट्रैवलिंग के भी रिस्ट्रिक्शन थे।'

'सुसाइड नोट जिया ने नहीं उसकी मां ने लिखा था'

सूरज से पूछा गया कि अगर ये केस हाईकोर्ट जाता है, फिर उनका क्या रिएक्शन होगा। जवाब में सूरज ने कहा,'हमने 10 साल इसी पर मेहनत की है। हर एविडेंस का जवाब दिया है। इसका अब कुछ नहीं हो सकता है। कोर्ट में ये साबित हो गया है कि वो सुसाइड नोट जिया ने नहीं बल्कि उसकी मदर ने लिखा था। मेरी तो गुजारिश है कि सबसे पहले ये खबर चलाई जाए कि जिस बेसिस पर मेरी गिरफ्तारी हुई वो बात झूठी थी। इस सुसाइड नोट की वजह से मेरा कंप्लीट टॉर्चर और हैरेसमेंट किया गया।'

हैंडराइटिंग एक्सपर्ट ने किया दूध का दूध पानी का पानी

सूरज ने हैंडराइटिंग वाले मसले को लेट क्यों उठाया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मुझ पर आरोप लगने के 8 साल बाद इस मसले को उठाने का मौका मिला, लेकिन तब तक कोविड आ गया और फिर हम कुछ नहीं कर पाए। रहा सवाल शुरू में इस मुद्दे को उठाने का तो इन्वेस्टिगेशन कैसे की जानी है, वो हमारा कॉल नहीं हो सकता। ये पुलिस एजेंसी का काम है। हां हम अपने बचाव में अपनी बात तब रख सकते हैं, जब केस पर ट्रायल शुरू हो। आरोप लगने के 8 साल बाद मुझे इस केस में कुछ करने का मौका मिला।

10 साल बाद हैंडराइटिंग एक्सपर्ट कह रहे हैं कि वो लिखावट जिया की नहीं थी, बल्कि उनकी मां राबिया खान की थी। तो फिर मुझे अरेस्ट क्यों किया गया? बहरहाल अब कोई भी इंसान हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट चले जाए या उससे ऊपर भी कहीं चले जाए,अब कुछ नहीं हो सकता।'

'जिया अपने घर में अकेली कमाने वाली थी, फैमिली सिर्फ पैसों के लिए साथ थी'

जिया के साथ दोस्ती थी या उससे बढ़कर कुछ था। इसके जवाब में बोलते हुए सूरज ने कहा, 'जिया को मैं सिर्फ 5 महीने से जानता था। उस टाइम पर मैं सिर्फ 20 साल का था। जेहन में ज्यादा कुछ आगे का नहीं था। मेन फोकस करियर पर था। एक दोस्त होने या पार्टनर होने के नाते मुझसे जितना बन पाया, मैंने उसकी मदद की थी।

उस वक्त जिया को बॉयफ्रेंड या दोस्तों की मदद से ज्यादा फैमिली के सपोर्ट की जरूरत थी। लेकिन फैमिली कभी उसके साथ नहीं रही। जिया जब तक पैसे कमाती रही, तब तक उसकी फैमिली उसके साथ रही। 5 लोग की फैमिली में उसके अलावा कोई कमाने वाला नहीं था। जब उसे प्यार और मदद की जरूरत थी, तो वहां सिर्फ मैं मौजूद था।'

वजन कम करने के लिए बदलें नाश्ते का समय, घट सकती है पेट की चर्बी

पेट की चर्बी अधिक होने या वजन बढ़ने पर लोग परेशान हो जाते हैं। बढ़ा हुआ वजन कई तरह की बीमारियों की वजह बनता है, वहीं मोटापे के कारण लोगों में आत्मविश्वास की कमी भी आती है। हर कोई इन दिनों पतला और सेहतमंद दिखना चाहता है। लेकिन आजकल की लाइफस्टाइल, खानपान के कारण न चाहते हुए भी लोगों का वजन बढ़ने लगता है और बेली फैट दिखने लगता है। लोग वजन कम करने और शरीर की अधिक चर्बी को घटाने के लिए योग, एक्सरसाइज और डाइट आदि कई सारे प्रयास करते हैं। नियमित योगाभ्यास या एक्सरसाइज का कुछ असर भी दिखता है।

वजन काफी हद तक कम होता है लेकिन अगर आप एक्सरसाइज या योग करना छोड़ देते हैं तो दोबारा वजन बढ़ सकता है। विशेषज्ञ के मुताबिक, नाश्ते के समय में बदलाव करके लोग लगभग पांच किलो तक वजन कम कर सकते हैं। चलिए जानते हैं वजन कम करने के लिए किस समय करें ब्रेकफास्ट।

नाश्ता करने का सही समय

पहले लोगों की सुबह जल्दी होती थी और सूरज डूबने के बाद अंधेरा होते ही रात हो जाया करती थी। इसलिए लोग सुबह जल्दी ब्रेकफास्ट और सूरज ढलने तक रात का डिनर कर लिया करते हैं। रात के खाने और सुबह के नाश्ते के बीच लंबा अंतराल होता था। विशेषज्ञ के मुताबिक, डिनर और ब्रेकफास्ट के बीच कम से कम 14 से 16 घंटे का गैप होने से लोग स्वस्थ और फिट रहते हैं।

डिनर और ब्रेकफास्ट के बीच गैप

हालांकि आज के बदलते और बिगड़े लाइफस्टाइल में लोगों के खाने पीने का समय भी बिगड़ गया है। लोग देर रात तक जागते हैं और कुछ न कुछ खाते पीते रहते हैं। वहीं सुबह कॉलेज या ऑफिस के कारण या तो बिना रास्ता किए बाहर निकल जाते हैं या फिर सुबह ही कुछ खा लेते हैं। ऐसे में उनके डिनर और ब्रेकफास्ट के बीच में गैप नहीं होता। जिसके कारण बैली फैट बढ़ने लगता है।

क्या है इंटरमिटेंट फास्टिंग

विशेषज्ञों लोगों को इंटरमिटेंट फास्टिंग की सलाह देते हैं। इसमें रात के खाने और सुबह के ब्रेकफास्ट के बीच अधिक गैप देना होता है। इसके लिए एक्सपर्ट कहते हैं कि नाश्ते का समय बदलकर सुबह 11 बजे करें। किंग्स कॉलेज लंदन के जेनेटिक एपिडेमियोलॉजी के प्रोफेसर का कहना है कि वजन घटाने के लिए 11 बजे तक नाश्ता नहीं करना चाहिए।

14 घंटे करें फास्टिंग

एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया कि रात का डिनर जल्दी करके आप सुबह के नाश्ते में कम से कम 14 घंटे का उपवास रखें। अगर डिनर का समय रात के 8 या 9 बजे हैं तो सुबह नाश्ते का समय 11 बजे कर रखें। अगर आप सुबह का नाश्ता इतना लेट नहीं करना चाहते तो शाम में 6-7 बजे तक डिनर कर लें। कुल मिलाकर आपको लगभग 14 घंटे का व्रत रखना है। इससे आपका वजन बढ़ने से नियंत्रित रहता है और शरीर डिटॉक्स होता है।

हाथ हो गए हैं धूप से टैन तो ये स्क्रब आएंगे काम

गर्मियों के दौरान टैन होना आम बात है। खासतौर पर हाथों पर टैनिंग सबसे ज्यादा होती है। इसका कारण हाथों को कवर न करना है। टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप वैक्सिंग या डी टैन करवाती होंगी? इन ट्रीटमेंट में काफी पैसे खर्च हो जाते हैं। स्क्रबिंग करने से डेड स्किन रिमूव होती है, त्वचा ब्राइट हो जाती है। ऐसे में आप हाथों की टैनिंग को रिमूव करने के लिए भी स्क्रब का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको बाजार से स्क्रब खरीदने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको घर पर ही स्क्रब बनाने का तरीका बताएंगे। साथ ही कैसे आप इनका इस्तेमाल कर सकती हैं।

चावल का आटा आएगा काम

क्या चाहिए?

2 चम्मच चावल का आटा
कच्चा दूध
क्या करें?

आप चावल का आटा घर पर बना भी सकती हैं या फिर बाजार से खरीद लें।

2 चम्मच चावल के आटे में कच्चा दूध मिलाएं।

दूध की मात्रा का इस हिसाब से इस्तेमाल करें कि यह थिक पेस्ट में बदल जाए।

अब इसे मिक्स कर लें और लीजिए बन गया टैनिंग रिमूवल स्क्रब।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस स्क्रब को हाथों पर अच्छे से लगा लें।

कुछ देर रगड़ें और फिर पानी से हाथों को साफ कर लें।

हफ्ते में 2-3 बार चावल के आटे से बने इस स्क्रब का उपयोग करने से टैनिंग हट जाएगी।

ओट्स से करें टैनिंग दूर

ओट्स त्वचा को एक्सफोलिएट करने का काम करता है। वहीं, शहद स्किन को मॉइश्चराइज रखता है। इन दोनों के उपयोग से आप हाथों की टैनिंग से निजात पा सकती हैं।

क्या चाहिए?

2 चम्मच गुनगुना दूध
2 चम्मच ओट्स
1 चम्मच शहद
क्या करें?

सबसे पहले दूध को गर्म कर लें

अब ओट्स को मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें।

2 चम्मच ओट्स में गुनगुना दूध मिलाएं और इसे मिक्स कर लें।

अब इसमें 1 चम्मच शहद मिलाकर दोबारा सभी चीजों को मिक्स कर लें।

लीजिए तैयार है टैनिंग को रिमूव करने के लिए स्क्रब।

कैसे करें इस्तेमाल?

इस स्क्रब को हाथों पर लगाएं और कुछ देर रब करें।

रब करने के बाद स्क्रब को हाथों पर ही लगा रहने दें।

अब दोबारा रब करके पानी से हाथों को अच्छे से धो लें।

हफ्ते में दो से तीन बार इस स्क्रब के इस्तेमाल से हाथों की टैनिंग से छुटकारा मिल जाएगा।

इन बातों का रखें ध्यान

आपके हाथ टैन न हो, इसके लिए आपको हमेशा सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए। केवल एक बार सनस्क्रीन लगाने से आपका काम पूरा नहीं होगा। दिन में कम से कम दो से तीन बार सनस्क्रीन का उपयोग करें। घर से निकलने से करीब आधे घंटे पहले सनस्क्रीन लगाना चाहिए, ताकि यह त्वचा में आसानी से अब्जॉर्ब हो जाए। इसके साथ ही सनस्क्रीन के एसपीएफ को भी अपग्रेड करते रहना चाहिए।

जब भी आप धूप में कहीं बाहर निकल रही हैं तो हाथों को कवर करना न भूलें। ऐसा करने से हाथ टैन नहीं होंगे।

यह जरूरी नहीं कि अगर आपके हाथ टैन हो तभी आप त्वचा को एक्सफोलिएट करें। हफ्ते में दो बार आप अपने हाथों को स्क्रब कर सकती हैं।

संतरे से कम हो सकते हैं चेहरे पर मौजूद पिंपल्स के दाग-धब्बे

त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी होता है और इस बात को हम सभी काफी अच्छी तरह से जानते हैं। वहीं प्रदूषण और रोजाना की भागा-दौड़ी के कारण हमारे चेहरे पर पिंपल्स और एक्ने हो जाते हैं। यह एक्ने और पिंपल्स हमारी खूबसूरती को फीका कर देते हैं।

बता दें कि आप एक्ने और पिंपल्स के दाग-धब्बों को हटाने के लिए घर में मौजूद चीजों का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। घर में मौजूद चीजों की बात करें तो बता दें कि आप संतरे की मदद से इन दाग-धब्बों को कम कर सकती हैं और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। तो आइये जानते हैं कैसे करें संतरे का चेहरे का इस्तेमाल और बताएंगे चेहरे पर इन घरेलू चीजों के फायदे।

आवश्यक सामग्री

संतरे के छिल्के
कच्चा दूध
शहद

संतरे के फायदे

संतरे में भरपूर मात्रा में विटामिन-सी मौजूद होता है जो त्वचा को ग्लोइंग बनाने में मदद करता है। इसमें मौजूद तत्व त्वचा पर डार्क स्पॉट्स को कम कर नेचुरल ग्लो लाने में मदद करते हैं। साथ ही संतरा त्वचा को मुलायम रखने के काम आता है।

शहद के फायदे

एक स्टडी में बताया गया है कि त्वचा को नैचुरली एक्सफोलिएट करने के लिए शहद बेहद फायदेमंद होता है। इससे आपके चेहरे में मौजूद पोर्स क्लीन होते हैं।चेहरे की त्वचा को मुलायम रखने में शहद बेहद मददगार साबित होता है। साथ ही यह स्किन को मॉइस्चराइज करने

के लिए मदद करता है।

कच्चे दूध के फायदे

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बों को कम करने के लिए कच्चा दूध बेहद फायदेमंद होता है।यह आपकी त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन-ए होता है। बता दें कि कच्चा दूध त्वचा को नमी देने का काम भी करता है।

कैसे करें इस्तेमाल?

चेहरे के दाग-धब्बों को कम करने के लिए सबसे पहले एक बाउल में करीब 2 संतरों के छिल्कों को पीसकर डालें। इसे पीसने के लिए आप मिक्सर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके बाद आप इसमें करीब 2 से 4 चम्मच कच्चा दूध और करीब 2 चम्मच शहद की डालें। इन दोनों को अच्छी तरह से मिलाएं। फेस पैक को ब्रश की मदद से अपने चेहरे पर लगाएं। इसे कम से कम 15 से 20 मिनट तक इसे लगा रहने दें। आप इस फेस पैक को आंखों से दूर रखें। इसके बाद साफ पानी और कॉटन की मदद से चेहरे को अच्छी तरह से धो लें।

इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में कम से कम 2 बार कर सकती हैं।

लगातार इसके इस्तेमाल से आपके चेहरे पर मौजूद पिंपल्स के दाग-धब्बे हो सकते हैं और चेहरा निखरा और साफ नजर आएगा।

कटे फलों पर नमक या शक्कर डालकर खाना हानिकारक, सेहत को हो सकता है नुकसान

क्या आपने गर्मियों में तरबूज पर नमक छिड़क कर या अमरूद पर चाट मसाला मिलाकर खाया है? खरबूजे में चीनी मिलाकर स्वाद लिया है? अक्सर लोग ताजे फलों को काटकर खाते हैं या उनका सलाद बनाते हैं। फ्रूट सलाद बनाने के लिए कटे हुए फलों पर लोग चाट मसाला या नमक छिड़कते हैं। इससे फल का स्वाद बढ़ जाता है। घर पर प्याज, खीरा आदि भी काटकर सलाद बनाते हैं और उसमें नमक मिलाते हैं। कई बार फल की मिठास को और बढ़ाने के लिए लोग कटे फलों में चीनी मिला लेते हैं। अगर आपको भी कटे फलों में ऊपर से शक्कर, नमक या चाट मसाला डालकर खाना पसंद है तो सावधान हो जाइए।

इस तरह के फलों का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। फल के सेवन का सही तरीका जानें ताकि सेहत पर बुरा असर न पड़े।

फल में नमक मिलाकर खाने के नुकसान

विशेषज्ञों के मुताबिक, कटे फल पर नमक छिड़कने पर वह पानी छोड़ने लगता है। इस से फल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स खत्म हो जाते हैं। वहीं नमक या चाट मसाले में मौजूद सोडियम किडनी पर असर करता है। अगर आप नमक के साथ चाट मसाला भी मिलाते हैं, तो शरीर में सोडियम की मात्रा ज्यादा हो जाती है, क्योंकि चाट मसाले में भी नमक होता है।

फल में शक्कर मिलाकर सेवन के नुकसान

फल में प्राकृतिक मिठास होती है। फलों में ग्लूकोज भी पाया जाता है, जो कैलोरी बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप कटे फलों में ऊपर से चीनी मिलाते हैं, जो शरीर में मिठास की मात्रा अतिरिक्त हो जाती है। इससे डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। अतिरिक्त शर्करा से वजन भी बढ़ता है। जो मरीज मधुमेह से पीड़ित हैं उनके लिए फलों में ऊपर से चीनी मिलाकर खाना नुकसानदायक हो सकता है।

फल खाने का तरीका

फलों के सेवन का एक सही तरीका होता है। अक्सर लोग खाने के साथ ताजे फलों का बना सलाद खाते हैं। भारतीय भोजन में कार्ब और कैलोरी भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन जब हम भोजन के साथ फल का सेवन करते हैं तो कार्ब और कैलोरी बढ़ जाती है। ऐसे में भोजन में कार्ब की मात्रा को कम करके फल साथ में खा सकते हैं। वरना खाना और फल को एक साथ मिक्स करके न खाएं।

सिरोसिस क्या है, इसके लक्षण, कारण और इलाज

लिवर सिरोसिस एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है. इस गंभीर स्थिति की वजह से लिवर से जुड़ी कई तरह की बीमारियां और स्थितियां पैदा हो सकती हैं. इन बीमारियों और स्तिथियों में हेपेटाइटिस और क्रोनिक एल्कोहॉलिज्म जैसी स्थितियां शामिल हैं. जब भी लिवर को नुकसान पहुंचता है तो वह अपने आप को ठीक करने के लिए बड़ी मेहनत करता है. फिर चाहे यह नुकसान शराब के अधिक सेवन से पहुंचा हुआ हो या किसी तरह के इंफेक्शन या संक्रमण की वजह से. किसी इंफेक्शन या बीमारी से उबरने की प्रोसेस के दौरान स्कार टिश्यू पनपते हैं. सिरोसिस जैसे-जैसे की स्थिति गंभीर होती है, वैसे-वैसे और ज्यादा स्कार टिश्यू बनते हैं. इन स्कार टिश्यू की वजह से लिवर के काम में बाधा आती है. एडवांस सिरोसिस की स्थिति घातक हो सकती है.

सिरोसिस की वजह से जब लिवर को नुकसान पहुंचता है, तो उसे वापस ठीक नहीं किया जा सकता. अगर लिवर सिरोसिस की पहचान समय से हो जाए और उसके कारणों का इलाज कर दिया जाए तो लिवर को होने वाले अतिरिक्त नुकसान से बचा जा सकता है. कुछ कम ही मामलों में लिवर को हुए नुकसान की भरपाई भी हो सकती है.

सिरोसिस के लक्षण

आमतौर पर सिरोसिस के लक्षण

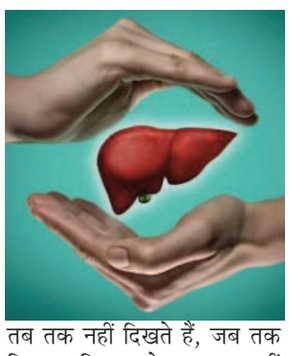

तब तक नहीं दिखते हैं, जब तक कि यह लिवर को नुकसान नहीं पहुंचा देता. जब भी सिरोसिस के लक्षण दिखते हैं तो वह निम्न कुछ हो सकते हैं –

थकावट महसूस होना
आसानी से खून बहना या खरोंच लगना
भूख कम लगना
जी मिचलाना
पैरों और टखनों में सूजन होना
वजन घटना
त्वचा में खुजली होना
त्वचा और आंखों में पीलापन आना या पीलिया होना
पेट में पानी जमा होना इसे जलोदर यानी , जलोदर यानी ascites कहा जाता है
त्वचा पर मकड़ी तरह रक्त वाहिकाएं नजर आना
हथेलियों और हाथों पर लालिमा
नाखून पीले पड़ना, खासतौर पर अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के नाखून
उंगलियों का मुड़ना, जिसमें उंगलियों के सिरे साधारण से ज्यादा गोल दिखते हैं
महिलाओं में मासिक धर्म न आना विशेषतौर पर जब यह मैनोपॉज से संबंधित न हो
पुरुषों में सेक्स के प्रति इच्छा कम होना, अंडकोष का सिकुड़ना, ब्रेस एंलार्जमेंट (गायनेकोमास्टिया)
भ्रम, उनींदापन और बोलने में दिक्कत होना

सिरोसिस के कारण

कई तरह की बीमारियां और स्वास्थ्य से जुड़ी स्थितियां लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं और सिरोसिस का कारण बन सकती हैं. सिरोसिस के कुछ कारण हम यहां बता रहे हैं –

लंबे समय तक शराब का सेवन करना

वायरल हेपेटाइटिस से पीड़ित होना (हेपेटाइटिस बी, सी और डी)

नॉनएल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज. यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें लिवर में फैट जमा हो जाता है. हेमोक्रोमैटोसिस . यह एक ऐसी स्थिति है, जिसके कारण शरीर में आयरन बिल्डअप होने लगता है

ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस, हमारे शरीर के ही इम्यून सिस्टम की वजह से होने वाली लिवर की बीमारी. प्राइमरी बाइलियरी कोलंजाइटिस की वजह से बाइल डक्ट्स को नुकसान पहुंचना

प्राइमरी स्क्लेरोसिंग कोलंजाइटिस के कारण बाइल डक्ट्स का सख्त होना या स्कारिंग होना.

सिरोसिस का निदान

अगर कोई व्यक्ति लिवर सिरोसिस से पीड़ित है तो शुरुआती दौर में उसे कोई लक्षण महसूस नहीं होते. आमतौर पर सिरोसिस के बारे में सबसे पहले रुटीन ब्लड टेस्ट या चेकअप के दौरान पता चलता है. निदान के बारे में कंफर्म करने के लिए कुछ लैब टेस्ट और स्कैन (सीटी स्कैन) की मदद ली जा सकती है. आपके डॉक्टर आपको निम्न कुछ टेस्ट करने का सुझाव दे सकते हैं, जिससे आपके लिवर की सही-सही स्थिति के बारे में उन्हें पता चल सके.

लैब टेस्ट – डॉक्टर लिवर में होने वाले किसी भी तरह के मलफंक्शन की जांच के लिए ब्लड टेस्ट करवा सकते हैं. इसमें वह हाइ बिलिरुबिन लेवल और कुछ एंजाइम की जांच कर सकते हैं. किडनी फंक्शन के बारे में जानने के लिए डॉक्टर क्रेटिनिन लेवल भी चेक कर सकते हैं. ब्लड टेस्ट की जरिए सिरोसिस की गंभीरता का भी पता लगाया जा सकता है.

इमेजिंग टेस्ट – डॉक्टर आपको एमआरई कराने की सलाह दे सकते हैं. यह इमेजिंग टेस्ट लिवर की सिकुड़न को भी पकड़ सकते हैं. इसके लिए एमआरआई, सीटी और अट्रासाउंड करवाए जा सकते हैं.

बायोप्सी – समस्या के निदान के लिए बायोप्सी आवश्यकता हो यह जरूरी नहीं. लेकिन आपके डॉक्टर बायोप्सी करवा सकते हैं, ताकि पता लगाया जा सके कि लिवर को कितना नुकसान पहुंचा है.

वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए?

प्रश्न. मेरी उम्र 38 वर्ष है। डायबिटीज का रोगी हूं। अंग्रेजी दवाई चल रही है फिर भी रक्त शर्करा नियंत्रण में नहीं आती। क्या करू उपाय बताएं.

– मल्लिकार्जुन रेड्डी, करीमनगर

उत्तर. जीवन शैली में परिवर्तन और अनुवांशिकता के कारण दिनोदिन मधुमेहियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तेलंगाना में हर पांच सौ आदमी मधुमेह से पीड़ित है। आराम पसंद जीवन या फिर हमेशा तनावग्रस्त रहना दोनों स्थितियों में प्रमेह रोग उत्पन्न हो जाता है। आप अभी जो अंग्रेजी दवाइयां ले रहे हैं उन्हें तुरंत ना रोके। उनके साथ ही आयुर्वेदिक दवाइयां प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे अंग्रेजी दवाइयों को हटाया जा सकता है।

आप उंझा जंब्रोस टिकिया दो दो गोली सुबह दोपहर शाम भोजन पूर्व लेवे। भोजन के बाद ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं उंझा आरोग्यवर्धिनी वटी की एक-एक गोली ले ले। भोजन में मीठा व मिठाई बंद कर दे। हर रोज पैदल चले कसरत करें। दिवाशयन से बचे। आराम पसंद जीवन का त्याग करें स्वेद बहाएं। थोड़े ही दिनों में आपकी रक्त शर्करा सामान्य होकर मधुमेह नियंत्रण में आ जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। रात में कम दिखाई देता है। आँख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं। क्या इसका आयुर्वेद में इलाज है?

– श्रीमती मालविका शर्मा, वरंगल

उत्तर : रात में कम दिखलाई देना या नहीं दिखाई देना ' रतौंधी ' कहलाता है । ऐसी स्थिति जीवनीय तत्व ' ए ' की कमी से उत्पन्न होती हैं। आहार में जीवनीय तत्वों की कमी, लंबे समय तक अपच की स्तिथि, बार बार रेचक (जुलाब) लेने की आदत के चलते ऐसी

हालत हो सकती है। जीवनीय तत्व ' ए ' की कमी अक्सर बड़ी उमरवालो या बच्चों में ही होती है। इसकी कमी से आँख की झिल्ली पर सफेद दाग जिन्हे ' बिटोट स्पॉट ' कहते है - पनप सकते है। इलाज नहीं किए जाने पर अंधेपन का खतरा बना रहता है।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। सुबह शाम गाय के गुनगुने दूध में त्रिफला घृत मिलाकर (मात्रा -३ से ५ ग्राम) पीने से जल्दी ही लाभ होता है। इसी दूध के साथ ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया देवे। दूध, घी, मक्खन आदि का प्रयोग करें। नित्य गाजर व चुकुंदर के ५० मिलीलीटर रस में १० मिलीलीटर शहद मिलाकर पीने से जीवनीय तत्वों के अभाव की पूर्ति होती है। सभी प्रकार के पीले फल (उदाहरण : आम, पपीता, संतरा, मौसमी, अमरूद आदि) भरपूर मात्रा में पोषक तत्वों। के संग विटामिन ए भी पहुंचाते हैं। यह औषधि क्रम ६ से ८ सप्ताह तक धैर्यपूर्वक चालू रखें। इससे अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए?

– जगदीश वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : व ज न व यों कारणों से बढ़ा है - सबसे पहले यह जानना जरूरी है ।अनुवांशिक कारणों से बड़ी स्थूलता को कम करना मुश्किल है। कोई औषध सेवन से अचानक बढ़ी स्थूलता को धीरे- धीरे कम किया जा सकता है। एनाबालिक स्टिराइड्स भी मोटापा बढाते हैं। आरामपसंद जीवन और चर्बी वाले आहार इसमें योगदान देते हैं।

व्यक्ति विशेष क्या काम करता है उसका शरीर से कितना परिश्रम होता है- यह जानने पर उसे क्या क्या खाना चाहिए, तय किया जा सकता है। कम भोजन या संतुलित भोजन व अधिक मेहनत वाले काम करने से ही वजन में कमी आ सकती है । चीनी, मक्खन , तले पदार्थ व शराब का सेवन न करें। गाजर, मूली, सलाद कच्चे फल व हरी सब्जियां अधिक मात्रा में लेने। रोज कसरत करेंन। सुबह टहलने की आदत डालें। भोजन के तुरंत बाद पानी पीना बंद करें।

औषध में ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु - भोजन के आधा घंटे पहले गुनगुने पानी से लें । भोजन के बाद वृक्षाम्ला केप व ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टिकिया लेवें। भोजन के बाद ही ऊंझा कुमारीआसव, लोहासव व रोहितकासव प्रत्येक की 10-10 मिली लीटर दवा को दोगुनी पानी में मिलाकर सेवन किया करें। कसरत व औषध सेवन दो मंडल (80 दिन) तक लागू रखें।हर हालत में बढा हुआ वजन व शरीर की स्थूलता कम होने लगेगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

आज से 6 बड़े बदलाव

कॉमर्शियल सिलेंडर 171.50 रु. सस्ता, स्पैम कॉल और एसएमएस बंद; एटीएम ट्रांजैक्शन फेल होने पर चार्ज

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। 1 मई से आपकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी कई चीजें बदल गई हैं। आज से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 171.50 रुपए सस्ता हो गया है। स्पैम कॉल से भी छुटकारा मिलने जा रहा है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक ने एटीएम ट्रांजैक्शन के नियमों में बदलाव किया है। इसके अलावा टाटा की कारें अब महंगी मिलेंगी। हम आपको 1 मई से हुए 6 बड़े बदलावों के बारे में बता रहे हैं।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सस्ता

दिल्ली में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 2028 रुपए की जगह 1856.50 रुपए में मिल रहा है। कोलकाता में दाम 2132 रुपए से घटकर 1960.50 रुपए हो गए हैं। मुंबई में ये 1980 रुपए की जगह 1808.50 रुपए में मिल रहा है। चेन्नई में सिलेंडर 2021.50 रुपए में मिल रहा है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से पिछले महीने यानी 1 अप्रैल को भी कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 92 रुपए की कटौती की गई थी। हालांकि इससे पहले 1 मार्च को 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में 350.50 रुपए का इजाफा किया गया था।

वहीं घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम वाला) के दाम 1103 रुपए पर बने हुए हैं। मार्च के महीने में आखिरी बार घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिला था। तब पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू एलपीजी के दाम में 50 रुपए का इजाफा किया था।

प्रमुख शहरों में घरेलू LPG गैस सिलेंडर की कीमतें

शहर	दाम (रुपए में)
दिल्ली	1103
मुंबई	1102.50
कोलकाता	1129
चेन्नई	1118.50
जयपुर	1106.50
भोपाल	1108.50
रायपुर	1174
चंडीगढ़	1112.50
पटना	1201

अनचाहे कॉल-मैसेज अब नहीं आएंगे

देश की तीनों प्रमुख नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने स्पैम कॉल रोकने के लिए अपने सिस्टम में फिल्टर लगा लिए हैं। कंपनियों का दावा है कि AI की मदद से स्पैम मैसेज और कॉल्स नेटवर्क पर ही ब्लॉक हो जाएंगे।

सरल शब्दों में कहें तो अब तक हमें कॉल आने के बाद पता चलता था कि यह स्पैम कॉल है। फिर हम उसे ब्लॉक करते थे। अब वह नेटवर्क पर पहले ही ब्लॉक हो जाएंगे और कॉल हम तक नहीं पहुंचेंगे। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ने कंपनियों को 30 अप्रैल की डेडलाइन दी थी।

टाटा की गाड़ियां खरीदना महंगा

टाटा मोटर्स ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतों इजाफा किया है। कंपनी ने अपनी सभी गाड़ियों की कीमतों में औसतन 0.6% की बढ़ोतरी की है। 2023 में यह दूसरी बार है जब टाटा ने कीमतें बढ़ाई हैं। इससे पहले बढ़ती इनपुट लागत के कारण जनवरी में कीमत 1.2% बढ़ा दी थी।

एटीएम ट्रांजैक्शन नियम में बदलाव

पीएनबी यानी पंजाब नेशनल बैंक ने एटीएम से ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। इसके अनुसार केवाईसी से पैसे निकालते वक्त अगर आपके अकाउंट में पर्याप्त बैलेंस नहीं होने के कारण ट्रांजैक्शन फेल हो जाता है तो 10 रुपए चार्ज देना होगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए केवाईसी जरूरी

सेबी ने म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा कि वो ये सुनिश्चित करें कि निवेशक, उसी ई-वॉलेट का इस्तेमाल म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए करें, जिसका केवायसी केवाईसी पूरा हो। यानी अब निवेशक केवाईसी वाले ई-वॉलेट से ही निवेश कर सकते हैं। केवाईसी के लिए आपको अपना पैन नंबर, मोबाइल नंबर और बैंक की डिटेल्स देनी होती हैं। डिटेल्स के साथ KYC के लिए एक फॉर्म भरना होता है।

रिलायंस कैपिटल के अधिग्रहण के लिए विदेश से 50 हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। हिंदुजा समूह की शाखा, इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड (आईआईएचएल)को हाल ही में संपन्न नीलामी में रिलायंस कैपिटल के अधिग्रहण के लिए लिए प्रमुख विदेशी उधारदाताओं से 50 हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव मिला है। कुछ प्रमुख बैंक और वित्तीय संस्थान जिन्होंने आईआईएचएल को वचनबद्धता पत्र दिया है, उनमें जेपी मॉर्गन, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, बार्कलेज, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, वर्डे पार्टनर्स, और फरलॉन कैपिटल शामिल हैं।

आईआईएचएल ने ऋण और इक्विटी के संयोजन के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये के रिलायंस कैपिटल अधिग्रहण को निधि देने की योजना बनाई है। ऋण इक्विटी अनुपात 80:20 होने का अनुमान है। आईआईएचलएल रिलायंस कैपिटल के लिए 10,000 करोड़ रुपये की पेशकश कर रहा है, जबकि कंपनी का परिसमापन मूल्य (एलवी) और उचित मूल्य (एफवी) क्रमशः 13,000 और 17,000 करोड़ रुपये आंका गया है। अधिग्रहण लागत और रिलायंस कैपिटल के उचित मूल्य में भारी अंतर हिंदुजा समूह और उधारदाताओं के लिए भी सौदा अत्यधिक आकर्षक बनाता है।

मॉरीशस स्थित आईआईएचएल, हिंदुजा समूह की होल्डिंग निवेश शाखा है, जिसका मुख्यालय यूके में है। अशोक पी. हिंदुजा आईआईएचएल के अध्यक्ष हैं। कई क्षेत्रों और कंपनियों में विभिन्न निवेशों के अलावा, आईआईएचल के पास समूह के स्वामित्व वाले इंडसइंड बैंक में 12.58 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है। लगभग 88,000 करोड़ रुपये के मौजूदा बाजार पूंजीकरण पर, इंडसइंड बैंक में आईआईएचल की हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 11,000 करोड़ रुपये अनुमानित है। 22,00 करोड़ रुपये के शुद्ध संपत्ति मूल्य के साथ आईआईएचएल ने आईटी, आवास ऋण, वाहन वित्त और मीडिया सेवाओं सहित सेवाओं और क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में निवेश किया है।

फोर्ब्स की 2022 की रेटिंग के अनुसार, 1.24 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ हिंदुजा बंधु आठवें सबसे अमीर भारतीय हैं। समूह के पास ऑटोमोटिव, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, मनोरंजन और संचार, इंफ्रास्ट्रक्च र प्रोजेक्ट, विकास, तेल और स्पेशलिटी केमिकल्स, पावर, रियल एस्टेट और हेल्थकेयर के क्षेत्र में कारोबार कई महाद्वीपों में फैले हुए हैं। समूह में लगभग 2,00,000 लोग कार्यरत हैं और दुनिया के कई प्रमुख शहरों में इसके कार्यालय हैं।

द संडे टाइम्स यूके रिच लिस्ट 2022 ने हिंदुजा परिवार को ब्रिटेन के सबसे धनी लोगों की रैंकिंग दी है।

सरकार ने 14 मोबाइल ऐप्स पर लगाया बैन

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार 14 मोबाइल एप्लिकेशन ब्लॉक करने जा रही है। पाकिस्तान में छिपे आतंकी इन ऐप्स का इस्तेमाल कश्मीर में अपने सपोर्टर्स और ऑन-ग्राउंड वर्कर के साथ कम्युनिकेशन के लिए कर रहे थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है।

केंद्र जिन ऐप्स पर बैन लगा रही है उनमें क्रीपवाइजर, एनिग्मा, सेफस्विस, विकरमे, ब्रायर, बीचैट, मीडियाफायर, नंदबॉक्स, कॉनियन, आईएमओ, एलिमेंट, सेकेंड लाइन, जांगी और थ्रेमा शामिल हैं। इसमें से कुछ ऐप्स गूगल प्लेस्टोर पर भी मौजूद है।

यूजर्स की पहचान को गुमनाम रखते थे ऐप्स

एजेंसियां आतंकियों के आपस में कम्युनिकेशन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चैनलों पर नजर रखती हैं। एक बातचीत को ट्रैक करते समय एजेंसियों को ऐसे ऐप्स के बारे में पता चला। इनमें से ज्यादातर ऐप्स को यूजर्स को गुमनामी (एनॉनिमिटी) देने के लिए डिजाइन किया गया था। इनके फीचर्स की वजह से एजेंसियों को इन यूजर्स तक पहुंचने में मुश्किल हो रही थी। एजेंसियों ने कई मौकों पर ऐप मैनेजमेंट से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन भारत में इसका कोई ऑफिस नहीं था। एक इन ऐप्स को IT एक्ट 2000 के सेक्शन 69A के तहत ब्लॉक किया गया है।

जेपी मॉर्गन ने खरीदा अमेरिका का फर्स्ट रिपब्लिक बैंक

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी ने अमेरिका के संकटग्रस्त फर्स्ट रिपब्लिक बैंक का अधिग्रहण कर लिया है। बैंक को बचाने के सभी प्रयासों के विफल होने के बाद ऐसा किया जा रहा है। संकट में फंसने के बाद बैंक को रेगुलेटर्स ने अपने कब्जे में ले लिया था। ये अधिग्रहण जेपी मॉर्गन को और भी बड़ा बना देगा। वो पहले से ही देश का सबसे बड़ा बैंक हैं।

8 राज्यों में फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के 84 ऑफिस जेपी मॉर्गन चेस बैंक की ब्रांच के रूप में फिर से खुलेंगे। ऑल फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के डिपॉजिटर जेपी मॉर्गन चेस बैंक, नेशनल एसोसिएशन के डिपॉजिटर बन जाएंगे। डिपॉजिटर्स अपने अकाउंट को एक्सेस कर पाएंगे। यानी ग्राहकों का पैसा पूरी तरह सुरक्षित है। इस डील की घोषणा अमेरिकी बाजारों के

खुलने से कुछ घंटे पहले की गई है। अमेरिकी रेगुलेटर का अनुमान है कि उसके इंश्योरेंस फंड को फर्स्ट रिपब्लिक के नुकसान को कवर करने के लिए करीब 13 अरब डॉलर का भुगतान करना होगा।

कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल प्रोटेक्शन एंड इनोवेशन ने कहा कि जेपी मॉर्गन फर्स्ट रिपब्लिक के सभी एसेट का अधिग्रहण करेगा। 13 अप्रैल 2023 तक फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के कुल एसेट लगभग 229.1 बिलियन डॉलर और कुल जमा राशि 103.9 बिलियन डॉलर थी। जेपी मॉर्गन सिटीजन फाइनेंशियल ग्रुप, पीएमसी और फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप के साथ बैंक के लिए बोली लगाने वालों में शामिल थे। जेपी मॉर्गन और फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कार्पोरेशन सिंगल फैमिली और कॉमर्शियल लोन्स के लॉसेज के साथ-साथ रिकवरी को भी शेयर करेंगे।

फर्स्ट रिपब्लिक के शेयर 97% से ज्यादा टूटे 1985 में बना फर्स्ट रिपब्लिक बैंक अमेरिका का 14वां सबसे बड़ा बैंक था। इस साल मार्च से फर्स्ट रिपब्लिक बैंक के शेयर 97% से ज्यादा टूट चुके हैं। मार्च में शेयर का भाव 122 डॉलर के करीब था। अभी ये गिरकर 3.51 डॉलर पर आ गया गया है।

सोने के भाव में जबरदस्त गिरावट

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सोने के भाव में बंपर गिरावट देखने को मिली है. कारोबारी सप्ताह के पहले दिन सोने की कीमतों में आई इस कमी के बाद लोगों में सोना खरीदने को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है. सोने के भाव में रिकॉर्ड रेट से 1040 रुपये की बड़ी कमी आई है. ऐसे में जानिए **आज का सोने का ताजा भावः**

जानें 22 कैरेट सोने का भाव गुड रिटर्न्स वेबसाइट के मुताबिक, 22 कैरेट सोने के भाव में सोमवार को 150 रुपये की कमी दर्ज की गई. इसके बाद आज सोना 55,700 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव से बिक रहा है, जबकि इससे पहले यह 55,850 रुपये प्रति दस ग्राम पर बिक रहा था.

जानें 24 कैरेट सोने का भाव

24 कैरेट सोने के भाव में भी सोमवार को कमी आई. इसमें कारोबारी सप्ताह के पहले दिन 170 रुपये की गिरावट दर्ज की गई. आज सोना 60,760 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव से बिक रहा है, जबकि इससे पहले यह 60,930 रुपये प्रति दस ग्राम पर बिक रहा था.

स्टार हेल्थ ने वित्त वर्ष 2023 में 618 करोड़ रुपये शुद्ध लाभ की घोषणा की

चेन्नई, 1 मई (एजेंसियां)। स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमाकर्ता स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023 को 618.5 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के साथ बंद किया।

नियामक फाइलिंग में, कंपनी ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023 को लगभग 12,952 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2022 रुपये 11,463 करोड़) के सकल प्रीमियम और 618.5 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ (1,040 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा) के साथ बंद कर दिया था। कंपनी बोर्ड ने अपनी बैठक में आनंद रॉय को प्रबंध निदेशक और सीईओ और वी.जगन्नाथन को गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जगन्नाथन ने कहा, ₹मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैंने कंपनी में एक गैर-कार्यकारी भूमिका निभाने का फैसला किया है, क्योंकि मैंने बीमा उद्योग में पांच दशक पूरे कर लिए हैं। इस कंपनी को आज जो कुछ भी है, उसके निर्माण में यह एक हार्दिक, भरने वाली यात्रा रही है। जब स्टार हेल्थ इन्शुरन्स की शुरुआत हुई थी, तब स्टैंड-अलोन हेल्थ इन्श्योरेन्स की अवधारणा अनसुनी थी और हेल्थ इन्श्योरेंस पैठ बहुत कम थी।

उन्होंने कहा कि कंपनी शुरू करते समय स्वास्थ्य बीमा के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत थी। उन्होंने कहा, आज, मैं यह देख पा रहा हूं कि हमने कुछ हद तक इस उद्देश्य को हासिल कर लिया है, क्योंकि स्टार हेल्थ इंश्योरेंस का विकास जारी है। मैं इस नेक कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आनंद को अग्निस्थान सौंपकर बहुत खुश हूं।

बाइडन और हैरिस अपने 150 दानदाताओं से मिले

भारतीय मूल के इस व्यक्ति को मिली अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने 2024 के चुनाव प्रचार अभियान के लिए धन जुटाने की सफल रणनीति तैयार करने के लिए सप्ताहांत में अपने शीर्ष 150 दानदाताओं से मुलाकात की। कार्यक्रम के दौरान बाइडेन ने दानदाताओं के महत्व और लोकतंत्र के संरक्षण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला, जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व वाले एमएजीए रिपब्लिकन की आलोचना की और गर्भपात के अधिकारों पर जोर दिया। बैठक में भाग लेने वालों ने कहा कि हालांकि यह स्वागत समारोह चंदा जुटाने का कार्यक्रम नहीं था, लेकिन यह अप्रयुक्त दानदाताओं को इसके दायरे में लाने का एक नया प्रयास था। डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त

अध्यक्ष अजय जैन भूटोरिया वाशिंगटन डीसी में बैठक में भाग लेने वाले 150 प्रमुख डेमोक्रेटिक दानदाताओं में शामिल थे। जानकारों के अनुसार भुटोरिया को 2024 के चुनाव प्रचार के लिए दो अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए अहम रोल दिया गया है। यह कार्यक्रम बाइडेन के 2024 के पुनः चुनाव अभियान का पहला व्यक्तिगत सम्मेलन था, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी के अधिकारियों ने अपनी अभियान रणनीति प्रस्तुत की और 2 बिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए धन जुटाने के अपने प्रयासों को शुरू किया। पिछले चुनाव चक्र के दौरान जुटाए गए 1 बिलियन अमरीकी डॉलर से इस बार का लक्ष्य दोगुना है। बैठक में भाग लेने वालों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि बाइडन और हैरिस दोनों अपने रणनीतिकारों के साथ अब तक की उपलब्धियों के आधार पर 2024 का चुनाव जीतने को लेकर आश्वस्त दिखे। लेकिन वे कोई जोखिम नहीं नहीं लेना चाहते हैं। बैठक में शामिल होने वालों में कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम, न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी, मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर और कांग्रेस व सीनेट के विभिन्न सदस्य भी थे।

बैठक के दौरान, भूटोरिया ने बाइडन प्रशासन की उपलब्धियों की प्रशंसा की। भूटोरिया लंबे समय से बाइडन के समर्थक रहे हैं और उन्होंने 2020 के चुनाव में उनकी जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने अभियान के लिए एक महत्वपूर्ण राशि जुटाई और लाखों जमीनी स्तर के दक्षिण एशियाई मतदाताओं को एकजुट किया था। बाइडन ने अपने दानदाताओं को संबोधित करते हुए कहा 2022 के मध्यावधि चुनावों को याद कीजिए, हमने उस समय जो किया था वहीं 2024 में फिर से एक साथ करने जा रहे हैं। उपराष्ट्रपति हैरिस ने भी व्यक्तिगत रूप से सभी शीर्ष दानदाताओं से आमने-सामने बात की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	04-56 बजे
चंद्र-	कन्या में	वृष--	06-40 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	08-40 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	10-53 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	13-04 बजे
शुक्र-	वृष में	कन्या..	15-11 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	17-17 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	19-27 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	21-40 बजे
		मकर..	23-47 बजे
		कुंभ...	01-37 बजे
		मीन ..	03-15 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 05-53 सूर्य अस्त- 18-32
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - **23 -18** तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , मंगलवार **May 02**
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - **19- 41** - तक उपरान्त हस्त
योग - व्याघात - **11 - 48** - तक उप - हर्षण
करण- बव - **10 - 48** - तक उप- बालव
विशेष:- मिथुन मे शुक्र-**13-49** से
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05:53 - 07:27 अशुभ	काल	18:32 - 19:59 अशुभ
उत्पात	07:27 - 09:02 अशुभ	लाभ.	19:59 - 21:24 शुभ
चंचल	09:02 - 10:38 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:49 अशुभ
लाभ	10:38 - 12:13 शुभ	शुभ.	22:49 - 00:13 शुभ
अमृत	12:13 - 13:49 शुभ	अमृत	00:13 - 01:37 शुभ
काल	13:49 - 15:24 अशुभ	चंचल	01:37 - 03:02 शुभ
शुभ	15:24 - 16:59 शुभ	रोग	03:02 - 04:26 अशुभ
रोग	16:59 - 18:32 अशुभ	काल	04:26 - 05:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

अपने आपको धरती से जुड़े कार्यकलाप जैसे बागवानी और प्राक्रतिक दृश्यों के बीच सैर करने के लिए प्रेरित करें ।आपको अपनी भावनात्मक जरूरतें पूरी करने के लिए अपने अन्दर गहरे झांकना होगा ।बाहरी चीजों के ऊपर अपना ध्यान लगाकर फोकस करने की अपनी योग्यता को कम न करें । मानसिक शांति और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए योग की प्रैक्टिस करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं |अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है | आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए | नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे |

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं |आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं | आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा | हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नही दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है | आज गृहों की स्थिति आग से दुर्घटना की आशंका जता रही है |

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आपकी किस्मत आपके साथ है | आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे | सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें | आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा | खुश रहें और अपनों के साथ खुशी बाँटें | आज कोई दोस्त मिल सकता है | दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा |

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे | इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है | जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें | इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं |हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे |अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा |हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी |

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा | कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे |

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

दिन की शुरुआत उलझन से होगी | आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा | आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं | आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं | दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा । आप अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिकतर लापरवाह ही रहते हैं।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो | लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी |अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है |

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं | आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं | इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए | आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं | अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें |

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे | जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें | नम्र बने रहें | आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे | धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है | आज आपकी सेहत में कोई अप्रत्याशित बदलाव आ सकता है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे | अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे |आपके लिए रोमांचक समय है | आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे |

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई से, जाना है तो शुरू कर लो तैयारी

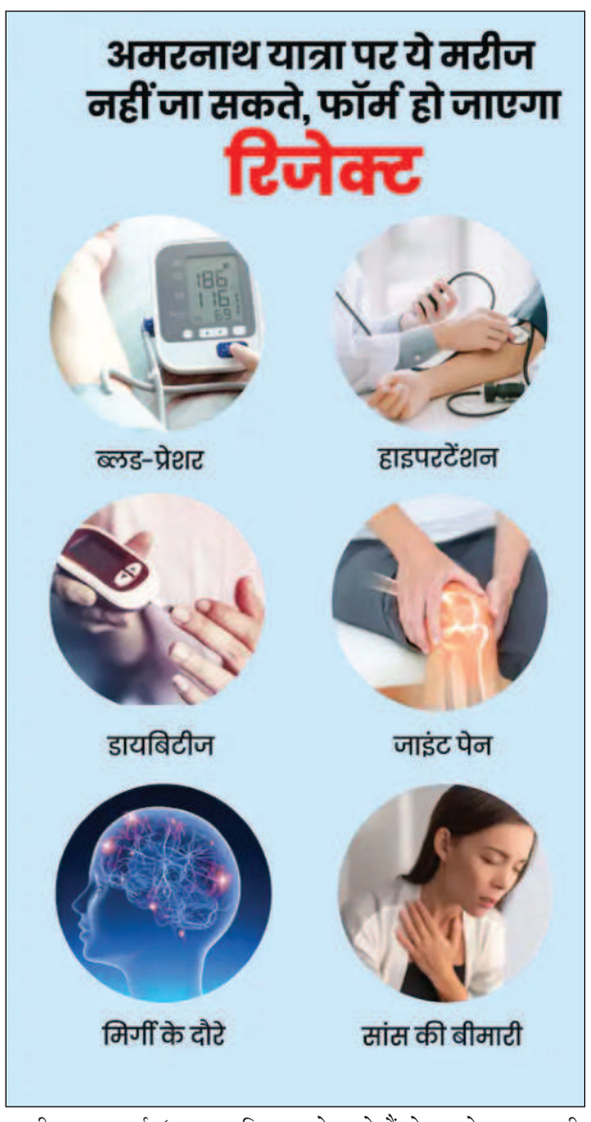

ऑक्सीजन की कमी से हार्ट अटैक का रिस्क, ये लोग जा नहीं सकेंगे

श्रीनगर, 1 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अमरनाथ यात्रा। यह एक ऐसी तीर्थयात्रा है जहां आप कभी भी नहीं उठकर जा सकते हैं। यहां जाने के लिए अच्छी-खासी तैयारी करने की जरूरत है। खुद को भी मेंटली और फिजिकली तैयार करना है। अगर आप भी इस यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं तो आपके पास काफी समय है इसकी तैयारी करने की क्योंकि यह यात्रा 1 जुलाई से शुरू होगी। इन दिनों अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए रजिस्ट्रेशन भी चल रहे हैं।

62 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा पर जाने से पहले श्रद्धालुओं को किन बातों का ध्यान रखना है, रजिस्ट्रेशन कैसे करना है किन लोगों को ज्यादा ध्यान देना है इस को पडताल करती रिपोर्ट।

अमरनाथ यात्रा एक जुलाई 2023 से शुरू हो रही है। यह 31 अगस्त तक चलेगी। अमरनाथ यात्रा पर जाने के लिए सबसे पहले रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की तरफ से इस बार देश के सभी राज्यों के ऑथराइज्ड डॉक्टरों की लिस्ट ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी की गई है। रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी होता है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने का प्रोसेस ।

सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं। एक नया पेज खुलेगा। इसमें इंस्ट्रक्शन दिए हैं। क्या करें और क्या नहीं, इसे समझ लें।

इसके बाद सबसे नीचे I agree पर टिक करें। फिर Register पर क्लिक करें। अब अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशन फॉर्म खुल जाएगा।

इसमें सारी डिटेल ध्यान से भर दें। फिर सबमिट करें। सबमिट करने के बाद स्क्रीन पर एक मैसेज आएगा। जिसमें बताएगा कि डिटेल्स सेव हो गई हैं। रजिस्टर्ड ईमेल और नंबर पर रजिस्ट्रेशन नंबर और ओटीपी आएगा। जिसे एंटर करके सबमिट करें। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन उन्हें प्राप्त हो जाएगा। बोर्ड डिटेल्स वेरीफाई करेगा।इसके बाद यात्रा परमिट डाउनलोड करने का एक मेल आएगा। मेल आने के 24 घंटे के अंदर पेमेंट करना होगा। पेमेंट के बाद यात्रा परमिट को पीडीएफ फॉर्म में डाउनलोड कर सकते हैं। यात्रा परमिट मिलने में कुछ दिनों का टाइम लगता है। ऑफिशियल वेबसाइट पर ट्रक अप्लीकेशन करके रजिस्ट्रेशन चेक कर सकते हैं।

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कराने का प्रोसेस

बैंक में रजिस्ट्रेशन फीस देने के बाद रजिस्ट्रेशन हो जाता है। एवलेबल स्लॉट के हिसाब से अमरनाथ यात्रा की डेट मिल जाती है। इसकी डिटेल बैंक से मिलने वाली रसीद पर होती है।

ऐसे कराएं ग्रुप रजिस्ट्रेशन

अगर ग्रुप के साथ रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं तो 5-50 लोगों वाले ग्रुप का मेन पर्सन सभी मेंबर के जरूरी डॉक्यूमेंट एसएएसबी को डाक के माध्यम से भेजकर ग्रुप रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाय कर सकते हैं।

अमरनाथ यात्रा का रजिस्ट्रेशन खर्चा भारतीय नागरिक हैं तो नामित बैंक ब्रांच से एडवांस रजिस्ट्रेशन फीस 120 रुपए प्रति व्यक्ति है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फीस 220 रुपए प्रति व्यक्ति है। अगर आप ग्रुप रजिस्ट्रेशन कराते हैं तो भी एक व्यक्ति का 220 रुपये है। एनआरआई तीर्थयात्री पंजाब नेशनल बैंक से पर्सनल 1520 रुपए में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

यात्रा 2023 शुरू करने से पहले सभी रजिस्ट्रर्ड यात्रियों के लिए जम्मू कश्मीर संभाग में बने किसी भी केंद्र से आरएफआईडी (आरएफआईडी) कार्ड ले लें। आरएफआईडी कार्ड कलेक्शन की सुविधा के लिए अपना आधार अपने साथ में रखें। इससे आपको कोई परेशानी नहीं होगी। यात्रा के दौरान हर समय अपने गले में आरएफआईडी टैग पहनकर रखें। अमरनाथ यात्रा पर 13 से लेकर 70 साल तक की आयु के लोग अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

कौन नहीं जा सकता है ?

6 हफ्ते से ज्यादा की प्रेग्नेंट महिलाएं। 13 साल से कम उम्र के बच्चे। 75 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग। किसी गंभीर बीमारी के पेशेंट यात्रा में नहीं जा सकते। अधिक जानकारी के लिए ये है टोल फ्री नंबर-18001807198 है। 18001807199 पर कॉल कर सकते हैं।

बता दें कि अमरनाथ यात्रा की चढ़ाई थोड़ी टफ है। यात्रा शुरू होने में अभी लगभग 2 महीनों का समय है। खुद को मेंटेन करने के लिए फॉलो करें ये टिप्स-

सांस वाला योग जैसे प्राणायाम और एक्सरसाइज जरूर करें। सुबह-शाम 5-5 गुब्बारे मुंह से फुलाएं। हर रोज 4 से 5 किलोमीटर वॉक करें। जॉगिंग कर सकते हैं तो रोजाना 30 मिनट करें। डिहाइड्रेशन-सिरदर्द न हो, हर रोज 5 लीटर पानी पिएं। अमरनाथ यात्रा काफी मुश्किल होती है। यात्रा के दोनों मार्ग बालटाल और पहलगाम से पैदल जाने वालों को कई जगह चलने में परेशानी आती है। इन रास्तों पर जगह-जगह बर्फ गिरने, टेम्प्रेचर में लगातार कमी आने से चढ़ाई में कभी भी किसी की भी हेल्थ बिगड़ सकती है। अब भले ही आप हेल्दी हैं, लेकिन ऑक्सीजन लेवल कम होने पर प्रॉब्लम हो जाती है। तुरंत मेडिकल हेल्प न मिलने से हार्ट अटैक आने का भी रिस्क रहता है। इससे बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखें।

अमरनाथ यात्रा शुरू करने के दौरान और हाई एल्टीट्यूड सिकनेस से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यानः

महिलाएं साड़ी पहनने से बचें। सलवार-कमीज, पैंट-शर्ट या फिर ट्रैक सूट पहनें। चप्पल पहनकर ट्रैकिंग न करें। फीते वाले ट्रैकिंग शूज पहनें। वाटरप्रूफ बैग में एक्स्ट्रा कपड़े और खाने की चीजें रखें। पानी की बोतल, स्नैक्स जैसे- भुने चने, ड्राई फ्रूटस, टॉफी, चॉकलेट साथ रखें। एक छोटा ऑक्सीजन सिलेंडर अपने साथ रखें। मॉइश्चराइजर क्रीम और वैसलीन साथ रखें। ट्रेकिंग के दौरान हर समय अपने ग्रुप के साथ ही रहें। रुक-रुक कर आराम करते हुए धीरे-धीरे चढ़ाई करें। शॉर्टकट रास्ते से यात्रा पूरी करने की कोशिश न करें। किसी साथी के खो जाने की स्थिति में इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। आपका सामान लेकर चल रहे कुली के आसपास ही रहें, जिससे किसी चीज की जरूरत होने पर तुरंत उसे बैग से निकाल सकें।

नोटः हाई एल्टीट्यूड सिकनेस या कोई भी परेशानी होने पर तुरंत हर 2 किलोमीटर पर स्थित चिकित्सा सुविधा यानी मेडिकल हेल्प सेंटर पर जाएं। अमरनाथ यात्रा के दौरान सभी यात्रियों को रुकने, खाने-पीने, लाइट और सुरक्षा समेत लगभग सभी जरूरी सुविधाएं दी जाएंगी। जगह-जगह पर सेना शिविर और हेल्थ कैम्प भी होते हैं।

ऐसा 'वॉच टावर' जहां देख सकते हैं तीन देशों की टाइमिंग एक साथ

जमशेदपुर, 1 मई (एजेंसियां)। आमतौर पर हर पुराने शहर में टावर चौक के नाम से एक ऐसा स्थान होता है, जहां पर लोग आकर समय देखते थे। हालांकि समय में बदलाव के साथ ऐसे चौक अब भी मौजूद तो है, लेकिन उचित देखरेख के अभाव में कई स्थानों में घड़ियां खराब हो चुकी हैं। इन स्थानों के बारे में कहा जाता है कि एक समय था कि जब सभी के पास घड़ी नही होती थी। लोगों को समय का पता चले, इसलिए इस प्रकार हर शहर में वॉच टावर की व्यवस्था की जाती थी। खैर समय में बदलाव हुआ। मोबाइल में ही घड़ी उपलब्ध हो जाने के कारण इस तरह के वॉच टावर की आवश्यकता कम हो गई हैं। लेकिन जमशेदपुर में अब भी एक ऐसा स्थान भी हैं, जहां पर एक ही साथ भारत सहित तीन देशो के समय की जानकारी ली जा सकती है। यह टॉवर बिष्टुपुर में तलवार बिल्डिंग के पास है।

जमशेदपुर में बिष्टुपुर से साकची जाने वाले रास्ते में यह क्लॉक टावर लगाया गया है। वैसे तो दूर से ही यह टावर नजर आता है, लेकिन नजदीक आने पर उस टावर में तीन-तीन घड़ियां अब भी देखने को मिलती हैं। इस टावर का निर्माण रोटरी इंटरनेशनल क्लब के माध्यम से किया गया था। जिसका उद्घाटन 3 अप्रैल 2014 को टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेन्द्रन ने किया था।

वॉच टावर में भारत सहित तीन देशों का दिखेगा समय

जमशेदपुर स्थित इस क्लॉक टावर में भारत सहित तीन देशों के समय देखा जा सकता हैं। सबसे ऊपर नई दिल्ली लिखा है, जिससे लोग अपने देश की टाइमिंग की जानकारी ले सकते हैं। उसके नीचे लंदन क्लॉक पर, लोग इंग्लैड के समय जान सकते हैं। सबसे नीचे सिंगापुर का समय दिया गया है।

तीन देशों का समय एक साथ दिखाई देने के कारण यहां पर राहगीर रुक कर समय जरुर देखते हैं। हालांकि लोग यहां अपने शहर का समय देखने के लिए नहीं रुकते, बल्कि इंग्लैंड और सिंगापुर के समय की जानकारी लेने के लिए रुकते हैं।

बिजली गिरने से चार बच्चों की मौत एक घायल

साहिबगंज, 1 मई (एजेंसियां)। झारखंड के साहिबगंज जिले में रविवार को बिजली गिरने से चार बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पुलिस अधीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा ने बताया कि घटना राधानगर थाना क्षेत्र के बाबुटोला में हुई। 9 से 12 साल की उम्र के बच्चे आम के बगीचे में खेल रहे थे। बिजली गिरने से हुमायूं शेख की 12 साल की बेटी, नौ साल का बेटा, महबूब शेख का 10 साल का बेटा और अशरफुल शेख के नौ साल के बेटे की मौत हो गई। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर उदय टुडू ने कहा कि राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में नौ साल की बच्ची का इलाज चल रहा है।

जमीन घोटाला मामले में सब रजिस्ट्रार से होगी पूछताछ

वैभव मनी त्रिपाठी पहुंचे ईडी ऑफिस, कोलकाता के एडिशनल रजिस्ट्रार त्रिदिप मिश्रा से होगा जवाब-तलब

रांची, 1 मई (एजेंसियां)। आर्मी जमीन घोटाला मामले में ईडी के सवालों के जवाब देने के लिए रांची के सब रजिस्ट्रार वैभव मनी त्रिपाठी हिनू स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंच गए हैं। इस मामले में अब तक सात लोगों से ईडी पूछताछ कर चुकी हैं। वहीं आइएएस छवि रंजन से भी पूछताछ की गयी है। उन्हें दूसरी बार ईडी ने बुलाया है। पिछली पूछताछ के दौरान जमीन घोटाला में हिरासत में लिए गए आरोपियों ने आइएएस छवि रंजन को ही इस घोटाले का मास्टर माइंड बताया था। अब आइएएस छवि रंजन दूसरी बार पूछताछ की जाएगी।

रांची में गलत कागज दिखाकर आर्मी की जमीन बेच दी गयी है। ईडी इसी मामले में पूछताछ कर रही है। बीते 13 अप्रैल को ईडी ने इसी आर्मी जमीन घोटाला मामले में छापेमारी की थी। दरअसल सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन को गलत तरीके से बेचने आरोपी प्रदीप बागची है। बागची ने ही सेना की जमीन की खरीद बिक्री के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार किया था। प्रदीप बागची के पूर्वज प्रफुल्ल बागची ने वर्ष 1932 में सेल डीड संख्या 4369 के सहारे खतियानी रैयत प्रमोद दास गुप्ता से यह जमीन खरीदी थी। फर्जी तरीके से तैयार किये गये इस सेल डीड की रजिस्ट्री पश्चिम बंगाल में दिखायी गयी थी। ऐसा नहीं है कि आर्मी जमीन घोटाला मामले में केवल सीमित लोगों से पूछताछ की जाएगी। सब रजिस्ट्रार वैभव मनी त्रिपाठी के बाद कोलकाता के एडिशनल रजिस्ट्रार त्रिदिप मिश्रा से भी पूछताछ करेगी। उन्हें दो मई को ईडी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

वहीं, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन को चार मई को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पहले उन्हें एक मई को ईडी कार्यालय में उपस्थित होना था। रांची के व्यवसायी विष्णु अग्रवाल को ईडी ने आगामी आठ मई को पूछताछ के लिए बुलाया है। इसी मामले में 13 अप्रैल को छापेमारी की गयी। जिसके बाद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनसे लगभग 12 दिन पूछताछ की गयी। उसके बाद बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन का फर्जी विक्रेता प्रदीप बागची सहित कुल सात आरोपितों को जेल भेज दिया है।

इन पर सेना की जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ करने, फर्जीवाड़ा करने व फर्जी दस्तावेज के आधार पर होल्डिंग नंबर लेने, फर्जी कब्जा दिखाकर जमीन बेचने आदि के आरोपों की पुष्टि हो चुकी है। जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार सात लोगों से ईडी पूछताछ की।

माइनिंग लीज आवंटन मामला

अब 16 मई को हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

रांची, 1 मई (एजेंसियां)। खान मंत्री रहते सीएम हेमंत सोरेन ने नियम विरूद्ध जाकर अपने रिश्तेदारों को माइनिंग लीज आवंटित कर दिया था। इस पर आरटीआई एक्टिविस्ट सह अधिवक्त सुनीत कुमार महतो ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायक की थी। इस मामले में आज सुनवाई हुई। यह सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया जा सका। सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा गया। जिसके बाद अनुरोध पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 16 मई की तारीख तय की है।

रांची सहित कई इलाकों में बारिश का अलर्ट

रांची, 1 मई (एजेंसियां)। झारखंड में आज एक बार फिर कई जगहों पर बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। साहिबगंज में कल वज्रपात में हुए चार बच्चों की मौत के बाद मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। ग्रामीण इलाकों में खेत पर जाने, वज्रपात के दौरान पेड़ के नीचे खड़े रहने को लेकर सावधान किया है। आज भी राजधानी रांची सहित कई जगहों पर ओलावृष्टि की संभावना जाहिर की गयी है। 24 घंटे के भीतर रांची में तेज बारिश हो सकती है। राजधानी रांची में सन रिंग दिखा जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गयी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि विज्ञान की भाषा में यह एक ऑप्टिकल फेनोमेना है, जिसे खगोल विज्ञान में '22 डिग्री सर्कुलर हालो' कहते हैं। इसमें सूरज के चारों ओर रिंग तैयार हो जाता है। यह तब बनता है जब बादल में पानी मौजूद हो। पानी की इन बूंदों पर सूरज की रोशनी पड़ती है, तो उसके रिफ्लेक्शन से गोलाकार आकृति तैयार हो जाती है।रांची में यह करीब दो साल बाद देखी गयी है। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में अभी मौसम ने गर्मी से राहत दे रखी है। सोमवार राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने एक मई के लिए राजधानी के कई इलाकों में वज्रपात और ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया है।

मौसम केंद्र के अनुसार, इस दौरान छत, वाहन और अन्य संपत्ति को नुकसान हो सकता है। पिछले 24 घंटे में राज्य के कई जिलों में गर्जन के साथ वर्षा हुई। इसके बाद से बोकारो, पश्चिमी सिंहभूम और जमशेदपुर को छोड़कर राज्य के लगभग सभी जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गयी।

छत्तीसगढ़ में अब 58% आरक्षण

सुप्रीम कोर्ट ने लगी रोक हटाई, नौकरियों, प्रमोशन और एडमिशन में रास्ता साफ

बिलासपुर, 1 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने 58 प्रतिशत आरक्षण पर लगी रोक को हटा दिया है। इसके साथ ही इसी आरक्षण के आधार पर भर्ती और प्रमोशन के निर्देश भी दिए हैं। अब प्रदेश में सरकारी नौकरियों में भर्ती, प्रमोशन और शिक्षण संस्थानों में प्रवेश का रास्ता साफ हो गया है। इससे पहले बिलासपुर हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए 58 प्रतिशत आरक्षण को खारिज कर दिया था।

दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार ने 2012 में 58 फीसदी आरक्षण को लेकर अधिसूचना जारी की थी। इसमें प्रदेश की आबादी के हिसाब से सरकार ने आरक्षण का रोस्टर जारी किया था। इसके तहत अनुसूचित जनजाति को 20 की जगह 32 फीसदी, अनुसूचित जाति को 16 की जगह 12 फीसदी और ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया। इससे आरक्षण का दायरा संविधान द्वारा निर्धारित 50 फीसदी से ज्यादा हो गया।

हाईकोर्ट के 58 प्रतिशत आरक्षण को खारिज किए जाने के बाद प्रदेश में आरक्षण पूरी तरह से समाप्त हो गया था। सभी भर्तियों और प्रमोशन पर ब्रेक लग गया था। जिसकी वजह से पीएससी सहित कई भर्तियों का फाइनल रिजल्ट रोक दिया गया था। आरक्षण नहीं होने से शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पर भी असमंजस की स्थिति पैदा हो गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राज्य सरकार ने खुशी जताई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि, 58% आरक्षण पर हाईकोर्ट के फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाने के निर्णय का हम सब स्वागत करते हैं, पर छत्तीसगढ़ के युवाओं के खिलाफ भाजपा के षड्यंत्र के विरूद्ध हमारा संघर्ष जारी रहेगा। राज्यपाल नए विधेयक पर हस्ताक्षर करें तभी सही न्याय मिलेगा। लड़ेंगे-जीतेंगे

छत्तीसगढ़ विधानसभा में सर्वसम्मति से 76 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए संशोधन विधेयक पारित किया जा चुका है, लेकिन इस पर राज्यपाल की मंजूरी अब तक नहीं मिली है। इसके बाद 2012 से प्रदेश में लागू 58% आरक्षण को भी हाईकोर्ट ने अवैधानिक घोषित कर दिया था।

अब जीव-जंतुओं के भी डीएनए का आसानी से हो जाएगा खुलासा

झारखंड से इस युवा साइंटिस्ट ने डेवलप की खास नैनो टेक्नोलॉजी

रांची, 1 मई (एजेंसियां)। आधुनिक विज्ञान और डीएनए जांच से वर्तमान समय में गंभीर बीमारियों का उपचार संभव हो रहा हैं। अब युवा साइंटिस्ट राहुल कुमार ने जीव-जंतुओं के डीएनए का भी पता लगाने के नैनो टोक्नोलॉजी की खोज की है। नई तकनीक जीव-जंतुओं के बेहतर इलाज, उनको हुए परजीवी संक्रमण का पता लगाने या खेतों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े-मकोड़ों को पहचानने में सहायक होगी। यह तकनीक मात्र रंग परिवर्तन के माध्यम से दो जीवों के डीएनए में अंतर बताने में सक्षम है। सिर्फ देखकर ही बता पाना संभव होगा कि ये डीएनए किस प्रजाति का है और किसका नहीं। इसलिए इसका उपयोग काफी सरल है।

मगध विश्वविद्यालय के शिवदेनी साव महाविद्यालय, कलेर में प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक प्राचार्य राहुल कुमार ने इस तकनीक की खोज की हैं। वे हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय, में प्राणी विज्ञान विभाग के सह प्राचार्य डॉ. अजय कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में शोध कार्य भी कर रहे हैं। इस शोध के दौरान युवा वैज्ञानिक राहुल कुमार ने पाया कि नैनोगोल्ड का उपयोग आणविक हस्ताक्षरों के आधार पर पशु प्रजातियों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है।

राहुल कुमार का कहना है कि नैनोगोल्ड का चिकित्सा विज्ञान में काफी उपयोग हैं। नैनोगोल्ड कई बीमारियों का पता लगाने में और इन बीमारियों का इलाज ढूंढने में सहायक है। उन्होंने कहा कि अब तक बहुकोशिकीय जीवों के वैज्ञानिक वर्गीकरण से जुड़े अध्ययनों में नैनोगोल्ड का ज्यादा उपयोग नहीं किया गया। लेकिन नैनोगोल्ड में बहुकोशिकीय जीवों की प्रजाति का पता लगाने और उनके वैज्ञानिक वर्गीकरण के क्षेत्र में असीमित संभावनाएं हैं। इस संबंध में, उन्होंने 20 नैनो-मीटर से भी छोटे सोने के नैनोकणों को संश्लेषित किया है। इस कार्य के लिए उन्होंने नई दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सुविधा और नेनोटेक्नोलॉजी लैब की मदद ली है। एक छोटे आकार के थिओलेटेड डीएनए और नैनोगोल्ड के बीच के आकर्षण के आधार पर यह विधि विकसित की गई है। युवा वैज्ञानिक राहुल कुमार ने बताया कि थायलेटेड डीएनए एक ऐसा डीएनए है जिसके एक और सल्फर जुड़ा होता है। यह छोटे आकार का डीएनए उस प्रजाति का होता है जिसका पता लगाना है। यह थायलेटिड डीएनए और नैनोगोल्ड का मिश्रण लाल रंग का होता है। यह मिश्रण उच्च नमक सांद्रता के तहत आत्म-एकत्रित होकर लाल से नीला हो जाता है। अगर सही प्रजाति का डीएनए इस मिश्रण में डाला जाए तो यह मिश्रण रंग नहीं बदलता। गलत प्रजाति के डीएनए को डालने पर यह रंग बदलता है।

छत्तीसगढ़ में मनाया जा रहा बोरे-बासी त्योहार

रायपुर, 1 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज बोरे-बासी तिहार मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नंदकुमार साय समेत कई नेता साइंस कॉलेज के मैदान में श्रमिक सम्मेलन में पहुंच गए हैं। प्रदेश भर में आज तमाम मंत्री नेता, जनप्रतिनिधि, आईएएस और आईपीएस अफसर बोरे-बासी खाकर तिहार मना रहे हैं। भूपेश बघेल ने मजदूर दिवस पर प्रदेशवासियों से बोरे-बासी खाने की अपील की है। मोहन मरकाम ने परिवार के साथ बोरे-बासी खाया है। भूपेश बघेल ने आम नागरिकों को उत्साह के साथ बोरे-बासी त्यौहार में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में एक मई को मेहनत के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। लेकिन हमारे प्रदेश में यह दिवस इसलिए और भी खास है क्योंकि हमारा प्रदेश किसानों,आदिवासियों और मजदूरों का प्रदेश है। हमारे खेत, जंगल, खदान और कारखानों को हमने पसीने से सींचकर खड़ा किया है।ये हमारी ताकत है। इन सभी जगहों पर अपना पसीना बहाने वाले लोगों ने ही प्रदेश को अपने कंधों पर संभाल रखा है।

कांग्रेस में शामिल हुए आदिवासी नेता नंदकुमार साय

रायपुर, 1 मई (एजेंसियां)। आदिवासी नेता नंदकुमार साय आज कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। राजीव भवन में सीएम भूपेश की मौजूदगी में नंदकुमार साय कांग्रेस में शामिल हुए। कल ही नंदकुमार साय ने भाजपा पार्टी का साथ छोड़ा था। इस मौके पर पीसीसी चीफ मोहन मरकाम समेत कई कांग्रेसी नेता कांग्रेस भवन में मौजूद रहे।

आदिवासी मुख्यमंत्री की बात करने वाले बीजेपी के वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने प्रदेश के बीजेपी के एक बड़े नेता पर निशाना साधा है। उन्होंने इस्तीफा के साथ ही जो वीडियो शेयर किया है। उस वीडियो ने पूरे छत्तीसगढ़ की सियासत में खलबली मचाकर रख दी है।

तीर कमान और कुल्हाड़ी से हमला कर युवक की हत्या

कोरबा, 1 मई (एजेंसियां)। कोरबा में एक युवक की कुल्हाड़ी और तीर कमान से वारकर हत्या कर दी गई है। खून से लथपथ उसका शव नदी किनारे मिला है। युवक के साथ मछली मारने वाला शख्स भी घटना के दिन से गायब है। पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है। मामला मोरगा चौकी क्षेत्र का है। कछार निवासी लालमन गोंड(75) ने प्रताप गोंड(35) को बचपन में गोद लिया था। जिसके बाद से प्रताप लालमन के साथ ही रहा करता था। बताया गया कि प्रताप भी खेती किसानी करता था। कभी-कभी मछली मारने भी जाया करता था। इस बीच शनिवार शाम को प्रताप घर से निकला। फिर रात तक लौटा ही नहीं। उसके परिजनों ने गांव में तलाश की। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। उधर, रविवार सुबह गांव से कुछ दूर पर स्थित हसदेव नदी किनारे प्रताप का शव मिला। गांव के ही एक शख्स ने उसका शव देखा था। जिसके बाद उसके परिजनों को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। तब उन्होंने देखा कि युवक के शरीर में तीर कमान और कुल्हाड़ी से वार किया गया है।

पाक के खुफिया दस्तावेज लीक

यूएस के लिए चीन से रिश्ते कुर्बान करने के खिलाफ थीं मंत्री, पीएम शरीफ को दी थी चेतावनी

इस्लामाबाद, 1 मई (एजेंसियां)। कुछ दिनों पहले अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के कई गोपनीय दस्तावेज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। वहीं अब इन लीक दस्तावेजों में पाकिस्तान के एक मंत्री का नाम भी जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने दो नाव में पैर रखकर चलने के लिए अपने देश को आगाह किया था। उन्होंने कहा था कि उनका देश चीन और अमेरिका के बीच मिडल ग्राउंड नहीं बना रह सकता। अगर पाकिस्तान अमेरिका की तरफ झुकता है तो उसे चीन से मिलने वाले बड़े फायदे को त्यागना होगा।

पश्चिम को खुश करने से बचे पाकिस्तान

रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च में एक इंटरनल मेमो में हिना रब्बानी खार ने यह बातें कहीं। इस मेमो का टाइटल 'पाकिस्तान के मुश्किल विकल्प' था। मेमो में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को पश्चिम को खुश करने से बचना चाहिए। अगर पाकिस्तान अमेरिका के साथ साझेदारी बनाए रखता है तो उसे चीन के साथ उसके वास्तविक रणनीतिक साझेदारी को त्यागना होगा। पाकिस्तान अब और मिडल ग्राउंड नहीं बन सकता।

खुफिया मेमो अमेरिका के पास कैसे?

गौरतलब है, पाकिस्तान के बड़े नेताओं के ऑडियो लीक पहले भी हुए हैं, लेकिन हिना रब्बानी खार का खुफिया मेमो कैसे लीक हुआ और यह अमेरिका के पास कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

अब सवाल ये उठ रहे हैं कि आखिर अमेरिका की जड़ें पाकिस्तानी शासन के अंदर कितनी गहरी हैं कि वह देश के अत्यंत गोपनीय और संवेदनशील जानकारियां भी आसानी से पा लेता है।

प्रधानमंत्री की बातें भी सुन सकता है अमेरिका

हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने किसी मंत्री की बात का खुलासा किया है। इससे पहले 17 फरवरी के एक अन्य दस्तावेज में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस विचार विमर्श का जिक्र गया था, जिसमें वह यूक्रेन संघर्ष पर यूएन में मतदान से जुड़ी बात कर रहे। इसमें वह कहते हैं कि अगर रूस की निंदा प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया तो किस तरह उन्हें पश्चिम से दबाव आएगा। खुफिया दस्तावेज में कहा गया था कि शहबाज शरीफ के सहयोगी ने सलाह दी कि अगर वह निंदा करते हैं तो यह पाकिस्तान की स्थिति में बदलाव का संकेत देगा। क्योंकि इसी तरह के एक प्रस्ताव में पहले पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया था। सहयोगी ने आगे कहा था कि पाकिस्तान के पास रूस के साथ व्यापार और ऊर्जा सौदे से जुड़ी बातचीत करने की क्षमता है और अगर इसका समर्थन किया जाता है तो संबंध खतरे में आ जाएंगे। 23 फरवरी को जब यूएन में इसे लेकर मतदान हुआ तो इसमें हिस्सा न लेने वाले 32 देशों में पाकिस्तान भी था।

अन्य देशों ने नहीं की टिप्पणी

बता दें, लीक हुए दस्तावेजों में नामित पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ-साथ अन्य देशों के अधिकारियों ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

यह कहानी ऐसे समय में सामने आई है जब वाशिंगटन पहले ही पुष्टि कर चुका है कि उसे मास्को से तेल आयात करने के पाकिस्तान के फैसले पर कोई आपत्ति नहीं है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने एक साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान कहा कि प्रत्येक देश अपनी ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में अपने स्वयं के संप्रभु निर्णय लेगा।

70+ उम्र में भी अब काम करने की मजबूरी

लंदन, 1 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में अब आराम से बुढ़ापा गुजारना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। नए बनते हालात के बीच ज्यादातर बुजुर्गों को 70 वर्ष से भी अधिक की उम्र तक काम करते रहना पड़ रहा है। मजदूर दिवस पर जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले वर्षों में 70 वर्ष से अधिक उम्र तक काम करने की मजबूरी आधे से अधिक बुजुर्गों के सामने होगी। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नई समस्या का सबसे बड़ा कारण महंगाई है, जिसकी वजह से जीवन गुजारने का खर्च बढ़ गया है। एक नए शोध के मुताबिक साल 2022 में 4,46,601 ऐसे व्यक्ति थे, जो 70 साल से अधिक उम्र हो जाने के बावजूद किसी ना किसी प्रकार के काम कर रहे थे।

साल 2012 में ऐसे लोगों की संख्या 2,77,926 थी। यानी दस साल में ऐसे बुजुर्गों की संख्या में 61 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। रेस्टलेस नाम की संस्था के इस अध्ययन के मुताबिक 70 साल से अधिक उम्र में कार्यरत लोगों में ज्यादा संख्या पुरुषों की रही है।

सैंटियागो पेना बने पराग्वे के नए राष्ट्रपति

अमेरिका से बिगड़ सकते हैं रिश्ते

पराग्वे, 1 मई (एजेंसियां)। पराग्वे में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में 44 वर्षीय रूढिवादी नेता सैंटियागो पेना ने जीत दर्ज की है। सैंटियागो एक अर्थशास्त्री हैं। पेना की जीत के साथ ही तय हो गया है कि पराग्वे में एक बार फिर दक्षिणपंथी कोलोराडो पार्टी की सरकार बनेगी। पराग्वे में बीते 76 सालों में अधिकतर समय कोलोराडो पार्टी की ही सरकार रही है। पूरे दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र में जहां वामपंथी सरकारों की सत्ता में वापसी हो रही है, वहीं पराग्वे में अभी भी दक्षिणपंथी राजनीति का दबदबा है। पराग्वे में कुल 99 प्रतिशत वोटों में से सैंटियागो पेना को 43 प्रतिशत वोट मिले। पेना ने चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को नौकरी देने, ऊर्जा की कीमतों को कम करने और ड्रग्स के कारोबार को खत्म करने जैसे बड़े वादे किए हैं। पराग्वे में सैंटियागो पेना की जीत के बाद ऐसी आशंका है कि पराग्वे के अमेरिका से संबंध खराब हो सकते हैं। दरअसल पेना पराग्वे के पूर्व राष्ट्रपति होरासियो कार्टेस के करीबी हैं। कार्टेस पराग्वे की सत्ताधारी कोलोराडो पार्टी के अध्यक्ष हैं। कार्टेस पर आरोप है कि उन्होंने इस्लामिक आतंकी संगठन हिजबुल्लाह को फंडिंग की। साथ ही उन पर चुनाव में जीतने के लिए लोगों को रिश्वत बांटने का भी आरोप है। पराग्वे में जनरल अलफ्रेडो स्ट्रोइसनर की तानाशाही रही है लेकिन उसके बाद से पराग्वे की सत्ता पर कोलोराडो पार्टी का कब्जा रहा है।

रूस की प्राइवेट मिलिट्री वैगनर को गोला-बारूदों की कमी

पुतिन के करीबी प्रिगोजिन बोले- रोज हजारों लड़ाकों के शव घर भेजने को मजबूर

मास्को, 1 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन के बाखमुत में जंग लड़ रही रूस की प्राइवेट मिलिट्री वैगनर ने गोला-बारूद की कमी होने की शिकायत की है। प्राइवेट मिलिट्री के मालिक और पुतिन के करीबी येवगेनी प्रिगोजिन ने कहा है कि उनके लड़ाकों के पास हथियार नहीं हैं। इससे यूक्रेन का अगला हमला उनके लिए घातक साबित हो सकता है। प्रिगोजिन ने ये बातें एक पत्रकार को दिए इंटरव्यू में कही हैं।

वैगनर चीफ प्रिगोजिन ने कहा कि हमारे पास केवल 10 से 15% गोला-बारूद बचा है। जबकि यूक्रेन 15 मई तक हम पर बड़ा हमला कर सकता है। प्रिगोजिन ने उनकी इस हालत का जिम्मेदार रूसी सेना की लीडरशिप को ठहराया है।

'हम रोज अपने लड़ाकों के शव घर भेज रहे'

इंटरव्यू के दौरान प्रिगोजिन ने कहा कि हम रोजाना हजारों लड़ाकों के शव घर भेजने को मजबूर हैं। गोला-बारूदों की कमी पर उन्होंने रक्षा मंत्री सर्गेई शोईगू को भी लेटर लिखा है।

उन्होंने कहा कि ऐसे हालात भी हो सकते हैं कि हम डरपोक चूहों की तरह भागना नहीं चाहते ऐसे में हमारे पास मरने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं है।

4 हजार की जगह केवल 800 गोला-बारूद मिल रहे

अमेरिका के इंस्टिट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर के मुताबिक प्रिगोजिन ने रूसी सरकार से रोजाना के लिए 4000 गोला-बारूदों की मांग की थी। इनमें से उन्हें केवल 800 मिल पा रहे हैं।

रूसी सेना पिछले 10 महीनों से बाखमुत पर कब्जा करने के लिए लड़ रही है। इस इलाके में ज्यादा सैनिकों की मौत होने की वजह से इसे 'मीट ग्राइंडर' नाम दिया गया है। वहीं, यूक्रेन की सेना को डर है कि अगर रूस बाखमुत पर कब्जा करने में कामयाब रहता है तो उसका अगला शिकार यूक्रेन का चासिव यार शहर होगा।

ये ग्रुप रूस की आधिकारिक सेना के सामने चुनौती पेश कर रहा है। संडे गार्जियन लाइव की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन की सीमा से लगे रूसी इलाके बेलगोरोड और कुर्स्क में येवगेनी प्रिगोजिन ने सेना के बराबर का मिलिट्री स्ट्रक्चर खड़ा कर रखा है। यहीं पर वैगनर आर्मी की ट्रेनिंग फैसिलिटी और रिक्रूटमेंट सेंटर भी है।

इस वजह से रूसी सेना के अधिकारियों और वैगनर के फाउंडर येवगेनी प्रिगोजिन के बीच तनाव भी बढ़ गया है।

नेवी चीफ बोले-चीन से युद्ध की आशंका से इनकार नहीं

हिंद महासागर में उनके 6 वॉरशिप, हम ड्रोन और सबमरीन से नजर रख रहे

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। चीन लगातार हिंद महासागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाता जा रहा है। इसे देखते हुए भारत की नेवी चीनी जहाजों पर पैनी नजर बनाए हुए है। शनिवार को चाणक्य डायलॉग के दौरान नेवी चीफ एडमिरल हरि कुमार ने कहा- चीन की नौसेना के जहाज पाकिस्तान समेत कई देशों के पोर्ट के पास मौजूद हैं और भारतीय नौसेना की इस पर पूरी नजर है।

नेवी चीफ ने बताया कि एक वक्त पर हिंद महासागर में चीन के करीब 3-6 युद्धपोत रहते हैं। इनमें से कुछ गल्फ ऑफ ओमान के पास हैं तो कुछ महासागर के पूर्वी तरफ रहते हैं। इसके अलावा कुछ चीनी रिसर्च शिप्स और कुछ मछली पकड़ने वाले जहाज भी वहां मौजूद हैं। चीफ एडमिरल कुमार ने कहा- हम अपनी योजनाओं को रिफाइन करते रहते हैं। इससे हमारी क्षमता के विकास में भी मदद मिलती है।

पाकिस्तानी नौसेना में नए युद्धपोत शामिल

नेवी चीफ ने कहा- ऐसे तो

संघर्ष का खतरा बहुत कम है, लेकिन फिर भी हम युद्ध की आशंका से इनकार नहीं कर सकते। पाकिस्तानी नौसेना बहुत तेजी से डेवलप हो रही है और वह अपने बेड़े में लगातार नए युद्धपोत जोड़ रही है। वहीं चीन ने पिछले 10 सालों में कई जहाजों और पनडुब्बियों को शामिल किया है। इसके अलावा चीन तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर पर भी काम कर रहा है। साथ ही चीन कई बड़े विध्वंसक पोत बना रहा है, लेकिन इनके नेवी में शामिल होने में अभी कुछ समय लगेगा।

हिंद महासागर की निगरानी कर रहे भारतीय ड्रोन-पनडुब्बी

नौसेना प्रमुख ने कहा- हम हिंद महासागर क्षेत्र में पूरी नजर बनाए हुए हैं। हमारी कोशिश यह जानने की है कि वहां किसकी मौजूदगी है और वे क्या कर रहे हैं। इसकी निरंतर निगरानी की जा रही है और हम विमान, ड्रोन, जहाज, पनडुब्बी तैनात कर रहे हैं। चीन के रिसर्च शिप्स के बारे में बताते हुए एडमिरल कुमार ने कहा- ये जहाज इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल ट्रैक करके इन्हें इकट्ठा कर सकते हैं। इसलिए जब ये भारत के इलाके के पास होते हैं तो हम इन्हें ट्रैक करते हैं।

2047 तक आत्मनिर्भर होगी भारतीय नौसेना

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने दिल्ली में 'द चाणक्य कॉन्क्लेव' में 'भारतीय वायुसेना- भविष्य अब है' विषय पर बातचीत में कहा कि हमें इस पर काम करना है कि हमारे पास जमीनी आक्रमण प्लेटफॉर्म के अलावा अंतरिक्ष आधारित युद्ध प्रणाली भी हो।

नेवी चीफ के मुताबिक हमारा लक्ष्य भारत की आजादी के 100 साल पूरे होने तक नौसेना को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाना है। 2047 तक हमारी नेवी फ्लोट, मूव और फ्लाइट तीनों मामलों में 100% आत्मनिर्भर होगी। हम इसे हर तरह से एक संतुलित बल बनाना चाहते हैं।

चीन ने बदले ये अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम

करीब 1 महीने पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदले थे। यह सभी इलाके जेंगनेन (चीन के दक्षिण राज्य शिंजियांग का हिस्सा) में आते हैं। इनमें से 4 रिहायशी इलाके थे। इनमें से एक इलाका अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के बेहद करीब है। इसके अलावा 5 पहाड़ी क्षेत्र और दो नदियों के नाम बदले गए थे। चीन ने इन इलाकों के नाम मन्दारिन और तिब्बती भाषा में रखे थे। इससे पहले भी 2021 में चीन 15 जगह और 2017 में 6 जगहों के नाम बदल चुका है।

यूक्रेनी हमले से उठे गुब्बार पर लगाई काली की तस्वीर

यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने किया ट्वीट भारतीयों की नाराजगी पर डिलीट करना पड़ा

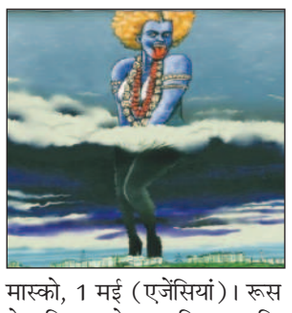

मास्को, 1 मई (एजेंसियां)। रूस ने शनिवार को दावा किया था कि यूक्रेन ने क्रीमिया में उनके 10 तेल के टैंकरों पर ड्रोन से हमला किया। इसके बाद खुद यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने इस हमले की एक तस्वीर ट्विटर पर शेयर की। जिस पर रूस से ज्यादा भारतीयों ने कड़ी आपत्ति जताई।

इसकी वजह ये थी कि मिनिस्ट्री ने जो तस्वीर ट्वीट की थी। उसमें यूक्रेनी हमले से उठे धूएं के गुब्बार पर हिंदू देवी काली की तस्वीर लगी थी। यूक्रेनी मिनिस्ट्री ने फोटो शेयर कर उस पर वर्क ऑफ आर्ट लिखा था। यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने जो फोटो ट्वीट की थी उसमें काली को हॉलीवुड ऐक्ट्रैस मर्लिन मुनरो की तरह स्कर्ट पहने दिखाया था। जो हमले से उठे धूएं से बनी थी। इस पर एक यूजर ने लिखा, यूक्रेन के डिफेंस मिनिस्ट्री ने जिस तरह से मां काली का अपमान किया है, मैं ये देखकर हैरान हूं। मैं मांग करता हूं कि इसे तुरंत डिलीट किया जाए और माफी मांगी जाए। काफी सारे लोगों के आपत्ति जताने के बाद इस ट्वीट को डिलीट कर दिया गया। हालांकि, उसके बावजूद लोगों ने स्क्रीनशॉट्स शेयर कर विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस मामले में दखल देने की मांग की।

नेपाल में प्रभाव बढ़ाने की होड़ में चीन

चला 80 अरब रुपये का दांव

काठमांडो, 1 मई (एजेंसियां)। चीन ने नेपाल पर अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नया दांव चला है। इससे यहां यह चर्चा शुरू हो गई है कि पुष्प कमल दहल के प्रधानमंत्री बनने से चीन को नेपाल में स्थितियां अपनी तरफ झुकती महसूस हो रही हैं। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के शासनकाल में नेपाल में अमेरिकी प्रभाव बढ़ने के साफ संकेत मिल रहे थे। बीते सप्ताहांत नेपाल के वित्त मंत्री प्रकाश शरण महत के कार्यालय ने एक बयान जारी किया। उसमें बताया गया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण संबंधी परियोजनाओं पर खर्च के लिए नेपाल को चीन 80 अरब (नेपाली) रुपये देगा। इस बात पर सहमति महत और काठमांडू स्थित चीन के राजदूत चेन सोंग के बीच बातचीत में बनी। हालांकि नेपाल के वित्त और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने मीडिया को बताया है कि यह कोई नई सहायता नहीं है। चीन यह मदद देने का वादा साल 2008 से करता रहा है। अब उसने यह रकम जारी करने का फैसला किया है। विश्लेषकों के मुताबिक अब तक मिली जानकारी से यह स्पष्ट नहीं है कि क्या यह रकम उस सहायता रकम का हिस्सा भी है, जिसे देने की घोषणा अक्तूबर 2019 में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान की थी। तब शी ने एलान किया था कि अगले दो साल में चीन नेपाल को 65 अरब रुपये देगा। कोरोना महामारी फैल जाने के कारण तब चीन यह रकम नहीं दे सका था।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने अखबार काठमांडू पोस्ट से कहा- 'जैसे ही राष्ट्रपति शी नेपाल से वापस गए, कोरोना महामारी फैल गई। इसलिए चीनी राष्ट्रपति की घोषणा के तहत सहायता पाने के लिए हम बातचीत को आगे नहीं बढ़ा पाए। अब यह काम नेपाल के वित्त मंत्रालय का है कि वह इस बारे में चीन से बात करे और मिलने वाली रकम का उपयोग करे।'

ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री को पिछले साल भेजा था धमकी भरा पत्र

अब 5 महीने जेल में रहेगा शख्स

लंदन, 1 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतीय मूल की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल को गाली देने और धमकी देने के आरोप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के एक 65 वर्षीय कार्यकर्ता को पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पूनीराज कनकिया ने पिछले साल जनवरी में प्रीति को धमकी भरा पत्र भेजा था। तब वह बोरिस जॉनसन की सरकार में गृह विभाग की प्रभारी थीं। कनकिया ने पत्र को व्यक्तिगत बताया था। उसे उम्मीद थी कि पटेल इसे खुद खोलेंगी, लेकिन सुरक्षा कर्मचारियों ने पत्र को पहले ही अपने कब्जे में ले लिया।

टुकड़े करने की दी थी धमकी

कनकिया ने पत्र में पटेल को गाली देते हुए लिखा था कि आपका समय समाप्त हो रहा है। तैयार रहें, हम आपको सबक सिखाएंगे। साथ ही लिखा कि हम आपके टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभियोजक डेविड बर्न्स ने बताया कि पत्र में पटेल और जॉनसन के बीच संबंधों को लेकर भी लिखा गया था।

आरोपी का पता लगाने के लिए फोरेंसिक परीक्षण का इस्तेमाल किया गया। क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस की कॉम्प्लेक्स केसवर्क यूनिट के सीनियर क्राउन प्रॉसीक्यूटर लॉरेन ने कहा कि पत्र की सामग्री पूरी तरह से अपमानजनक थी। कनकिया ने सोचा कि वह पकड़ा नहीं जाएगा। हालांकि फोरेंसिक विश्लेषण ने साबित कर दिया कि उसने पत्र लिखा था। आरोपी को पांच महीने की जेल की सजा सुनाते हुए जिला न्यायाधीश ब्रियोनी क्लार्क ने कहा कि जब भी वह इस पत्र को पढ़ती हैं तो उन्हें आश्चर्य होता है। उन्होंने कहा कि कनाकिया ने प्रीति को घृणित और धमकी भरा एक पत्र उस समय भेजा जब वह गृह मंत्री थीं। क्लार्क ने कहा कि यह पत्र अपमानजनक और अश्लील था। यह लोकतंत्र पर हमला था।

वहीं, बचाव पक्ष ने कहा कि कनकिया ने पूरे कोविड के दौरान काम किया था। साल 2020 के दौरान वह बीमार पड़ गए। इस दौरान उन्हें दो बार दिल का दौरा पड़ा और पिछले साल जुलाई में उनकी मां का निधन हो गया। इसके बाद उनका मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ गया। हालांकि, न्यायाधीश ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के दावे को लेकर कोई सबूत नहीं पेश किया गया है।

कोल्डड्रिंक से लेकर कैंडी तक की आपूर्ति पर असर डालेगा सूडान संकट

नई दिल्ली, 1 मई (एजेंसियां)। सूडान में चल रहे संघर्ष का असर गम अरेबिक की आपूर्ति पर भी पड़ रहा है। गम अरेबिक सूडान के सबसे अधिक मांग वाले उत्पादों में से एक है। सूडान पूरी दुनिया में इसका निर्यात करता है। युद्ध की वजह से यह प्रभावित हुआ है। इसके चलते दुनिया में कोल्डड्रिंक, सौंदर्य प्रसाधन से लेकर कैंडी तक उत्पादन पर भी असर पड़ने की आशंका है।

आखिर ये गम अरेबिक होता क्या है? सूडान के अलावा और कहां-कहां इसका उत्पादन होता है? इसका क्या अलग-अलग उत्पादों में क्या इस्तेमाल है? गम अरेबिक का संकट कितना गहरा है? इसका विकल्प क्या है?

गम अरेबिक चिपकने वाले, फार्मास्यूटिकल्स, स्याही, मिष्ठान और अन्य उत्पादों में इस्तेमाल होने वाला पदार्थ होता है। दक्षिण सूडान में इसे गम अफ्रीका भी कहा जाता है। यह एक खास तरह के बबूल के पेड़ से निकाला जाता है। जो विशेष रूप से सूडान में ही पाए जाते हैं। अधिकांश बबूल की छाल टैनिन से भरपूर होती है, जिसका उपयोग टैनिंग और डाई, स्याही, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य उत्पादों में किया जाता है।

सूडान में खानाबदोश लोग बबूल के पेड़ों से कंकड़, लाल रंग के गोंद को निकालते हैं। इसे बाद में पूरे देश में रिफाइन और पैक किया जाता है। गम सूडान कंपनी के अनुसार, यह हजारों लोगों की आजीविका का साधन है। अधिक महंगी किस्म की कीमत लगभग 3,000 डॉलर प्रति टन होती है। सूडान के बाहर कहीं-कहीं यह गम पाया जाता है लेकिन यह खराब गुणवत्ता वाला सस्ता गम होता है। कई कंपनियों की पसंदीदा सामग्री केवल सूडान, दक्षिण सूडान और चाड में बबूल के पेड़ों में पाई जाती है।

सूडान के अलावा और कहां-कहां इसका उत्पादन होता है?

दुनिया की गम अरेबिक की आपूर्ति का लगभग 70 फीसदी सूडान से आता है। यह साहेल क्षेत्र में बबूल के पेड़ों से प्राप्त होता है जिसकी आपूर्ति सेना और अर्धसैनिक बल के बीच लड़ाई की वजह से बाधित हो रही है। इसके लिए विकल्प भी ज्यादा नहीं हैं। कोल्डड्रिंक में भी इसका इस्तेमाल होता है। कोका कोला और पेप्सिको जैसी कंपनियों ने संकट को देखते हुए तीन से छह महीने के भंडार कर लिए हैं।

सूडान में लड़ाई के बीच सेंट्रल बैंक में लगी आग

खार्तूम, 1 मई (एजेंसियां)। सूडान में सेना और पैरा मिलिट्री फोर्स (आरएसएफ) में हो रही लड़ाई की चपेट में वहां का सेंट्रल बैंक भी आ गया है। रविवार को खार्तूम में लड़ाई एकदम से तेज गई थी, जिसकी वजह से सेंट्रल बैंक में आग लग गई। सीजफायर के बीच हो रही लड़ाई का दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। वहीं, भारत ने सूडान से अपने 3,000 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है। इनमें से 2,300 को भारत भी लाया जा चुका है। ये काम ऑपरेशन कावेरी के तहत जारी है। वहीं, 186 भारतीयों को लेकर वायुसेना का विमान कोच्चि पहुंचा है। इसके अलावा, 122 लोगों को पोर्ट सूडान से वायु सेना के विमान सी-130जे के जरिए सऊदी अरब के जेद्दाह पहुंचाया जा रहा है। जहां से उन्हें भारत लाया जाएगा। पिछले हफ्ते विदेश मंत्रालय ने बताया था कि सूडान में भारत के 3,500 लोग फंसे हैं।

सूडान में सीज फायर के बावजूद सेना और आरएसएफ के हमले जारी हैं। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक लोग सूडान सिर्फ लड़ाई की वजह से ही नहीं बल्कि सड़कों और घरों में घुस कर की जा रही लूटपाट की घटनाओं की वजह से भी छोड़ रहे हैं। इन सब के बीच भारत का ऑपरेशन कावेरी जारी है। इसके तहत रविवार को दो चरणों में 269 लोगों के समूह को सुरक्षित भारत लाया गया था। इन सभी लोगों को बेंगलुरु और दिल्ली छोड़ा था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक अभी तक भारतीयों के 16 बैच को सूडान से सऊदी अरब के जेद्दाह पहुंचाया जा चुका है और 7 बैच में लोगों को भारत लाया जा चुका है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग सभी देश पोर्ट सूडान के रास्ते अपने लोगों को बाहर निकाल रहे हैं। ऐसे में वहां पर लोगों की भारी भीड़ जमा होने लगी है। पासपोर्ट चेक करवाने के लिए लंबी लाइनें हैं।

रात-रात भर जंगी जहाज लोगों को निकाल रहे हैं। पोर्ट पर मौजूद एक पाकिस्तानी जो चीन के जंगी जहाज से वतन लौटने वाला है उसने बताया कि वो पोर्ट सूडान पहुंच कर खुश है, लेकिन इस बुरे इतिहास का हिस्सा बनने का उसे उम्र भर अफसोस रहेगा।

भारत पोर्ट के जरिए ही लोगों को क्यों रेस्क्यू कर रहा?

सूडान में चल रहे ज्यादातर रेस्क्यू ऑपरेशन में लोगों को पहले पोर्ट तक लाया जा रहा है और वहां से उन्हें जहाजों के जरिए सऊदी अरब के जेद्दाह तक पहुंचा रहे हैं।

अलजजीरा से बात करते हुए खाड़ी और उत्तरी अफ्रीकी देशों में यूरोपीय संघ के राजदूत रहे जेम्स मोरन ने बताया कि लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सबसे अहम एयरपोर्ट होता है, लेकिन खार्तूम में एयरपोर्ट बिल्कुल सुरक्षित नहीं है।

मंत्री बोले- तुम्हारे करम फूट गए, काम ही क्या किया

मुरारीलाल का बीजेपी पर हमला- 12 बार एमएलए बनने वाले काम नहीं गिना सकते

दौसा, 1 मई (एजेंसियां)। कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा ने सोमवार को एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधा। कहा कि वे लोग अल्पसंख्यक छात्रावास के बारे में झूठी अफवाह फैला रहे हैं कि यहां नहीं बन रहा, वहां बन रहा है।

अल्पसंख्यक में जैन, बौद्ध, सिक्ख व मुस्लिम सब आते हैं। लेकिन बीजेपी-आरएसएस वालों को मुद्दा बनाने के लिए कुछ भी होना चाहिए। ऐसे में आप सब कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अफवाहों का जवाब देना चाहिए। मंत्री मीणा सोमवार को गुप्तेश्वर रोड पर पुनर्वास गृह शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि विकास के मामले में तो कुछ भी कहने की जरूरत ही नहीं है। लेकिन कई बार महसूस करते हैं कि लोग अलग हटके कुछ चाहते हैं। झूठी अफवाहों पर ज्यादा विश्वास करते हैं। जबकि हमने दौसा में 100 करोड़ से ज्यादा के काम कराए

हैं।

ईसरदा से पानी लाने का बडा प्रोजेक्ट चल रहा है फिर भी लोग कहते हैं कि पानी आ जाएगा जब जानेंगे। तुम्हारे करम फूट गए क्या, दो-दो मीटर के पाइप आ रहे हैं, सरकार ने हजारों करोड रुपए खर्च कर दिए।

मंत्री ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि तुम 12 बार दौसा से विधायक बन गए, तुमने क्या काम करवाए बताओ। लेकिन हमारे लोगों की भी बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षा हैं, इसलिए कहीं भी उनकी बातों का जवाब नहीं देते।

3 हजार वर्ग मीटर में बनेगा पुनर्वास गृह

गुप्तेश्वर रोड़ पर अंबेडकर भवन के पास तीन हजार वर्ग मीटर में बनने वाले पुनर्वास गृह के निर्माण पर 476.10 लाख की लागत आएगी। तीन मंजिला भव्य एवं सभी सुविधाओं से सुसज्जित पुनर्वास गृह की क्षमता 75 बेड की होगी।

इन सुविधाओं से युक्त होगा पुनर्वास गृह

पुनर्वास गृह भव्य व तीन मंजिला बनाया जाएगा। इसमें भू-तल पर मेडिटेशन हॉल, डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ के कक्ष, आगंतुक कक्ष, किचन, स्टोर, डायनिंग हॉल तथा 12 बैड के दो कक्ष एवं सभी सुविधाओं का निर्माण कराया जाएगा।

प्रथम तल पर 42 बैड क्षमता के 7 कक्ष व द्वितीय तल पर 24 बैड क्षमता के 4 कक्ष समेत मनोरंजन कक्ष, मेडिकल स्टाफ कक्ष सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण कराया जाएगा।

पूर्व गवर्नर सतपाल मलिक के आरोपों पर बोले केंद्रीय मंत्री

पद पर रहते बोले नहीं, हटने के बाद बोल रहे, सभी आरोप बेबुनियाद

बाड़मेर, 1 मई (एजेंसियां)। पूर्व गवर्नर सतमाल मलिक ने पुलवामा हमले और शहादत सहित अलग-अलग मुद्दों पर मोदी सरकार पर आरोपों की जड़ी लगा रहे है। मोदी सरकार के मंत्री ने इन आरोपों के सवाल पर बोलते हुए कहा कि जिनके पीछे स्वार्थ होता है वो लोग निश्चित तौर पर ऐसी बात करते है। जो आरोप लगाए वो बेबुनियाद है और बेबुनियाद आरोप लगाने वाले उस समय पद पर रहते हुए बोलते लेकिन अब पद से हटने के बाद बोलना सही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रभक्त है और देश के सैनिकों पर हमें गर्व है, सैनिकों की शहादत पर हम लोगों को दुख है और उसका बदला भी पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के सैनिकों ने पाकिस्तान सीमा में घुसकर लिया है और आगे भी हमारे सैनिक अवसर आने पर मुंह तोड़ जवाब देंगे।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो प्रोग्राम मन की बात 100 एपिसोड प्रसारित होने पर बाड़मेर महाबार सफेद आकड़ा मंदिर में इस ऐतिहासिक

अवसर के लिए खास तैयारियां की गई थी। इसमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी शामिल हुए। प्रोग्राम में सैकड़ों की तादाद में महिलाए, पुरूष, युवा-युवतियां शामिल हुई।

केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और कहा कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है।

मंत्री बोले- विपक्ष मोदी को गालियां निकलता है उसे भी झेलते है

सतपाल मलिक के आरोपों के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि देश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास है। आरोप लगाने वाले बेबुनियाद आरोप लगाते है। विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी को इतनी गालियां देते है विपक्ष ने कब्र खोदने की बात कही, जहरीला सांप कहा है, पीएम इनकी गालियों को झेलते है। पूर्व गवर्नर के आरोपों का दुबारा सवाल पूछने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिनके पीछे स्वार्थ होता है वो निश्चित रूप से ऐसी बात करते है। मैं तो यह कहना चाहता हूं आज विपक्ष है इस तरीके से आरोप लगा रहा है। जनता प्रधानमंत्री के साथ है। आज भी गिनज वर्ल्ड रिकॉर्ड में लिखा गया है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री को सुना है।

मंत्री बोले- सैनिकों के लिए पेंशन स्कीम सहित कई काम किए

केंद्रीय मंत्री से मिलकर अपनी समस्या से अवगत करवाने के लिए मंत्री ने कहा कि सैनिकों के लिए प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और गृहमंत्री ने पेंशन स्कीम सहित काम किए है। आज देश के सैनिकों के साथ प्रधानमंत्री खड़े है और दीवावली भी बॉर्डर पर जाकर मनाते है। प्रधानमंत्री के दिल में सैनिक पहले है। सैनिकों के विषयों को पीएम, गृहमंत्री और रक्षामंत्री पूरा ध्यान रखे हुए है। सैनिकों के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा समर्पित रही है आगे भी सैनिकों व आमजन के लिए सरकार समर्पित रहेगी।

खाचरियावास बोले- बीजेपी नेता साथ में पार्टियां करते हैं

अंदर से हम सब एक, पब्लिक क्यों परेशान होती है, पता नहीं

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने जनता पर तंज कसा। खाचरियावास ने कहा- मैंने अभी गहलोत साहब को कहा, अब तो जान बाकी रही है। एक साथ पूरी कैबिनेट की जान निकालो और इन को दे दो, फिर भी कहेंगे मजा नहीं आया। अरे पागल यह मर गया और फिर भी तुझे मजा नहीं आया। अब इसका क्या करें ?

खाचरियावास रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- ऐसे लोगों को ऊपरवाला दो देगा कान के नीचे और कहेगा कि साइड में ले जाकर इसे मुर्गा बना। उस बेचारे ने जान निकाल कर दे दी। तेरे अब भी फर्क नहीं पड़ रहा है। यह तो नकटाई कर रहा है।

कांग्रेस-बीजेपी को रिजेक्ट कर दो

मंत्री प्रताप सिंह ने कहा- मैं तो जनता से भी कहता हूं कि अगर कांग्रेस काम नहीं कर रही तो उसे रिजेक्ट कर दो। इसी तरह अगर बीजेपी काम नहीं कर रही तो उसे रिजेक्ट कर दो। कोई तीसरा या

चौथा अच्छा उम्मीदवार है। उन्हें लेकर आ जाओ। क्योंकि डेमोक्रेसी तभी सक्सेसफुल होगी। जब पार्टी के आधार पर नहीं, बल्कि काम और व्यक्ति के आधार पर जनता वोट देगी।

बीजेपी के नेता मेरे साथ पार्टियां करते हैं

खाचरियावास ने कहा- मेरे से बीजेपी का एक नेता बोला- आप हमारी पार्टी (बीजेपी) में आ जाओ। सब ठीक हो जाएगा। मैंने उससे कहा, तू तेरी पेंट संभाल ले। तुम्हारी जो सबसे बड़ी नेता है। वह मेरी खास है। तुझे तो पहचानती तक नहीं है। तुम्हारी पार्टी के सारे नेता मेरे साथ पार्टियां करते हैं। क्योंकि अंदर से तो हम सब एक हैं। बाहर जनता क्यों परेशान होती है, पता नहीं।

सभी नेता एक है, जनता बेवजह लड़ती है

लोकसभा में आप अंदर जाओ, नेता एक-दूसरे से लड़ते हुए नजर आएंगे। शाम को अगर उन्हीं नेताओं को देखोगे तो एक साथ खाना खाते (रोटी तोड़ते) हुए नजर आएंगे। इसलिए जनता को परेशान नहीं होना चाहिए। जनता नेताओं की वजह से थड़ी पर लड़ती हैं। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा- जो चतुर लोग होते हैं, वह राजनीति से खेलते हैं। जो मूर्ख लोग होते हैं, वह राजनीतिक चर्चा करके मित्रों से झगड़ा करते हैं।

कृष्ण ने तो सबको पटा लिया था

प्रताप सिंह भगवान कृष्ण के लिए कहते हैं 'द ग्रेट कृष्ण'। इस पर मुझे ताज्जुब होता है। क्योंकि कृष्ण तो खिलाड़ी आदमी थे। उन्होंने सब को पटा लिया था। भगवान कृष्ण ने एक को भी नहीं छोड़ा था। आज आप किसी को पटा कर देखो। आपके जोरदार थप्पड़ की पड़ेगी।

किसी के साथ घूमते भी दिखोगे। लोग पूछेंगे किसके साथ घूम रहा था। आप कहोगे वह मेरे साथ काम करती है। विश्वास नहीं करेंगे और आपको धक्के मारकर बाहर निकाल दिया जाएगा। आपकी पत्नी एक मिनट में आपका इलाज कर देगी। इसलिए कहता हूं बेवजह लड़ाई मत करो।

मेरी वाइफ ने पूछा था, क्या आप संत हो

खाचरियावास ने कहा- मैं पागल हूं। बोलने लगता हूं, तो चुप नहीं होता। मैंने अपने पीएसओ को समझा रखा है। जब 10 मिनट हो जाए तो मुझे पर्ची देकर बता देना। मैं अपनी बात खत्म कर लूंगा। मैं सनकी हूं, कई बार जब धर्म पर बोलने लगता हूं तो बोलता ही जाता हूं।

एक बार मेरी वाइफ ने मुझे कहा क्या आप खुद को संत समझते हो। मैंने उससे पूछा आखिर ऐसे क्यों कह रही हो? उसने मुझे कहा आप पॉलिटिकल प्रोग्राम में भी धार्मिक बातें करके आ गए। उससे मैंने कहा- तेरा क्या ले लिया। मैं जानू और सुनने वाली जनता जाने, तू जबरदस्ती ही परेशान हो रही है। उसने कहा- क्या आप संत हो क्या? मैंने कहा हां मैं संत हूं। क्योंकि हम किसी का बुरा नहीं करते।

मैंने कांग्रेस और बीजेपी दोनों का किया इलाज

खाचरियावास ने कहा- जब मैं कॉलेज में पढ़ता था। तब मैं कांग्रेस और बीजेपी दोनों का इलाज करता था। हमने तीसरी ताकत बना ली थी। हम कहते थे, दोनों नहीं चलेंगे, हम चलेंगे। लोग कहते थे पागल है। अकेले को कौन पूछेगा, लेकिन ठाकुर जी की कृपा है। आज हमको सब पूछ रहे हैं।

पिकअप की टक्कर से बाइक राइडर और युवती की मौत

इकलौती बेटी थी, मौसी से मिलने अलवर जा रही थी

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। जयपुर में पिकअप की टक्कर से बाइक राइडर और युवती की मौत हो गई। युवती अपने मां-बाप की इकलौटी बेटी थी। वह अलवर मौसी से मिलने जा रही थी। हादसा ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में बर्फखाना के पास सोमवार सुबह 6 बजे हुआ। हादसे के बाद पिकअप ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

ईस्ट दुर्घटना थाने के सब इंस्पेक्टर गजानंद ने बताया- सुबह बाइक कैब ड्राइवर जगदीश प्रसाद शर्मा (48) विवेक विहार जामडोली से शालिनी अग्रवाल (23) पुत्री महेश अग्रवाल को बाइक से गांधीनगर रेलवे स्टेशन ले जा रहा था।

इसी दौरान बर्फ खाना चौराहे के पास में एक पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने 108 एंबुलेंस की मदद से युवक और युवती को एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जगदीश प्रसाद शर्मा को मृत घोषित कर दिया था। हादसे के बाद शालिनी अग्रवाल कोमा में चली गई थी। दोपहर 2 बजे एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान शालिनी की मौत हो गई।

बेटी की मौत पर मचा कोहराम

शालिनी अग्रवाल अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी। शालिनी के पिता महेश अग्रवाल बस्सी कोर्ट में चतुर्थश्रेणी कर्मचारी हैं। वे बस्सी ही रहते हैं। शालिनी अपनी मां मीना गुप्ता के साथ जामडोली जयपुर में रहती थी। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया- शालिनी सिविल लाइन स्थित एक कोचिंग से डिजाइनिंग डेवलपर का कोर्स कर रही थी।

शालिनी ने सुबह घर से गांधी नगर स्टेशन के लिए कैब बाइक बुक की थी। वह अलवर अपनी मौसी से मिलने के लिए जा रही थी। शालिनी ने मां को रात को ही बता दिया था कि वह मौसी से मिलने के लिए अलवर जाएगी। फिर सुबह जल्दी निकल गई।

कैब चलाकर चला रहा था परिवार

जगदीश प्रसाद शर्मा मदनपुरा बस्सी का रहने वाला था। परिवार में पत्नी और एक बच्चा है। जगदीश पिछले दो साल से बाइक कैब चलाकर अपना परिवार चला रहा था। जगदीश के दोस्त विशाल ने बताया- आज सुबह 5 बजे वह बस्सी से निकला था। दुर्घटना की जानकारी सुबह 9 बजे पुलिस से मिली। इसके बाद परिवार एसएमएस अस्पताल पहुंचा। जहां जाकर पता चला की उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद पूरा परिवार टूट गया।

आसाराम को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट में पेश किए थे फर्जी सर्टिफिकेट; लेकिन अभी जेल में ही रहेंगे

जोधपुर, 1 मई (एजेंसियां)। नाबालिग छात्रा से रेप करने वाले आसाराम को आज जोधपुर हाईकोर्ट से जमानत मिली है। यह जमानत आसाराम के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में फर्जी दस्तावेज पेश करने के मामले में मिली है। आसाराम दुष्कर्म के मामले में सजा आजीवन कारावास की सजा काट रहा है, इसलिए वह जमानत के बाद भी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा।

जस्टिस कुलदीप माथुर ने इस मामले में सुनवाई करते हुए जमानत के आदेश दिए। अधिवक्ता नीलकमल बोहरा व गोकुलेश बोहरा ने आसाराम का पक्ष रखा था।

बता दें कि वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट में आसाराम की ओर से जोधपुर सेंट्रल जेल की डिस्पेंसरी का मे डि क ल सर्टिफिकेट पेश किया था, जिसमें आसाराम की कई गंभीर बीमारियों का जिक्र था। इस सर्टिफिकेट की सुप्रीम कोर्ट ने जांच करवाई तो मामला फर्जी निकला।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जोधपुर के रातानाडा थाने में आसाराम के पैरोकार रविराय पर एफआईआर दर्ज हुई और मामले में आसाराम को भी आरोपी बनाया गया।

इस मामले में 18 जनवरी को आसाराम को सीजेएम मेट्रो कोर्ट पेश किया गया। कोर्ट में आसाराम को आरोप सुनाए गए। इसके बाद आसाराम के वकील ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। उसी याचिका पर आज सुनवाई हुई थी।

बारिश से नाले के बहाव, 6 लोग फंसे

अस्पताल के वार्ड में भरा पानी, 12 साल में पहली बार मई में इतनी ठंड

जयपुर, 1 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार मई की शुरुआत फरवरी की सर्दी जैसी हुई। बारिश, ओलों और आंधी से राज्य के कई शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री और दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। जयपुर, उदयपुर, कोटा समेत कई शहरों में 12 साल में पहली बार मई में इतनी ठंडी रात रही। वहीं, बरसात से जगह-जगह पानी भरने की भी जानकारी सामने आई है। करौली में तेज बहाव में तीन बच्चों समेत 6 लोग फंस गए। बाड़मेर में अस्पताल में पानी भर गया। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो जयपुर, टोंक, उदयपुर, कोटा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, पाली, करौली, सवाई माधोपुर, बीकानेर, झालावाड़, बूंदी, बाड़मेर, जालोर समेत कई जगहों पर 2 इंच तक बरसात हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 3 मई तक राजस्थान में इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। 4 मई से प्रदेश में मौसम साफ होगा और तापमान बढ़ने लगेगा।

नाले के बहाव में 3 बच्चों

समेत 6 लोग फंसे

करौली जिले में रविवार को कई इलाकों में बेमौसम बरसात हुई। इस दौरान करणपुर क्षेत्र में दो घंटे तक हुई तेज बारिश से भकूला नाला में तेज बहाव आ गया और 3 बच्चों समेत 6 लोग फंस गए। इन लोगों ने पानी के बहाव में बहकर आए पेड़ को पकड़कर अपनी जान बचाई।

काफी देर बाद जब उनकी चीख पुकार एक चरवाहे ने सुनी तो उसने ग्रामीणों को बताया। लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची, लेकिन रास्ता बंद होने से पुलिस मौके पर नहीं पहुंच सकी। इसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर प्रयास कर सबको बाहर निकाला। नाले में पानी आने से करणपुर-मंडरायल रोड करीब 5 घंटे बंद रहा।

बाड़मेर जिले के समदड़ी कस्बे में रविवार रात हुई तेज बारिश से हॉस्पिटल, अंडर ब्रिज सहित कई इलाकों में पानी भर गया है। समदड़ी के सरकारी हॉस्पिटल में करीब एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। पानी भर जाने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, डॉक्टरों का कहना कि हॉस्पिटल बिल्डिंग नीचे होने के कारण बारिश होने पर हर साल पानी भर जाता है। नई बिल्डिंग का निर्माण हो रहा है, जल्द ही वहां पर शिफ्ट हो जाएगी।

जयपुर में 30 अप्रैल को अधिकांश जगहों पर अच्छी बारिश हुई। फागी, पावटा और किशनगढ़-रेनवाल में एक इंच से ज्यादा बारिश दर्ज हुई। फागी में 35MM बरसात से जगह-जगह पानी भर गया। बारिश से जयपुर का अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया, जो सामान्य से 11 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

जयपुर में मई में इतनी ठंडी रात पिछले 12 साल में कभी नहीं रही, जितनी कल रात को थी। बीती रात जयपुर में न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो 20 मई 2021 को रहे 19.4 डिग्री सेल्सियस से भी कम है। मई 2021 में अरब सागर में चक्रवाती तूफान ताउते आया था, उस समय जयपुर समेत दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में 3 दिन तक खूब बारिश हुई थी।

जयपुर के साथ ही उदयपुर और कोटा में बीती रात मई महीने की सबसे ठंडी रात रही। उदयपुर में बीती रात न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि साल 2012 में 1 मई को 18.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ था। इसी तरह कोटा में आज न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री पर आ गया, जो कोटा में अब तक मई का सबसे कम तापमान रहा।

मोड़ पर अनियंत्रित हुई 2 कारें, 5 दोस्तों की मौत

सड़क किनारे गड्ढे में गिरने से उड़े परखच्चे

हनुमानगढ़, 1 मई (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ स्थित गोगामेड़ी मंदिर में माथा टेकने आ रहे 5 दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। मोड़ पर अनियंत्रित होने से इनकी कारें सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। हादसे में मरने वाले और घायल हरियाणा के कुरुक्षेत्र के रहने वाले हैं। हादसा हनुमानगढ़ के भिरानी थाना क्षेत्र में हुआ। एसआई रामकरण ने बताया कि रविवार देर रात करीब 11 बजे पुलिस को छानी बड़ी रोही में सड़क हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो 2 कार सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में गिरी हुई थी। दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए थे। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को भादरा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। घायलों को हरियाणा के हिसार और अग्रोहा के अस्पतालों में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान 2 लोगों ने दम तोड़ दिया। एसआई रामकरण ने बताया कि 2 कारों में 10 दोस्त हरियाणा से हनुमानगढ़ के गोगामेड़ी में माथा टेकने आ रहे थे। हरियाणा से राजस्थान में प्रवेश करने के बाद झांसल गांव के पास जैसे ही मोड़ आया, कारें अनियंत्रित हो गईं और सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरी।

एएसआई कालूराम ने बताया कि मृतकों की पहचान चतर सिंह उर्फ सोनू पुत्र सुलेखचंद सैनी निवासी गन्दापुर, विकास उर्फ विक्की पुत्र गुरमेल सिंह जाट निवासी जीवरेड़ी, सचिन पुत्र रामेश्वर दास निवासी घनगौरी, राजन पुत्र श्यामसिंह घनगौरी और नरेंद्र पुत्र जगतसिंह निवासी लाडवा, हरियाणा के रूप में हुई है।

12 साल की मासूम को कूचला

कोटा, 1 मई (एजेंसियां)। तेज रफ्तार कार ने 12 साल की मासूम को कूचल दिया। जबकि पीछे चल रही महिला बाल बाल बच गई। घटना धाकड़खेड़ी के पास हाइवे पर कल्पतरु वेयर हाउस के पास की है। मां-बेटी को हॉस्पिटल लाया गया। ड्यूटी डॉक्टर ने चेक कर 12 साल की मासूम को मृत घोषित किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमबीएस हॉस्पिटल की मोर्चरी मे शिफ्ट करवाया गया।

घटना सुबह साढ़े 10 बजे के आसपास की है। लता (35) साल ठेकेदार के पास मजदूरी का काम करती है। वो अपने पति व 12 साल की नवली के साथ निर्माणाधीन मकान पर मजदूरी के लिए निकली थी। बेटी आगे चल रही थी। मां लता उसके पीछे चल रही थी।

गुजराती सोशयल वेलफेयर सोसायटी के सदस्य मेरी ताकत : जिग्नेश दोशी

निर्विरोध 15वीं बार सोसायटी के अध्यक्ष चुने गये जीडी भाई

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दि गुजराती सोश्यल वेल्फेयर सोसायटी की 39वीं साधारण सभा लोअर टैंकबंड स्थित पीवीआर कन्वेन्शन हॉल में आयोजित की गई।

साधारण सभा की बैठक में 2023-25 कार्यकाल के लिए हुए चुनाव में जिग्नेश दोशी को सर्वसम्मति से निर्विरोध 15वीं बार अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी समिति का भी गठन हुआ, जिसमें उपाध्यक्ष के रूप में शांतिलाल पटेल, सचिव योगेश तुरखिया, सह-सचिव शांतिबेन व्यास, कोषाध्यक्ष हेतल सामानी, परामर्शदाता राजेश रामाणी व कार्यकारिणी समिति में अल्पा वोरा, अरविन्द पटेल, मुकेश पटेल, आरतीबेन पुरोहित व पूजा जसानी चुनी गई।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिग्नेश दोशी ने सोसायटी की पूर्व की आयोजित की गई गतिविधियों को वर्णन किया और सोसायटी को उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर आगे बढाने का आश्वासन व प्रेरणा दी।

सोसायटी की गतिविधियों में शामिल डिकरा बचाओ-डिक्री बढाओ, तीर्थ यात्रा स्कीम, ज़रूरतमंदों के लिए पुस्तकें, अखण्ड सौभाग्यवती, महिलाओं के लिए 2 व्हीलर स्पेशल स्कीम, मरणोपरान्त लाभ, एच.ए.एल स्कीम, ग्रह उद्योग, सीनियर सिटिज़न डे, निजी ऋण, व्यापारिक ऋण, चिकित्सा ऋण, शिक्षा ऋण, विवाह हेतु ऋण, विधवा ऋण, तत्काल ऋण, परिक्रमा इंडिया, बालदिवस' जैसे कई सारे कार्यक्रम एवं लाभ सदस्यों को दिए जाएँगे।

अवसर पर जिग्नेश दोशी ने प्रधानमंत्री मोदीजी के विचारों से प्रेरणा लेते हुए सोसायटी को आगे बढ़ाने की आशा जताई है और सभी सदस्यों से निवेदन किया है कि इस कार्य के लिए वे अपना पूर्ण समर्थन सोसाईटी के हित के लिए दें।

नगर पुलिस ऑयुक्त ने उच्च-स्तरीय अपराध समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने एक लंबी उच्च-स्तरीय अपराध समीक्षा की। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नरेट, टीएसपीआईसीसीसी में हुई एक बैठक में सभी एसीपी और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के साथ एचसीपी से संबंधित कई प्रशासनिक मुद्दों पर भी चर्चा की गई। गिरफ्तारी के अभाव में लम्बित सभी अपराधों की समीक्षा की गई। संपत्ति अपराधों का पता लगाने का रिकॉर्ड 85 प्रतिशत है। कुछ सनसनीखेज मामलों की जांच, एफएसएल रिपोर्ट, चार्जशीट और एसीपी को उन पर विशेष रूप से ध्यान देने का निर्देश दिया गया। अपराध का पता लगाने के महत्व पर जोर देते हुए सीपी आनंद ने सुराग टीमों और जांच टीमों के बीच ठोस प्रयासों पर जोर दिया। बैठक के दौरान साइबर अपराधों और नशीले पदार्थों से संबंधित शिकायतों के समाधान, पीएस में क्षमता निर्माण और गुणवत्ता जांच के संबंध में भी चर्चा की गई। हैदराबाद सिटी पुलिस के पुनर्गठन और नए पुलिस स्टेशनों, एसीपी/डीसीपी कार्यालयों, वाहनों आदि पर चर्चा हुई। आईटी और डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाते हुए, 'फिटकॉप' पहल, जिसका उद्देश्य पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य की निगरानी और सुधार करना है। कुल एचसीपी बल के 16,008 को कवर करते हुए कई गुना बढ़ गया है। सीएआर में मानव संसाधनों के अनुकूलन के लिए प्रशिक्षण पहलों पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने प्रशासनिक मुद्दों, एचसीएससी गतिविधियों, ई-ऑफिस आदि पर विस्तृत चर्चा की। अतिरिक्त सीपी ट्रैफिक ने बैठक को छावनी सड़कों की स्थिति, अवैध सायरन के खिलाफ विशेष अभियान, आधुनिक उपकरणों की खरीद और क्षेत्र स्तर के कर्मियों के लिए गर्मियों के उपायों से अवगत कराया। इसके अलावा, बैठक में गश्त और ब्लू कॉल्ट्स के प्रदर्शन, नाइट राउंड सिस्टम के प्रभावी कामकाज आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। विक्रम सिंह मान अतिरिक्त सीपी एल एंड ओ, जी.सुधीर बाबू एडिशनल सीपी ट्रैफिक, एआर श्रीनिवास अतिरिक्त सीपी अपराध और एसआईटी, सभी संयुक्त सीपी, डीसीपी बैठक में शामिल हुए।

गर्मी के मौसम में 44 साप्ताहिक विशेष ट्रेनों का विस्तार

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए रेलवे ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का विस्तार किया है। दमरे के अनुसार ट्रेन सं. 08585/08586 विशाखापत्तनम-महबूबनगर-विशाखापत्तनम 18 साप्ताहिक स्पेशल दोनों दिशाओं में दुव्वाडा, समालकोट, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा, गुंटूर, सत्तेनापल्ली, मिर्यालगुडा, नालगोंडा, मलकाजगिरी, काचीगुडा, उम्दानगर, शादनगर और जादचेरला स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन सं. 08583/08584 विशाखापत्तनम-तिरुपति-विशाखापत्तनम (18 सेवाएं) दोनों दिशाओं में दुव्वाडा, अनाकापल्ली, अन्नावरम, सामलकोट, राजमुंदरी, ताडेपल्लीगुडेम, एलुरु, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, श्री कालहस्ती और रेनिगुन्टा स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन सं. 08543/08544 विशाखापत्तनम - बैंगलोर कैंट - विशाखापत्तनम (आठ सेवाएं) दोनों दिशाओं में दुव्वाडा, समालकोट, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, रेनिगुन्टा, काटपाडी, जोलारपेट्टई, कुप्पम, बंगारापेट और कृष्णराजपुरम स्टेशनों पर रुकेंगी। इन सभी विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, शयनयान श्रेणी और द्वितीय बैठने वाले डिब्बे होंगे।

आंध्र घोटाले में यूपी के आईएएस अधिकारी को मिली जमानत

अमरावती, 1 मई (स्वंतत्र वार्ता)। वर्ष 2001 बैच के यूपी आईएएस अधिकारी को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने 371 करोड़ रुपये के कथित घोटाले में अग्रिम जमानत दे दी है। अधिकारी, यू. अपर्णा को आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम के डिप्टी सीईओ के रूप में तैनात किया गया था। उनके साथ उनके पति जी.वी.एस. भास्कर प्रसाद ने कथित रूप से फंड के डायवर्जन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर कथित तौर पर 371 करोड़ रुपये सार्वजनिक धन की हेराफेरी हुई। आदेश पारित करने वाले न्यायमूर्ति श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्य अभियुक्त विशिष्ट कृत्यों को जिम्मेदार ठहराया गया है। उसे जमानत पर रिहा किया गया था। यह अग्रिम जमानत के लिए याचिकाकर्ता की याचिका को स्वीकार करने के लिए एक उपयुक्त मामला था। इस शर्त के साथ आता है कि वह चार्जशीट दायर होने तक पखवाड़े में एक बार सीआईडी द्वारा की जा रही जांच में सहयोग करें। वर्तमान में यूपी सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मिशन निदेशक, एनआरएचएम, और कार्यकारी निदेशक, एसआईएफएसए के रूप में तैनात अपर्णा 2015 में आंध्र प्रदेश में अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति पर गई थीं। हालांकि, 2017 में, कार्यकाल पूरा होने से पहले ही उन्हें यूपी वापस भेज दिया गया था। आईएएस अधिकारी उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड में 2,267 करोड़ रुपये के कर्मचारी भविष्य निधि घोटाले में भी सीबीआई जांच के घेरे में थी। वह 2017 से 2019 तक यूपीपीसीएल के एमडी के पद पर रहीं।

अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर नयी प्रबंधन समिति गठित

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अक्कन्ना मदन्ना महाकाली मंदिर, हरिबौली, शाहलीबंडा की वार्षिक आम बैठक में सर्वसम्मति से वर्ष 2023-24 के लिए प्रबंधन समिति को चुना गया। मंदिर समिति के आयोजन सचिव एसपी क्रांति कुमार ने बताया कि अध्यक्ष रामदेव अग्रवाल, सचिव के. दत्तात्रेय, कोषाध्यक्ष ए. सतीश कुमार, संरक्षक जी. निरंजन, सलाहकार डॉ. ए.भारत प्रकाश, जी. राजा रत्नम, उपाध्यक्ष एम कृष्णा, एम विनोद कुमार, डी. आर प्रभाकर, संयुक्त सचिव एम. विजय कुमार, जगमोहन प्रसाद कपूर, चेतन सूरी, कार्यकारी सदस्य ए. विजय कुमार, ए. गोपाल, जी. श्रीनिवास, जी. दिनेश, जी. राजू, एम. मुकेश यादव, बसवा राजू, लोकेश सुगंधी को चुना गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

महाप्रबंधक ने सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। श्री जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बिना असफल हुए कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए मालगाड़ियों के पर्यवेक्षण को बढ़ाने और बार-बार फील्ड निरीक्षण करने पर प्राथमिक ध्यान दिया। महाप्रबंधक ने जोन पर गति प्रतिबंधों की समीक्षा की और अधिकारियों को सलाह दी कि जहां भी संभव हो सावधानी के आदेशों को हटा दें, ताकि ट्रेनों की आवाजाही को और तेज किया जा सके।

महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन को आसान बनाने के लिए पूरे जोन में चल रहे सुरक्षा संबंधी कार्यों, नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों, ट्रैफिक ब्लॉक और पावर ब्लॉक को मजबूत करने की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों की आवाजाही में किसी भी तरह की बाधा के बिना कार्यों की योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को बार-बार निरीक्षण करने और ट्रैक मापदंडों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की भी सलाह दी ताकि आवश्यकता पड़ने पर समय पर कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा अरुण कुमार जैन ने पूरे जोन में दोहरीकरण, तिहरी लाइन, विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों सहित विभिन्न चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की उचित योजना और कार्यों के निष्पादन को सुनिश्चित करके कड़ाई से निगरानी करें ताकि परियोजनाओं को लक्षित तिथि तक पूरा किया जा सके।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा के चुनाव व रजत जयंती महोत्सव 14 मई को, हुई बैठक

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की हैदरगुड़ा शाखा की कार्यकारिणी समिति की साधारण सभा का आयोजन नामपल्ली स्थित होटल रेसिडेंसी में की गई। पवन कुमार अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि शाखा की वार्षिक साधारण सभा रविवार 14 मई को आयोजित की जाएगी। महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के साथ सभा आरंभ हुई ततपश्चात शाखा के अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल ने सभी का स्वागत कर अध्यक्षीय भाषण दिया। शाखा के मंत्री महेश कानोडिया ने पिछले सभा के मिनट्स ऑफ़ मिटींग का सभी से अनुमोदन कराया एवं शाखा की गतिविधियों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। शाखा 5 मुख्य पदों, कार्यकारिणी एवं केंद्रीय समिति सदस्य के आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के चुनाव के संदर्भ में शाखा के परामर्शदाता जय प्रकाश गोयल ने बताया अनिल अग्रवाल, वैभवी नारी शक्ति शाखा की संगीता अग्रवाल एवं युवा शाखा के अर्पित अग्रवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। उन्होंने बताया कि शाखा के चुनाव 14 मई 2023 को आयोजित की जाएगी इस संदर्भ में नामांकन भरने की अंतिम तिथि 7 मई तथा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 9 मई होगी। चुनाव अधिकारी ने आगे बताया की शखा के चुनाव में जो भी प्रत्यासी होंगे उनका वर्ष 2023-24 की सदस्यता शुल्क एवं वोटर की सदस्यता शुल्क 2022-23 तक जमा होना अनिवार्य होगा। सभा में चुनाव के साथ साथ शाखा के रजत जयंती समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। शाखा के उपाध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन से सभा का समापन हुआ। इस अवसर पर वैभवी नारी शक्ति एवं हैदरगुड़ा युवा शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित थे। अवसर पर हैं शाखा के अध्यक्षय गोपाल अग्रवाल, मंत्री महेश कानोडिया, सह मंत्री रितेश अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य सीए मनोज कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता अनिल अग्रवाल, सीए पंकज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, सी ए मधुसूदन अग्रवाल, राम गोयल, लक्ष्मीकांत गुप्ता आदि उपस्थित थे।

श्री रामदेवरा दरबार मंदिर में आमोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित श्री रामदेवरा दरबार मंदिर में वैशाख सुदी दशमी के उपलक्ष्य में आयोजित आमोत्सव अंतर्गत मंदिर को विशेष रूप से आमों से सजाया-संवारा गया। उक्त जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्यामसुन्दर गिलडा द्वारा दी गई।

रात्रि 9 बजे तक विश्व विजय भजन मण्डली भजनों द्वारा सम्पूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया गया। भारी संख्या में भक्तों ने अवसर पर मंदिर में दर्शन एवं भजन लाभ प्राप्त किया। अवसर पर धर्मस्व विभाग के कार्यकारी अधिकारी वी. मोहनराव, पूर्व पार्षद प्रेमदास गौड आदि गणमान्य उपस्थित थे। सभी अतिथियों का सम्मान श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किया गया। अवसर पर रामदेवरा मंदिर के श्यामसुन्दर गिलडा, धर्मचन्द भंसाली, कमल जाजू, जगदीश अग्रवाल, एस. वेंकटेश, धर्माराम ढाका सहित मंदिर पुजारीगण सुरेश महाराज, बनवारी महाराज, राकेश महाराज, अरविंद स्वामी, पिंटु महाराज, कौशलेश महाराज, तिवाडी महाराज, अनिल महाराज, पी. जगन्नाथ, चिरंजीलाल, पंकज महाराज का सक्रिय सहयोग रहा।

अग्रवाल समाज रेनबो विस्टास शाखा की वार्षिक बैठक व चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज रेनबो विस्टास शाखा की वार्षिक बैठक व चुनाव किये गये। शाखा के मानद मंत्री राजेंद्र अग्रवाल ने यह जानकारी दी कि अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने स्वागत भाषण दिया मानद मंत्री ने वर्ष भर के आयोजन का विस्तृत वर्णन दिया। कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल ने आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। सहमंत्री तुषार गुप्ता ने सभा का संचालन किया। सलाहकार ओमप्रकाश एवं अरुण केडिया ने वर्ष भर के कार्यक्रम में शामिल होकर और उन्हे सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष दीपक गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। चुनाव अधिकारी तुषार गुप्ता एवं विपिन सिंघानिया ने विभिन्न पदों के लिए आए हुए नामांकन पत्रों के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया पूरी करवाई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री दीपक गोयल, उपाध्यक्ष रविकांत अग्रवाल, सहमंत्री पवन सिंघल एवं कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य विनोद अग्रवाल यह सभी निर्विरोध चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य आकाष दीप तालुका, राहुल सिंघल, राजेश अग्रवाल, सुमीत सिंगल, नवीन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अनुपम गोयल एवं सुनीता सिंघानिया शामिल हैं।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद की ओर से दान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा मलकपेट स्थित श्री चैतन्य फाउंडेशन (ओल्ड एज होम) में दान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान आवश्यक वस्तुएं जैसे ब्रेड, बिस्कुट, स्नैक्स, नाइटीस, लुंगियां, शॉर्ट्स, नारियल का तेल और सैनिटाइजर, फल एवं नमकीन, ओआरएस टेट्रा पैक, बेडशीट आदि वितरित किए। इस अवसर पर सहयोगी डॉ. प्रशांत नीमकर (गवर्नर), श्रीमती परणीता सुत्रोव (अध्यक्षा), श्याम कुमार नाजरे (मंत्री), लक्ष्मणराव सुत्रावे, संजीव कुमार घनाते, मोहन राव देवताराज, श्रीमती शीतल नीमकर, श्रीमती रंजना भोपे, श्रीमती अश्विनी प्रवीण पतंगे, श्रीमती संगीता घनाते ने भी भाग लिया।

श्रमिक दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया

हैदराबाद, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बोईनपल्ली खेल मैदान में आज मई दिवस के उपलक्ष्य में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप के नेतृत्व में श्रमिक दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीटू के राज्य महासचिव नरसिम्हा उपस्थित रहे। युवा नेता टिमकू गौड़ शामिल हुए। मजदूर नेताओं ने छावनी बोर्ड के अधीन सफाई कर्मियों को हमेशा सहयोग देने के लिए जम्पना प्रताप की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर दारलू गणेश, शेखर, पर्यवेक्षक वेंकट स्वामी, महिला कार्यकर्ता गीता माणिक्यम को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। पद्मा स्वरूपा, लक्ष्मी, नीलम्मा संजीवशाव के साथ गणेश, नागराजू विनोद, प्रसाद बस्ती निवासी वरप्रसाद, मुकेश, साईं बाबा यादव, मधु सहित अन्य शामिल हुए।

रेलवे कोर्ट ने तूनी ट्रेन जलाने का मामला खारिज किया

विजयवाड़ा, 1 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा रेलवे कोर्ट ने सोमवार को त्यूनी ट्रेन जलाने के मामले को खारिज कर दिया। अदालत ने यहां फैसला सुनाते हुए रेल के तीन अधिकारियों पर ठीक से जांच नहीं करने पर नाखुशी जाहिर करते हुए उनसे सवाल किया कि इस नाजुक मुद्दे को पांच साल तक क्यों खींचा गया।

रेलवे पुलिसने आरोपियों की सूची में ए1 मुद्रागड़ा पद्मनाभम, ए2 अकुला रामकृष्ण और ए3 मंत्री दादासेत्ती राजा सहित 41 लोगों के खिलाफ चार्जशीट किया है। 24 गवाहों में से 20 अदालत में उपस्थित हुए और उनमें से पांच ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। राज्य सरकार ने तुनी ट्रेन जलाने के मामले में मुकदमे पहले ही वापस ले लिए है। यह घटना जनवरी 2016 में मुद्रागड़ा पद्मनाभम के नेतृत्व में आरक्षण के लिए कापू आंदोलन के दौरान हुई थी, जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ट्रेन में आग लगा दी थी। तेलुगू देशम पार्टी सरकार ने तब 69 मामले दर्ज किए थे, जिन्हें वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार द्वारा वापस ले लिया गया था।

मदनूर में आंगनवाड़ी अधिकारियों सुपर वायजर कविता व आंगनवाड़ी सेविका ने गर्भवती महिलाओं तथा छोटे बच्चों पौष्टिक आहार का वितरण किया। उपस्थित हैं स्थानीय आंगनवाड़ी सेविका चप्पाबाई व अन्य।

आईपीएल में 1000 मैच पूरे : 11 हजार+ छक्के पड़े, 10 हजार से ज्यादा विकेट भी गिरे; 14 सुपर ओवर खेले गए

मुंबई, 1 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग ने 15 साल में 1000 मैचों का सफर तय कर लिया है। रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट की पहली चैंपियन राजस्थान रॉयल्स और 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के बीच ऐतिहासिक 1000वां मैच खेला गया, जिसे मुंबई ने आखिरी ओवर में 3 लगातार छक्के लगाकर जीता।

टूर्नामेंट के एक हजार मैचों में अब तक 2,94,833 रन बन चुके हैं। इनमें 1,474 खिलाड़ियों को मौका मिला, जिन्होंने 26,711 चौके और 11,302 छक्के लगाए। अब तक 14 मुकाबलों के रिजल्ट सुपर ओवर से निकले और महज 5 मैच ही बेनजीता रहे। आगे स्टोरी में हम 1000 मैचों के बाद आईपीएल के अहम रिकॉर्ड्स जानेंगे।

मुंबई सबसे सफल टीम; 5 टाइटल और सबसे ज्यादा 135 मैच जीते

मुंबई इंडियन आईपीएल की सबसे सफल टीम रही। टीम ने सबसे ज्यादा 135 मैच जीते। इतना ही नहीं, मुंबई ने 5 खिताब भी अपने नाम किए हैं। मुंबई के बाद चेन्नई 4 टाइटल के साथ लीग की दूसरी सबसे सफल टीम रही है। टीम ने 218 में से 126 मैच जीते हैं। जीत-हार की इस टेबल के सबसे निचले पायदान पर कोच्चि टस्कर्स केरला है। कोच्चि की टीम 14 में से महज 6 मैच ही जीत सकी।

78 शतक बन चुके हैं अब तक

लीग के ओवरऑल रिकॉर्ड्स की बात करें तो आईपीएल के 1000 मैचों में 2 लाख 94 हजार 833 रन बने हैं। इनमें 1474 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया, जिन्होंने 26,711 चौके और 11,302 छक्के लगाए। इतना ही नहीं, लीग में अब तक 10,614 विकेट भी गिर चुके हैं।

लीग के इतिहास में अब तक 78 शतक और 1509 अर्धशतक भी लगे हैं। 78वां शतक राजस्थान रॉयल्स के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 1000वें आईपीएल मैच में जमाया। गेंदबाजों ने 353 मेडन ओवर्स फेंके, 1195 बार बैटर्स को जीरो पर आउट किया और 29 बार पारी में 5+ विकेट लिए।

आईपीएल के 14 मैच सुपरओवर में गए, टी20आई में 16

इंडियन प्रीमियर लीग में एक ओर 1000 मैच पूरे हो गए हैं वहीं, इंटरनेशनल टी-20 में टेस्ट खेलने वाले टॉप-12 देशों ने इस दौरान 911 मैच ही खेले। आईपीएल में अब तक 14 मैच टाई हुए, जबकि 911 टी-20 इंटरनेशनल में 16 मैच टाई रहे। आईपीएल के 5 मैच ही नो रिजल्ट रहे, जबकि टी-20 इंटरनेशनल के 24 मैचों का रिजल्ट नहीं निकल सका।

लोएस्ट स्कोर के मामले में टी-20 इंटरनेशनल आईपीएल से आगे है। 12 टेस्ट प्लेइंग नेशंस के बीच हुए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे छोटा स्कोर 45 रन का है, जो वेस्टइंडीज के नाम दर्ज है। वहीं, आईपीएल का सबसे छोटा स्कोर 49 रन आरसीबी ने बनाया था। सबसे बड़े स्कोर में भी इंटरनेशनल क्रिकेट ने आईपीएल को पीछे छोड़ा। टी20आई में सबसे बड़ा स्कोर 278/3 रन है, जो अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 23 फरवरी 2019 को देहरादून में बनाया था, जबकि आईपीएल के सबसे बड़े स्कोर का ताज आरसीबी के ही पास है। उसने 2013 में पुणे के खिलाफ बेंगलुरु के मैदान पर 263/5 का स्कोर खड़ा किया था।

कोहली टॉप स्कोरर, धवन 451 रन से पीछे

इंडियन प्रीमियर लीग के ऑलटाइम टॉप स्कोरर का ताज आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के पास है। कोहली ने 231 मैचों की 223 पारियों में 129 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 6957 रन बनाए हैं। उनके नाम 5 शतक और 49 अर्धशतक हैं। इस लिस्ट में दूसरा नाम पीबीकेएस के कप्तान शिखर धवन का है। धवन ने 212 मैच की 211 पारियों में 127.12 के स्ट्राइक रेट से 6506 रन बनाए हैं। धवन के नाम 2 सेंचुरी और 49 हाफ सेंचुरी हैं।

कोहली और धवन के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर का नाम तीसरे नंबर पर है। वॉर्नर ने 170 मैचों में 139.41 के स्ट्राइक रेट से 6187 रन बनाए हैं। वॉर्नर के नाम 4 सेंचुरी और 58 फिफ्टी हैं।

ब्रॉवो के नाम सबसे ज्यादा विकेट, चहल भी पीछे नहीं

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहला नाम सीएसके के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रॉवो का है। इस कैरेबियाई बॉलिंग ऑलराउंडर ने 161 मैचों की 158 पारियों में 17.05 के स्ट्राइक रेट से 183 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 8.38 की इकोनॉमी से 516 ओवर में 4359 रन खर्च किए।

टॉप विकेट टेकर की सूची में राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल ब्रॉवो से महज 5 विकेट पीछे हैं। चहल ने 140 मैच की 139 पारियों में 17.16 के स्ट्राइक रेट से 178 विकेट चटकाए हैं। चहल ने 508 ओवर में 7.67 की इकोनॉमी से 3903 रन खर्च किए हैं।

टॉप गेंदबाजों की सूची में लसिथ मलिंगा तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 122 मैचों में 16.63 के स्ट्राइक रेट से 170 विकेट लिए हैं। उन्होंने 471 ओवर में 7.14 की इकोनॉमी से 3366 रन दिए।

धवन ने जमाए सबसे ज्यादा चौके

आईपीएल में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में पीबीकेएस के कप्तान शिखर धवन सबसे आगे हैं। धवन ने 212 मैच में 734 चौके जमाए हैं। उन्होंने लीग के 212 मैचों में 127.12 के स्ट्राइक रेट से 6506 रन बटोरे हैं। सबसे ज्यादा चौके मारने में डेविड वॉर्नर दूसरे नंबर पर हैं। वॉर्नर के नाम 621 चौके हैं। कोहली इस रिकॉर्ड में तीसरे नंबर पर हैं।

IPL में टोटल

मैच	रन	विकेट	प्लेयर्स
1000	294833	10,614	1474
चौके	छक्के	50	100
26,711	11,302	1509	78
डक	मेडन	5+ विकेट	अर्धशतक
1195	353	29	1509

गेल ने जड़े सबसे ज्यादा छक्के, कोई आस-पास भी नहीं

इंडियन प्रीमियर लीग में सबसे ज्यादा छक्के जमाने का रिकॉर्ड आरसीबी के पूर्व बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम दर्ज है। उन्होंने 142 आईपीएल मैचों में 357 छक्के जमाए हैं। उनके नाम 148.96 के स्ट्राइक रेट से 4965 रन दर्ज हैं। गेल ने 6 सेंचुरी और 31 फिफ्टी जमाई हैं।

सिक्सर किंग की सूची में गेल के बाद पूर्व आरसीबी बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का नाम आता है। एबी ने 184 मैचों में 251 छक्के जमाए हैं। उनके नाम 151.68 के स्ट्राइक रेट से 5162 रन दर्ज हैं।

इस सूची में इन दोनों दिग्गजों का पीछा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कर रहे हैं। शर्मा ने लीग में अब तक 250 छक्के लमाए हैं। वे डिविलियर्स के रिकॉर्ड से एक सिक्स दूर हैं। रोहित ने लीग के 235 मैचों में 129.97 के स्ट्राइक रेट से 6063 रन बनाए हैं। रोहित के खाते में एक शतक और 41 अर्धशतक दर्ज हैं।

फिफ्टी जमाने में माहिर हैं वॉर्नर

चौकों-छक्कों के बाद फिफ्टी की बात करें तो दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर का कोई तोड़ नहीं हैं। वॉर्नर लीग में 59 अर्धशतक जमा चुके हैं। विराट कोहली और शिखर धवन 49-49 अर्धशतकों के साथ वॉर्नर का पीछा कर रहे हैं।

गेल के नाम सबसे ज्यादा शतक

टूर्नामें में सबसे ज्यादा सेंचुरी क्रिस गेल ने जमाई है। उन्होंने नाम 6 शतक दर्ज हैं। विराट कोहली और जोस बटलर 5-5 शतकों के साथ गेल के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं। अब यह देखना रोचक है कि गेल के रिकॉर्ड की बराबरी कौन करता है और कौन उनके रिकॉर्ड को तोड़ता है।

अमित मिश्रा हैट्रिक के बादशाह

आईपीएल में जब भी हैट्रिक की चर्चा होती है तो पहला नाम स्पिनर अमित मिश्रा का नाम सबसे पहले आता है। मिश्रा लीग में तीन बार हैट्रिक ले चुके हैं। उनके नाम लीग में सबसे ज्यादा हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड है। हैट्रिक लेने वाले गेंदबाजों में अमित मिश्रा के बाद युवराज सिंह का नाम आता है। युवी लीग में दो हैट्रिक ले चुके हैं।

रैना ने लिए सबसे ज्यादा कैच, विकेट के पीछे धोनी सबसे आगे

आईपीएल में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड सुरेश रैना के नाम है। रैना ने बतौर फील्डर 109 कैच पकड़े हैं। कायरन पोलार्ड 103 और विराट कोहली 101 कैच के साथ रैना के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं। वहीं बतौर विकेट कीपर सबसे ज्यादा कैच सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने लिए हैं। धोनी के नाम 137 कैच हैं। दिनेश कार्तिक 131 कैच के साथ धोनी के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं।

गेल ने खेली थी लीग की सबसे बड़ी पारी

आईपीएल में सबसे बड़ा इंडीविजुअल स्कोर क्रिस गेल ने बनाया है। गेल ने पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 2013 में नाबाद 175 रन बनाए थे। गेल ने ब्रैंडन मैक्कुलम के 158 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो मैक्कुलम ने 2008 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बनाया था। इस लिस्ट में तीसरा नाम क्विंटन डी कॉक का है। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 2022 में नाबाद 140 रन की पारी खेली थी। डीकॉक के बाद एबी डिविलियर्स और केएल राहुल का नंबर आता है।

वॉर्नर, ब्रावो, वॉटसन टॉप विदेशी प्लेयर्स

आईपीएल में पहले सीजन से अब तक विदेशी खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के प्लेयर्स का ही दबदबा रहा। टॉप-3 विदेशी बैटर की लिस्ट में भी इन्हीं देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर 6187 रन पूरे कर चुके हैं, वहीं साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ने 5 हजार से ज्यादा और वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने करीब 5 हजार आईपीएल रन बनाए हैं।

बॉलर्स में भी वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो टॉप विदेशी बॉलर हैं, उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 183 विकेट लिए हैं। उनके बाद विदेशियों में श्रीलंका के लसिथ मलिंगा ने 170 और वेस्टइंडीज के सुनील नरेन ने 159 विकेट लिए हैं।

ऑलराउंडर्स में ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन, वेस्टइंडीज के कायरन पोलार्ड और आंद्रे रसेल जैसे प्लेयर्स टॉप पर हैं। वॉटसन ने जहां करीब 4000 रन बनाने के साथ 92 विकेट लिए हैं। वहीं रसेल ने 2000 से ज्यादा रन बनाने के साथ 95 विकेट लिए हैं और मुंबई से खेलने वाले पोलार्ड ने साढे. 3 हजार के करीब रन बनाने के साथ 69 विकेट भी लिए हैं।

कोहली, चहल, जडेजा टॉप भारतीय

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान आईपीएल के टॉप बैटर हैं। वह 7000 रन बनाने से 43 रन ही दूर हैं, उनके बाद शिखर धवन और रोहित शर्मा जैसे बैटर भी हैं, जो 6000 से ज्यादा आईपीएल रन पूरे कर चुके हैं।

गेंदबाजों में युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में ड्वेन ब्रावो के बाद सबसे ज्यादा 178 विकेट लिए हैं। उनके बाद रविचंद्रन अश्विन, पीयूष चावला, अमित मिश्रा और भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाजों ने भी 160 से ज्यादा विकेट लिए हैं।

ऑलराउंडर्स में रवींद्र जडेजा टॉप भारतीय हैं, उन्होंने 218 मैचों में ढाई हजार रन बनाने के साथ 143 विकेट भी लिए हैं। उनके अलावा युसुफ पठान, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भी बतौर ऑलराउंडर अच्छा प्रदर्शन किया है।

आरसीबी के नाम सबसे बड़ा स्कोर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल में 24 बार 200 से ज्यादा रन बनाए हैं, उनसे ज्यादा चेन्नई सुपर किंग्स ही 27 बार 200 रन के आंकड़े को पार कर सकी है। इन्हीं 2 टीमों के नाम आईपीएल के टॉप-6 में से 4 स्कोर हैं। बेंगलुरु तो टॉप-3 में 2 बार काबिज है। टीम ने 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 263 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

आरसीबी के बाद 28 अप्रैल को ही लखनऊ सुपरजायंट्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 257 रन बनाया। 2016 में गुजरात लायंस के खिलाफ आरसीबी ने 248 रन बनाए थे, जो टूर्नामेंट इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

आरसीबी 4 बार 70 से कम पर ऑलआउट हुई

23 अप्रैल 2013 को बेंगलुरु ने सबसे बड़ा स्कोर बनाया था, उसके 4 साल बाद 23 अप्रैल 2017 को कोलकाता के खिलाफ टीम महज 49 रन पर ऑलआउट हो गई। बेंगलुरु के अलावा कोई भी टीम आईपीएल में 50 या उससे कम के स्कोर पर अब तक ऑलआउट नहीं हुई है।

मेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप ताशकंद में

शिव, हसामुद्दीन और आशीष से मेडल के रंग बदलने की उम्मीद; भारत को नहीं मिला है अब तक गोल्ड

ताशकंद, 1 मई (एजेंसियां)। पुरूषों का वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप आज से ताशकंद में शुरू होगा। भारत के 13 बॉक्सर इस बार भाग ले रहे हैं। इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की ओर से बेस्ट प्रदर्शन कर चुके अमित पंघल टीम में जगह नहीं बना पाए हैं। पंघल ने 2019 में सिल्वर मेडल जीता था। भारत आज तक पुरुषों में वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल नहीं जीता है। भारत को पिछले सीजन में आकाश कुमार ने केवल बॉन्ज मेडल जीता था। इस वर्ल्ड बॉक्सिंग में 2024 पेरिस ओलिंपिक गेम्स के लिए कोटा नहीं हैं। हालांकि, इस साल सिंतबर में एशियन गेम्स में होना है। वहां 2024 में पेरिस में होने वाले ओलिंपिक गेम्स के लिए कोटा भी हे। ऐसे में यह भारतीय बॉक्सरों के लिए एशियन गेम्स से पहले अपनी तैयारियों को परखने का मौका है। दरअसल इस बार वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए टीम के चयन में नई सिलेक्शन पॉलिसी को

अपनाया गया। इसके तहत ट्रायल के बजाय करीब 1 महीने तक विशेषज्ञों की टीम खिलाड़ियों की ट्रेनिंग के दौरान उनका मूल्यांकन किया। इसमें सबसे ज्यादा अंक पाने वाले बॉक्सर को ही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए टीम में उस वेट में जगह दी गई। अमित को विशषज्ञों की टीम ने 682 अंक दिए थे। वह दूसरे स्थान पर रहे, जबकि दीपक कुमार को 731 अंक मिले। वह पहले स्थान पर रहे। दीपक का प्रदर्शन में हाल में बेहतर रहा है। उन्होंने स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में 2016 के रियो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट और 2019 के वर्ल्ड चैंपियन उज्बेकिस्तान के शाखोबिदिन ज़ोइरोव को हराया।

शिव थापा से है काफी उम्मीद

अमित की गैर मौजूदगी में 6 बार के एशियाई चैंपियनशिप के मेडलिस्ट शिव थापा से 63 किलो वेट में मेडल की उम्मीद होगी। शिव 2015 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। शिव के आलवा 57 किलो वेट में मोहम्मद हुसामुद्दीन और 80 किलो वेट में आशीष चौधरी से मेडल की काफी उम्मीद है। हुसामुद्दीन दो बार के कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीत चुके हैं। आशीष एशियाई चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल अपने नाम कर चुके हैं। आशीष ने टोक्यो ओलिंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था।

टीम में 2021 यूथ वर्ल्ड चैंपियन सचिन सिवाच (54 किग्रा) और हर्ष चौधरी (86 किग्रा) पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इनके अलावा सभी बॉक्सरों के पास वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में खेलने का अनुभव है। ताशकंद में 104 देशों के करीब 640 बॉक्सर भाग ले रहे हैं। इसमें सात डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन भी शामिल होंगे, जिनमें फ्रांस के सोफियान ओउमिहा, जापान की टोमोया त्सुबोई और सिवोन्नेट्स ओकाज़ावा, अजरबैजान के लोरेन अल्फोंसो, कजाकिस्तान के सकेन बिबोसिनोव और क्यूबा के योएनलिस हर्नांडेज़ मार्टिनेज और जूलियो ला क्रूज़ शामिल हैं।

सात्विक-चिराग ने एशियन बैडमिंटन में जीता डबल्स का पहला गोल्ड

61 साल के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनी भारतीय जोड़ी, मलेशियाई पेयर को हराया

दुबई, 1 मई (एजेंसियां)पिछले साल भारत को थॉमस कप, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेडल जिताने वाली चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ने एक और कारनामा किया है। इस जोड़ी ने भारत को एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप में डबल्स कैटेगरी का पहला गोल्ड दिलाया है।

कोई भारतीय जोड़ी चैंपियनशिप के 61 साल के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनी है। इतना ही नहीं, इस जोड़ी ने भारत को 1965 के बाद चैंपियनशिप का दूसरा गोल्ड दिलाया है। इससे पहले, दिनेश खन्ना ने मेंस सिंगल कैटेगरी में देश को पहला गोल्ड दिलाया था।

दुबई में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में चिराग और सात्विक ने ओंग यू सिन और तेओ ई ओ यी की मलेशियाई जोड़ी तीन गेम में 16-21, 21-17, 21-19 से हराया। यह मैच एक घंटा 7 मिनट चला।

इस अचीवमेंट पर बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हिमंत बिस्वा सरमा ने 20 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है।

आखिरी गेम में मिली जीत

फाइनल में मलेशिया के ओंग यू सिन-तेओ ईओ यी के खिलाफ सात्विक-चिराग ने 2-1 से जीत हासिल की। पहले गेम में सात्विक-चिराग एकतरफा मुकाबलें में 16-21 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में मलेशिया की जोड़ी ने 21-17 से जीत हासिल करते हुए मैच को रोचक बना दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग ने जोरदार वापसी की। पहले भारतीय जोड़ी 11-15 से पीछे चल रही थी, फिर बाद में 21-19 की रोमांचक जीत हासिल करते हुए गोल्ड अपने नाम कर लिया।

सेमीफाइनल में मिला था वॉकओवर

सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग को ताइपे यानी ताइवान की जोड़ी ने वॉकओवर दिया था। जोड़ी ने पहले गेम में ताइवान की जोड़ी को 21-18 से हराया और दूसरे सेट ची-लिन शॉट चोटिल हो गए। इस कारण ची-लिन और यांग की जोड़ी को रिटायर होना पड़ा। इस कारण सात्विक-चिराग 1961 के बाद फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय जोड़ी बनी।

धोनी के बाद कौन होगा सीएसके का कप्तान?

वसीम अकरम ने लिया इस स्टार खिलाड़ी का नाम

खेल डेस्क, 1 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एम एस धोनी के लिए आखिरी सीजन हो सकता है। ऐसे में बड़ा सवाल ये खड़ा हो रहा है कि धोनी संन्यास के बाद चेन्नई सुपर किंग्स का अगला कप्तान कौन होगा? इसे लेकर पाकिस्तान टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपनी राय दी है।वसीम अकरम ने बताया कि सीएसके का अगला कप्तान अजिंक्य रहाण को बनाना चाहिए। स्पोर्ट्सकीड़ा से खास बातचीत में वसीम अकरम ने कहा कि 'सीएसके ने पिछले साल जडेजा को कप्तान के तौर पर ट्राई किया था और इससे उनकी अपनी परफॉर्मेंस पर असर पड़ा था। मुझे नहीं लगता है कि कप्तानी के लिए रहाणे से बेहतर प्लेयर सीएसके को कोई मिलेगा। एक तो वो लोकल प्लेयर हैं और वो निरंतरता के साथ परफॉर्म करते हैं। लीग्स में लोकल कप्तान ज्यादा कामयाब होते हैं।' वसीम अकरम ने रहाणे को कप्तान बनाने की सलाह देते हुए आगे कहा कि 'विदेशी कप्तान जो दो महीने के लिए आता है, उसे प्लेयर्स के नाम भी ठीक से नहीं पता होते हैं तो फिर वो कप्तानी कैसे सही करेगा। ऐसे में अगर धोनी संन्यास लेते हैं तो फिर मेरी राय में रहाणे को सीएसके का अगला कप्तान होना चाहिए। बाकी टीम की अपनी भी सोच होगी कि वो क्या चाहते हैं।"

अजिंक्य रहाणे का बल्ला इस सीजन आग उगल रहा है। उन्होंने अभी तक पांच पारियों में 52.25 की जबरदस्त औसत के साथ 209 रन बनाए हैं। इस सीजन रहाणे का स्ट्राइक रेट काफी चौंकाने वाला रहा है। उन्होंने 199.04 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। खास बात ये है कि रहाणे के पूरे आईपीएल करियर का इतना स्ट्राइक रेट नहीं है।

बृजभूषण ने कहा- पीएम कहें तो तुरंत इस्तीफा दे दूंगा

बोले- साजिश के पीछे कई 100 करोड़ खर्चे, रेसलर्स के धरने में पहुंचे नवजोत सिद्धू

पानीपत, 1 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली में जंतर मंतर पर पहलवानों का धरना 9वें दिन भी जारी है। दोनों पक्षों की ओर से लगातार आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच आरोपी बीजेपी सांसद बृजभूषण ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री कहेंगे, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। उधर, पहलवानों को संयुक्त किसान मोर्चा का भी साथ और समर्थन मिल गया है। 2 मई को धरना स्थल पर मोर्चा के अध्यक्ष राकेश टिकैत जाएंगे और पहलवानों से मुलाकात करेंगे। इसके साथ आज पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू भी धरने में पहुंचे।

सोमवार को जंतर-मंतर पर पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्दू पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि यह जानना कि क्या सही है और क्या नहीं करना सबसे बड़ी कायरता है। एफआईआर में देरी क्यों हुई? प्राथमिकी को सार्वजनिक न करना यह दर्शाता है कि प्राथमिकी हल्की है और

सच्चाई उजागर का तरीका "हिरासत में पूछताछ" - नवजोत सिंह सिद्धू

शिकायतकर्ता की शिकायत की पुष्टि नहीं करती है।

मंशा संदिग्ध है और मकसद अभियुक्तों की रक्षा करना है। क्या चीजों को छुपाया जा रहा है? जिस अधिकारी ने एफआईआर में देरी की, उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 166 के तहत मुकदमा क्यों नहीं चलाया जा रहा है। क्योंकि वह प्राथमिकी दर्ज करने के लिए बाध्य था, जो सुप्रीम कोर्ट के ललिता कुमारी बनाम यूपी सरकार के फैसले के अनुसार एक संज्ञेय अपराध के मामले में अनिवार्य है।

पीओसीएसओ एक्ट के तहत दर्ज मामले गैर जमानती हैं। अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं? क्या ऊंचे और ताकतवर के लिए कानून अलग है ? विचाराधीन व्यक्ति प्रभाव और प्रभुत्व की स्थिति में क्यों बना रहता है जो किसी के भी करियर को बना और बिगाड़ सकता है? उनके नेतृत्व में एक निष्पक्ष जांच असंभव है। राष्ट्र समझता है कि समिति का गठन केवल देरी और विचलन है। सार्थक जांच के लिए आगे बढ़ने और सच्चाई को उजागर करने का एकमात्र तरीका "हिरासत में पूछताछ" है, बिना इसकी निष्पक्ष जांच बेमानी है। यह लड़ाई हर महिला के सम्मान, अखंडता और गरिमा के लिए है। एक समाज जो महिलाओं का सम्मान नहीं करता है वह नीचे की ओर जा रहा है। यदि उच्च सम्मान और उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के साथ देश का गौरव बढ़ाने के लिए इतना घिनौना व्यवहार किया जाता है तो कल्पना कीजिए सड़कों पर उन लोगों का भाग्य? जिनके मत से बनती है सरकारें, खेल जगत के चमकते हुए सितारे, सड़कों पे दर बदर भटक रहे बेचारे। वहीं बृजभूषण ने धरने को साजिश बताते हुए कहा, "इसके पीछे कई 100 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं और इसमें दीपेंद्र हुड्डा के साथ-साथ एक बड़ा उद्योगपति भी शामिल है। अगर मेरे ऊपर लगाए गए आरोपों का कोई सबूत है तो दिखा दीजिए, मैं इस्तीफा दे दूंगा।" उनसे जब पूछा गया कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह दें तो क्या आप इस्तीफा दे देंगे? इसके जवाब में वे कहते हैं, "तुरंत इस्तीफा दे देंगे। सिर्फ प्रधानमंत्री ही नहीं पार्टी में अमित शाह, जेपी नड्डा में से भी कोई कहेगा तो भी इस्तीफा दे दूंगा।"

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जब तक अदालत गुनाहगार नहीं बताएगी, तब तक गुनाहगार नहीं हूं। कानून का जो फैसला आएगा, वह स्वीकार है। मैंने कोई गलत काम नहीं किया है और न कभी करूंगा। हमारे यश को मारने का प्रयास किया जा रहा है। राजनीति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से किसी भी पार्टी ने मेरे खिलाफ बयान नहीं दिया है।

ब्राजील में दोबारा आकर ट्रेनिंग ले रही यूक्रेन फुटबॉल टीम

ब्राजील, 1 मई (एजेंसियां)। पिछले साल रूस के यूक्रेन पर हमला करने की वजह से यूक्रेन में रातों-रात बहुत सी चीजें बदल गईं। घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट यूक्रेनियन प्रीमियर लीग में हिस्सा लेने वाली टीम एफसी मारियुपोल भी अचानक गायब हो गई। ये टीम यूक्रेन के शहर मारियुपोल का प्रतिनिधित्व करती थी। 19 मार्च 2022 को मारियुपोल टीम का मैच एफसी कोलोस से था। रूस ने टीम के स्टेडियम और ट्रेनिंग सेंटर को भी नहीं छोड़ा था। क्लब के कैंपस को सेना का आवास बना लिया गया था और स्टेडियम बचा ही नहीं था।

इस साल जब युद्धग्रस्त यूक्रेन में घरेलू टूर्नामेंट फिर से शुरू किया गया तो मारियुपोल क्लब का एक भी मैच शेड्यूल नहीं था। टीम का सब कुछ बर्बाद हो चुका था। क्लब के उपाध्यक्ष एंड्री सैनिन ने बताया, 'हम मैच नहीं खेल पा रहे थे। ये हमारे लिए बहुत परेशान करने वाला था। हम सोचने लगे कि किस तरह हम लोगों को याद रह सकते हैं।'

वे कहते हैं, 'फुटबॉल की बात करते ही सबके जेहन में ब्राजील का नाम आता है। इसी ब्राजील में एक शहर है, जिसकी 80% आबादी यूक्रेनी हैं। प्रूडेंटोपोलिस शहर में 52 हजार निवासियों में से 39 हजार यूक्रेन के हैं। उनका अपना फुटबॉल क्लब एसोसिएशन एटलेटिका बाटेल है।'यूक्रेन के क्लब को समर्थन देने के लिए ब्राजील का ये क्लब अपना नाम और जर्सी बदल रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.